सूर्योदय 5:47 सूर्यास्त 6:51

आज का तापमान
शिमला 15.2 न्यू 25.4 अधि
धर्मशाला 12.6 न्यू 30.0 अधि

बाजार
सेंसेक्स 80116.49
निफ्टी 24328.95

सोना 98,350 चांदी 98,970

अनंत ज्ञान

www.anantgyaan.in

केएल राहुल ने पिछले सत्र के बोझ को छोड़ा पीछे : पुजारा

पृष्ठ 14 पर

आरएनआई नं. HPHIN01099 | कांगड़ा | वीरवार, 24 अप्रैल 2025 | 12 बैशाख, विक्रमी संवत 2082 | वर्ष 2, अंक 115, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

आज का मैच

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु vs राजस्थान रॉयल्स

समय: रात 7:30 बजे (बेंगलुरु)

आतंकियों के खात्मे के लिए बनी अहम रणनीति

पीएम आवास पर सुरक्षा को लेकर ढाई घंटे तक चली बैठक, मोदी बोले- हमलावरों को नहीं छोड़ेंगे

पीएम आवास पर सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति की बैठक की अध्यक्षता करते मोदी।

एजेंसी, नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए नृशंस आतंकी हमले के एक दिन बाद बुधवार शाम पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में पीएम आवास पर सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक में आतंकियों के खात्मे के लिए गुप्त रणनीति बनाई गई। ढाई घंटे तक चली मैराथन बैठक देर रात साढ़े आठ बजे खत्म हुई।

सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी शामिल रहे। पहलगाम हमले में 28 लोग मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को सऊदी अरब की यात्रा बीच में छोड़कर ही बुधवार सुबह वापस आ गए। पीएम ने कहा कि हमलावरों को नहीं छोड़ा जाएगा।

वहीं, वहीं, वित्त मंत्री सीतारमण भी अपनी आधिकारिक यात्रा को बीच में ही छोड़कर अमेरिका से वापस आ रही हैं।

प्रधानमंत्री ने अपने आगमन के तुरंत बाद हवाई अड्डे पर भी एक अहम बैठक की। (अनंत ज्ञान)

आतंक के आगे नहीं झुकेगा भारत दोषियों को नहीं बख्शेंगे : शाह

पहलगाम का किया दौरा, मारे गए लोगों को दी श्रद्धांजलि, पीड़ित परिवारों से भी मिले

एजेंसी, पहलगाम

गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पहलगाम के बैसरन मैदान का दौरा किया, जहां पर मंगलवार को आतंकियों ने हमला कर 28 निर्दोष पर्यटकों की जान ली थी।

इस हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने श्रीनगर में पुलिस नियंत्रण कक्ष के बाहर एक मार्मिक समारोह में पुष्पांजलि अर्पित करके हमले के मारे गए लोगों को

श्रद्धांजलि देते अमित शाह।

श्रद्धांजलि दी। शाह ने पीड़ित परिवारों से भी मुलाकात की। अमित शाह ने 'एक्स' पर कहा कि देश आतंकवाद के आगे नहीं झुकेगा और जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों की हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, शाह बुधवार को जीएमसी अनंतनाग के 'एसोसिएटेड अस्पताल' गए और उन्होंने पहलगाम में आतंकवादी हमले में घायल हुए लोगों का हालचाल जाना।

तीन आतंकियों के स्कैच जारी

हिरासत में लिए गए 1500 ओवर ग्राउंड वर्कर्स

श्रीनगर। सुरक्षा एजेंसियों ने दक्षिण कश्मीर के पहलगाम के पास हुए आतंकी हमले में शामिल तीन आतंकियों के स्कैच जारी किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्धों के नाम आसिफ फौजी, सुलेमान शाह और अबू तल्हा हैं। उन्होंने बताया कि तीनों आतंकवादियों के कोड नाम भी थे-मूसा, यूनुस और आसिफ और ये तीनों पुंछ में आतंकी घटनाओं में शामिल थे। हमले में जीवित बचे लोगों की मदद से स्कैच जारी किए गए हैं। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से संबद्ध संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने मंगलवार दोपहर को अंजाम दिए गए आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली है। इंटेलिजेंस सूत्रों ने बताया कि हमले का मास्टरमाइंड लश्कर-ए तैयबा का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह खालिद है, जो पाकिस्तान में मौजूद है। इधर, नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) भी जांच के लिए पहलगाम पहुंच गई है। शुरुआती जांच में पता चला है कि हमले में 5 आतंकी शामिल थे। इनमें से दो लोकल और 3 पाकिस्तानी आतंकी थे। पुलिस ने पूछताछ के लिए सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया है। इस बीच, पाकिस्तान के डिफेंस मिनिस्टर ख्वाजा आसिफ ने कहा कि इस हमले में हमारा कोई हाथ नहीं है। वहीं आतंकी रिकॉर्ड वाले 1500 ओवर ग्राउंड वर्कर्स को शक के आधार पर हिरासत में लिया है। पकड़े गए लोगों के खिलाफ पहले से ही किसी न किसी घटना से जुड़े केस दर्ज हैं।

बारामूला में घुसपैठ कर रहे दो आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में बुधवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम करते हुए दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया। सेना ने कहा कि उत्तर कश्मीर जिले के उरी नाला में घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी गई। चिनार कोर ने 'एक्स' पर कहा कि 23 अप्रैल को बारामूला में उरी नाले के सरजीवन के रास्ते दो-तीन आतंकवादियों ने घुसपैठ की कोशिश की। नियंत्रण रेखा पर तैनात सतर्क सैनिकों ने घुसपैठियों को चेतावनी दी और उन्हें रोका, जिसके बाद गोलीबारी हुई। सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच भारी गोलीबारी हुई और जवानों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। अभियान जारी है और सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। आतंकवादियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और अन्य सामान बरामद किया गया है।

कुलगाम में मुठभेड़ जवानों ने टीआरएफ का टॉप कमांडर घेरा

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच कुलगाम जिले में एनकाउंटर चल रहा है। जवानों ने द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के टॉप आतंकी को घेर लिया है और दोनों ओर से गोलीबारी जारी है। टीआरएफ पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा आतंकी संगठन है। इसी टीआरएफ ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले को भी अंजाम दिया है, जिसमें 28 निर्दोष लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 अन्य घायल हो गए। कश्मीर जिले के तंगमर्ग इलाके में गोलीबारी हो रही है।

हमले के बाद हिमाचल सरकार अलर्ट, सीमाओं पर चौकसी बढ़ाने के निर्देश

शिमला। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद हिमाचल सरकार ने हाई अलर्ट जारी किया है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को पुलिस अधिकारियों को राज्य की सीमाओं पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए हैं। सुक्खू ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इस आतंकी हमले को कायराना करार दिया है। सीएम ने हमले में मारे गए पर्यटकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि वे इस दुखद घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ हैं। साथ ही घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। मुख्यमंत्री ने इस घटना के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

रक्षा मंत्री ने तीनों सेना प्रमुखों के साथ की बैठक

राजनाथ बोले- धर्म को निशाना बनाकर किया हमला, मिलेगा करारा जवाब

एजेंसी, नई दिल्ली

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा मंत्रालय में अहम बैठक की। बैठक में सीडीएस अनिल चौहान और एनएसए अजित डोभाल भी शामिल हुए।

बैठक में थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायुसेना चीफ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी भी मौजूद रहे। रक्षा मंत्री ने सुरक्षा के हालात पर चर्चा की और रक्षा मंत्री ने सुरक्षा इंतजाम कड़े करने के निर्देश दिए। राजनाथ ने जिस जगह हमला हुआ, उसके आसपास भी सैनिकों की तैनाती बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। यह बैठक करीब ढाई घंटे चली। राजनाथ ने कहा कि मासूम नागरिकों पर यह कायराना हमला है। हम हर जरूरी कदम उठाएंगे और करारा जवाब दिया जाएगा। भारत को डराया नहीं जा सकता। आतंकवाद के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी है। इस हमले में हमारे देश ने कई निर्दोष नागरिकों को खोया है। धर्म को निशाना बनाकर आतंकी हमला किया गया।

जेएंडके सरकार देगी मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले ने देश को झकझोर कर रख दिया है। इस दुखद घटना के बाद जम्मू-कश्मीर सरकार ने पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मुआवजे की घोषणा की है। सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए 10-10 लाख और घायलों के लिए 2-2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया है। वहीं, मामूली रूप से घायलों के लिए 1 लाख रुपए की अनुग्रह राशि की घोषणा की गई।

न्यूज शॉर्ट्स

शीर्ष अदालत पहुंचा पहलगाम आतंकी हमले का मामला

नई दिल्ली। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट में पर्यटकों की सुरक्षा की मांग को लेकर जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है। याचिका में कहा गया कि गृह मंत्रालय और राज्यों को पहाड़ी स्थानों पर आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा के लिए सशस्त्र बल की तैनाती के निर्देश दिए जाएं।

कांग्रेस ने सीडब्ल्यूसी की आज आपात बैठक बुलाई

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर वीरवार को सुबह 11 बजे पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की आपात बैठक बुलाई है। यह जानकारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दी। उन्होंने 'एक्स' कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों की ओर से निर्दोष पर्यटकों की हत्या से हमें गहरा दुःख और सदमा पहुंचा है। कांग्रेस कड़े शब्दों में इसकी निंदा करती है। यह हमला हमारे देश की एकता व अखंडता पर कायराना हमला है। (अनंत ज्ञान)

सुप्रीम कोर्ट बोला-आपसी बातचीत से सुलझाएं मामला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा से कहा कि वे मानहानि मामले को आपसी बातचीत से निपटा लें। कांग्रेस नेता विवेक तन्खा ने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में साल 2021 के पंचायत चुनावों में शिवराज सिंह चौहान, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा और पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह ने उनके खिलाफ 'संगठित, दुर्भावनापूर्ण, झूठा और मानहानिकारक' अभियान चलाया था। (अनंत ज्ञान)

6.2 तीव्रता के भूकंप के झटकों से कांपा इस्तांबुल

इस्तांबुल। तुर्की के मरमरा सागर में आए 6.2 तीव्रता के भूकंप से इस्तांबुल हिल उठा। हालांकि, अभी तक किसी प्रकार की क्षति या चोट की कोई तत्काल सूचना नहीं है। तुर्की की आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी व यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप की तीव्रता 6.2 थी और यह सतह से सिर्फ 10 किलोमीटर गहराई में आया था। इसका केंद्र इस्तांबुल से लगभग 40 किलोमीटर (25 मील) दक्षिण-पश्चिम में मरमरा सागर में स्थित था। तुर्किये में 2023 में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था। (अनंत ज्ञान)

प्रदेश कांग्रेस में संगठनात्मक ढांचा बदलने की तैयारी

रजनी पाटिल फिर संभावनाओं की तलाश के लिए आज आएंगी शिमला, जिला अध्यक्षों की हो सकती है घोषणा

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला

हिमाचल कांग्रेस संगठन का रंग-रूप बदलने वाला है। लंबे समय से लुंच-पुंज पड़े संगठन को आकार मिलने वाला है। कांग्रेस मामलों की राज्य प्रभारी रजनी पाटिल इन्हीं तमाम संभावनाओं की तलाश के लिए वीरवार को शिमला आएंगी।

संविधान बचाओ कार्यक्रम में भाग लेने से पहले वह संगठनात्मक पहलुओं पर विचार करेंगी। पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ मंत्रणा संभावित है। जिला अध्यक्षों की ताजपोशी को लेकर आवश्यक विचार-विमर्श हो सकता है, जिसमें जिला अध्यक्षों के नामों पर मुहर लग सकती है। सभी जिला अध्यक्षों के नाम फाइनल बताए जा रहे हैं, सिर्फ औपचारिक ऐलान होना बाकी है। सूत्रों का दावा है कि वरिष्ठ नेताओं की खींचतान से मामला आगे नहीं बढ़ पा रहा है। शिमला से लेकर दिल्ली तक मंथन हो चुका है। बावजूद इसके जिला अध्यक्षों सहित पूरा संगठनात्मक ढांचा खड़ा नहीं हो पा रहा है। पार्टी मामलों की प्रभारी ने 15 दिन के भीतर जिला अध्यक्षों के साथ नई कार्यकारिणी के गठन का आश्वासन दिया था, लेकिन 53 दिन बाद भी गठन नहीं हुआ। रजनी पाटिल के अलावा आलाकमान के कई पदाधिकारी भी शिमला आ चुके हैं, मगर प्रदेश स्तर पर वरिष्ठ नेताओं की परस्पर प्रतिस्पर्धा के बावजूद मामला अटका पड़ा है। (अनंत ज्ञान)

लंबे समय से बिना संगठन के चल रही कांग्रेस पार्टी

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 6 नवंबर, 2024 को हिमाचल कांग्रेस की प्रदेश, जिला व ब्लाक कार्यकारिणी के साथ-साथ महिला कांग्रेस कमेटी को भी भंग कर दिया था। तब से लेकर अब तक कांग्रेस बिना संगठन के चल रही है।

वीरान पड़े दफ्तर में रौनक लौटने के आसार

ऐसे में लंबे समय से वीरान पड़े कांग्रेस मुख्यालय में रौनक लौटने की उम्मीद है। पार्टी का आम कार्यकर्ता जो कि मायूसी के घेरे में घिरा है और संगठनात्मक ढांचे की कमजोरी से खुद को असहाय महसूस कर रहा है। अब उसे बदलाव होने की संभावना दिख रही है। कुल मिलाकर यह बदलाव अगले दो से चार दिन में देखने को मिल सकता है।

खनिज परिवहन में ट्रांजिट पास के दुरुपयोग पर रोक लगाएगी सरकार : सीएम सुक्खू

बोले- प्रभावी तंत्र विकसित होगा, रॉयल्टी में होने वाले नुकसान को भी रोका जाएगा

शिमला में उद्योग विभाग के अधिकारियों के साथ बुधवार को बैठक करते मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ।

अनंत ज्ञान ब्यूरो शिमला

प्रदेश सरकार खनिजों के परिवहन के दौरान ट्रांजिट पास के दुरुपयोग से जुड़ी भ्रष्ट गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए एक प्रभावी तंत्र विकसित करेगी। इससे रॉयल्टी में होने वाले नुकसान को रोका जा सकेगा और विकास कार्यों को गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को उद्योग विभाग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को इस संबंध में दिशा-निर्देश दिए। सीएम ने खनिजों के परिवहन में फर्जी ट्रांजिट पास के उपयोग पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को खनिजों के परिवहन में भारी रॉयल्टी का नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस समस्या से निपटने के लिए राज्य सरकार ने पहले नियम 81ए लागू किया था।

बोले- न्यायालय में रखा जाएगा मजबूत पक्ष

सीएम ने कहा कि ट्रांजिट पास उपलब्ध न होने की स्थिति में पंचायतों और अन्य विकास कार्य करने वाली एजेंसियों से 80 रुपए प्रति टन की रॉयल्टी और 20 रुपए जुर्माना लगाने का प्रावधान किया था। इस नियम के कार्यान्वयन पर हाईकोर्ट ने रोक लगाई है और इस मामले पर आगामी 25 अप्रैल को सुनवाई होनी है और मजबूत से पक्ष रखेंगे।

वैकल्पिक व्यवस्था पर गंभीरता से विचार करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने उद्योग विभाग को इस समस्या के समाधान के लिए हरसंभव उपाय और वैकल्पिक व्यवस्था पर गंभीरता से विचार करने के निर्देश दिए, ताकि विकास कार्यों में कोई भी रुकावट न हो और वह समयबद्ध पूरे किए जा सकें। इस अवसर पर उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान और अन्य आला स्तर के अधिकारी मौजूद रहे।

विश्व बैंक ने भारत की ग्रोथ रेट का अनुमान घटाकर 6.3% किया

एजेंसी, नई दिल्ली

विश्व बैंक ने बुधवार को वैश्विक आर्थिक कमजोरी और नीति अनिश्चितता के बीच चालू वित्त वर्ष (2025-26) के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को 0.4 फीसदी घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया।

विश्व बैंक ने अपने पिछले अनुमान में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की वृद्धि दर 6.7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया था। विश्व

बैंक ने अपने द्विवार्षिक क्षेत्रीय दृष्टिकोण में कहा कि भारत में वित्त वर्ष 2024-25 में वृद्धि निराशाजनक रही, क्योंकि निजी निवेश में धीमी वृद्धि हुई और सार्वजनिक पूंजीगत व्यय सरकारी लक्ष्यों को पूरा नहीं कर सके। विश्व बैंक के 'दक्षिण एशिया विकास अपडेट-टैक्सिंग टाइम्स' ने कहा कि भारत में, वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5 फीसदी से वित्त वर्ष 2025/26 में 6.3 फीसदी तक वृद्धि दर धीमी होने की संभावना है, क्योंकि मौद्रिक सहजता और विनियामक सुव्यवस्थितता से निजी निवेश को होने वाला लाभ वैश्विक आर्थिक कमजोरी और नीति अनिश्चितता से प्रभावित हो सकता है। (अनंत ज्ञान)

एप्पल पर 50, मेटा पर 20 करोड़ यूरो का जुर्माना

लंदन। यूरोपीय आयोग ने बुधवार को प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल और मेटा पर करोड़ों यूरो का जुर्माना लगाया। कंपनियों के 27 देशों के समूह यूरोपीय संघ के डिजिटल प्रतिस्पर्धा नियमों का उल्लंघन करने को लेकर यह जुर्माना लगाया है। यूरोपीय आयोग ने ऐप विनिर्माताओं को उनके ऐप स्टोर के बाहर उपयोगकर्ताओं को सस्ते विकल्पों की ओर इशारा करने से रोकने के लिए एप्पल पर 50 करोड़ यूरो (57.1 करोड़ डॉलर) का जुर्माना लगाया। मेटा प्लेटफॉर्म्स पर भी 20 करोड़ यूरो का जुर्माना लगाया है। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- हिमाचल में ई-परिवार मोबाइल ऐप की शुरुआत -पेज 3
- भोआ में जमीनी विवाद के चलते व्यक्ति की डंडों से पीटकर हत्या -पेज 4
- अमेरिका का भारत से गैर शुल्क बाधाएं हटाने का आग्रह -पेज 13
- अभिषेक पोरेल की नजरें दिल्ली के खिताब और भारतीय टीम पर -पेज 14

हिमाचल में लगा प्लास्टिक से बनी पानी की छोटी बोतलों के इस्तेमाल पर बैन

प्रदेश सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए लिया फैसला

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

प्रदेश सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए प्लास्टिक से बनी पानी की छोटी बोतलों के इस्तेमाल पर बैन लगा दिया है।

प्रदेश जीव अनाशित कूड़ा-कचरा (नियंत्रण) अधिनियम-1995 की धारा 3-ए (1) के तहत अधिसूचना जारी की है। 500 मिलीलीटर क्षमता तक की प्लास्टिक (पीईटी) पानी की बोतलों का उपयोग अब प्रदेश के सभी विभागों, बोर्डों, निगमों और अन्य संस्थाओं की ओर से आयोजित की जाने वाली बैठकों, सम्मेलनों और अन्य कार्यक्रमों में प्रतिबंधित रहेगा। पर्यावरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के निदेशक डीसी राणा ने बताया कि यह निर्णय प्लास्टिक से बनी पानी की छोटी बोतलों के अत्यधिक उपयोग से पर्यावरण को भारी नुकसान होने के दृष्टिगत लिया है। यह प्रतिबंध हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के होटलों सहित सभी निजी होटलों पर भी लागू होगा।

पहली जून से लागू होंगे आदेश

उन्होंने बताया कि अब प्लास्टिक की बोतलों के स्थान पर कांच की बोतलें, स्टील के कंटेनर व वाटर डिस्पेंसर जैसे पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि छोटी पीईटी बोतलों पर यह प्रतिबंध पहली जून, 2025 से प्रभावी होगा, ताकि पहले वाले स्टॉक को खत्म करने में मदद मिल सके।

खुशखबरी इसी माह जारी होगा विज्ञापन; 'ओटीआर' सिस्टम तैयार, सीएम करेंगे वेबसाइट की लांचिंग

टीजीटी और जेबीटी पदों की भर्ती को तैयार चयन आयोग

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर

अनंत ज्ञान एक्सक्लूसिव

लंबे इंतजार के बाद आखिर हमीरपुर स्थित हिमाचल कर्मचारी चयन आयोग भर्ती के लिए तैयार हो गया है। भर्तियों के लिए पहला विज्ञापन इसी महीने के अंत तक जारी हो जाएगा। वन टाइम रजिस्ट्रेशन यानी ओटीआर सिस्टम पर अभ्यर्थी अपने आवेदन कर सकेंगे। आयोग की वेबसाइट तैयार हो गई है।

2000 से ज्यादा भरे जाएंगे पद

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू इस वेबसाइट की लांचिंग करेंगे। आयोग ने इसकी तैयारी लगभग पूरी कर ली है। सबसे पहले जिन भर्तियों के लिए आयोग विज्ञापन जारी करने के लिए तैयार हुआ है, उनमें टीजीटी के तीनों फॉर्मेट और जेबीटी शामिल हैं। टीजीटी में आर्ट्स, नॉन मेडिकल और मेडिकल के डेढ़ हजार के करीब पदों को भरा जाना है, जबकि 1000 के करीब जेबीटी के पद भरे जाएंगे। कुल मिलाकर 2000 से ज्यादा इन पदों को जल्द भरा जाएगा। वहीं, लंबे इंतजार के बाद आयोग की वेबसाइट तैयार हो चुकी है। इस वेबसाइट के जरिए ही अब नए सिस्टम को लागू किया जाएगा। वन टाइम रजिस्ट्रेशन यानी ओटीआर सिस्टम आयोग लागू कर रहा है, जिसका मतलब यह होगा कि कोई भी अभ्यर्थी अलग-अलग किसी भी तरह की भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए एक मर्तबा ही अपनी रजिस्ट्रेशन करवाएगा। (अनंत ज्ञान)

लाखों अभ्यर्थी करवा सकेंगे रजिस्ट्रेशन

वेबसाइट को तैयार करवाना आयोग के लिए सबसे बड़ी सिरदर्दी थी, क्योंकि यह नए फॉर्मेट में आनी थी। अब एक साथ लाखों अभ्यर्थी रजिस्ट्रेशन करवा सकेंगे। हालांकि, आयोग ने अलग-अलग तीन पोस्ट कोड को ही शुरुआती स्टेज में शामिल किया है, ताकि कोई चूक न हो। यह प्रोसेस जैसे ही शुरू होगी, तो अलग-अलग अगले पोस्ट कोड का सिलसिला भी शुरू हो जाएगा। इस काम के लिए लगभग दो माह के भीतर ओटीआर सिस्टम के जरिए अभ्यर्थी अपना-अपना रजिस्ट्रेशन करवा लेंगे। इसके बाद भर्ती का प्रोसेस शुरू हो जाएगा। वहीं, जिस सी-डैक कंपनी को इसका जिम्मा दिया है, वह अगला काम शुरू कर देगी।

टीजीटी के आर्ट्स, नॉन मेडिकल और मेडिकल के अलावा जेबीटी पोस्ट कोड के आवेदनों के लिए विज्ञापन इसी महीने के अंत तक जारी हो जाएगा। ओटीआर के लिए वेबसाइट तैयार है। इसकी मुख्यमंत्री शीघ्र ही लांचिंग करेंगे। सर्वर मुकम्मल तौर पर तैयार है। यह वेबसाइट लाखों अभ्यर्थियों का एक साथ रजिस्ट्रेशन करने में सक्षम होगी।

-विक्रम महाजन
सचिव, आयोग।

न्यूज ब्रीफ

ड्राइंग मास्टर के पदों के परिणाम में आंशिक संशोधन

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) ने 16 अप्रैल को घोषित किए गए ड्राइंग मास्टर पोस्ट कोड-980 के परिणाम में आंशिक संशोधन किया है। आयोग के सचिव डॉ. विक्रम महाजन ने बताया कि एससी, एसटी, ओबीसी और दिव्यांग वर्ग के उम्मीदवारों को न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता में 5 प्रतिशत की छूट प्रदान करने के निर्णय के मद्देनजर इस परिणाम में आंशिक संशोधन किया गया है। डॉ. विक्रम महाजन ने बताया कि संशोधित परिणाम आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दिया गया है।

सिंगापुर से लौटे शिक्षकों ने साझा किए अनुभव

संजीव चौहान, टौणीदेवी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला टौणीदेवी में उत्साह का वातावरण था, जब प्रधानाचार्य रजनीश रांगड़ा एवं शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता संजय कुमार का विद्यालय वापसी पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। समस्त स्टाफ, स्टूडेंट्स तथा पाठशाला प्रबंधन समिति के सदस्यों ने फूल-मालाओं, तालियों और आत्मीयता से उनका अभिनंदन किया। हिमाचल सरकार द्वारा प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता, नवाचार और आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग के अधिकारियों और प्रधानाचार्यों का एक प्रतिनिधिमंडल 14 से 19 अप्रैल तक सिंगापुर के शैक्षणिक संस्थानों के अध्ययन दौरे पर भेजा गया। यह यात्रा सिंगापुर एक्सपोजर विजिट नामक एक विशेष पहल के अंतर्गत आयोजित की गई थी। इस प्रतिनिधिमंडल में जिला हमीरपुर की ओर से टौणीदेवी स्कूल के प्रधानाचार्य रजनीश रांगड़ा और शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता संजय कुमार को शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस यात्रा का उद्देश्य शिक्षकों को वैश्विक शिक्षा प्रणालियों, अत्याधुनिक शिक्षण विधियों और कौशल-आधारित शिक्षा की बारीकियों से परिचित कराना था, ताकि वे प्रदेश के स्कूलों में नवाचार और गुणवत्ता के नए प्रतिमान स्थापित कर सकें। प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर की प्रतिष्ठित प्रिंसिपल्स अकादमी, सिंगापुर द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। वहां उन्हें कक्षा में शिक्षण और सीखने पर प्रभाव एवं पूछताछ और समस्या-आधारित शिक्षा के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षा में शामिल करना, जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रधानाचार्य ने आश्वासन दिया कि वे सिंगापुर से प्राप्त अनुभवों को विद्यालय स्तर पर लागू करने की पूरी कोशिश करेंगे। (अनंत ज्ञान)

पृथ्वी के संरक्षण व सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। राजकीय महाविद्यालय धनेटा में विश्व पृथ्वी दिवस का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में डॉक्टर ज्ञानचंद राणा प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय धनेटा ने शिरकत की। विशेष वक्ता के रूप में डॉ. अनिल डोगरा ने विश्व पृथ्वी दिवस के महत्व, विशेषताएं और समक्ष चुनौतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को पृथ्वी के संरक्षण और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। मुख्यातिथि ने विश्व पृथ्वी दिवस के महत्व, स्वरूप और समस्याओं के बारे में कॉलेज के छात्रों से विस्तार पूर्वक चर्चा की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विश्व पृथ्वी दिवस पृथ्वी के संरक्षण और सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए मनाया जाता है। यह दिन हमें पृथ्वी के महत्व और इसकी रक्षा के लिए हमारी जिम्मेदारी के बारे में याद दिलाता है। साथ ही उन्होंने पृथ्वी की विभिन्न समस्याओं के बारे में चर्चा की, जैसे कि जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, वनस्पति विनाश, जैव विविधता की हानि, पृथ्वी के संरक्षण के लिए कदम आदि पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। डॉ. अनिल डोगरा ने पृथ्वी के संरक्षण के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदमों के बारे में भी चर्चा की, जैसे कि ऊर्जा की बचत, जल संरक्षण, पौधरोपण, प्रदूषण नियंत्रण जैसे बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

आतंकी हमले के विरोध में भरेड़ी बाजार रहेगा बंद

अनंत ज्ञान, भोरंज। कश्मीर में हाल ही में हुए आतंकी हमले को लेकर पूरा देश शोकाकुल है। इसी क्रम में उपमंडल भोरंज के अंतर्गत आने वाले भरेड़ी बाजार को वीरवार, 24 को सुबह 10 से 11 बजे तक बंद रखने का निर्णय लिया गया है। यह निर्णय भरेड़ी व्यापार मंडल द्वारा लिया गया है। व्यापार मंडल के प्रधान राजेश ने बताया कि यह बाजार बंद आतंकवादी हमले में शहीदों को श्रद्धांजलि देने और इस घटना के प्रति विरोध दर्ज करवाने के लिए रखा गया है। देश के वीर जवानों की शहादत को व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा। व्यापार मंडल तथा स्थानीय व्यापारी समाज इस दुख की घड़ी में मृतकों के परिजनों के साथ खड़े हैं।

अंडर-14 राज्य स्तरीय फुटबाल टीम रवाना

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश की अंडर-14 राज्य स्तरीय फुटबाल टीम महाराष्ट्र के कोल्हापुर के लिए रवाना हो गई है। 68वीं नेशनल स्कूली गेम्स के मुकाबले आगामी 25 से 29 अप्रैल तक आयोजित किए जाएंगे। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गौना करौर में राज्य स्तरीय फुटबाल टीम का सात दिवसीय कोचिंग कैंप मंगलवार को संपन्न हुआ। कैंप के आखिरी दिन प्रारंभिक शिक्षा उपनिदेशक हमीरपुर कमल किशोर भारती ने मुख्यातिथि के रूप में शिरक्त की और खिलाड़ियों को बेहतर खेल खेलने के लिए प्रेरित किया, ताकि वह राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में मेडल लेकर लौट सकें। इसमें हिमाचल प्रदेश के अलग-अलग जिलों से सिलेक्ट किए 18 फुटबाल खिलाड़ी सुबह-शाम प्रैक्टिस में पसीना बहा रहे थे।

बीपीएल के लिए 30 अप्रैल तक दें आवेदन

अनंत ज्ञान, बिझड़ी। विकास खंड बिझड़ी में गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) के परिवारों के नए सर्वे को लेकर बैठक आयोजित की गई। खंड विकास अधिकारी राजेश ने इसकी अध्यक्षता की। बैठक में क्षेत्र के पटवारी, पंचायत सचिव और आंगनबाड़ी वर्कर्स ने भाग लिया। बीपीएल सूची के नए सिरे से निर्धारण की प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा की। खंड विकास अधिकारी ने बताया कि इच्छुक और पात्र आवेदक 30 अप्रैल तक अपना आवेदन जमा करा सकते हैं। आवेदनों की जांच के लिए एक विशेष कमेटी गठित की गई है, जिसमें हल्का पटवारी, संबंधित पंचायत सचिव और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को शामिल किया गया है। यह कमेटी घर-घर जाकर आवेदकों द्वारा दी गई जानकारी की वास्तविकता का मूल्यांकन करेगी। बैठक में बताया कि बीपीएल सूची में नामों का अंतिम चयन आगामी जुलाई माह में होने वाली ग्रामसभा में किया जाएगा।

80 हजार की कंट्रीब्यूशन स्लिप्स बेची

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। जिला रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से 8 मई को निकाले जा रहे रेफरल ड्रॉ में बड़े ईनाम जीतने तथा इसी बहाने सोसायटी के लिए अंशदान देने के लिए लोगों में काफी उत्साह नजर आ रहा है। लोग बड़ी संख्या में इस रेफरल ड्रॉ के लिए कंट्रीब्यूशन स्लिप्स खरीद रहे हैं। रेफरल ड्रॉ के लिए कंट्रीब्यूशन स्लिप्स की बिक्री में प्रारंभिक शिक्षा उपनिदेशक कार्यालय हमीरपुर ने भी सराहनीय योगदान दिया है। इस कार्यालय के माध्यम से कुल 80 हजार रुपए की कंट्रीब्यूशन स्लिप्स की बिक्री की गई है। प्रारंभिक शिक्षा उपनिदेशक कमल किशोर भारती और कार्यालय अधीक्षक ग्रेड-1 कश्मीर सिंह ने बुधवार को इन कंट्रीब्यूशन स्लिप्स की काउंटरफॉइल्स डीसी एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष अमरजीत सिंह को सौंपीं।

आज 11 बजे तक बंद रहेगा सुजानपुर बाजार

अनंत ज्ञान, सूजानपुर। बीते कल पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध एवं रोष स्वरूप वीरवार 24 अप्रैल को प्रातः 11 बजे तक सुजानपुर बाजार बंद रहेगा। इस दौरान प्रातः 10 बजे इस आतंकी घटना में शहीद हुए लोगों की याद में एक शोक सभा का आयोजन किया जाएगा।सुजानपुर बस स्टैंड नजदीक ब्रह्म मूर्ति चौक पर तमाम शहर के व्यापारी इकट्ठा होंगे और शोक सभा में भाग लेंगे। इस दौरान जिन लोगों ने इस गलत काम को अंजाम दिया है। उनके खिलाफ भी हल्ला बोल किया जाएगा। केंद्र एवं प्रदेश की सरकार ऐसे लोगों को सबक सिखाएं, इसको लेकर भी आवाज बुलंद की जाएगी। यह जानकारी व्यापार मंडल सुजानपुर के पूर्व अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता द्वारा दी गई।

7 दिन तक कृष्ण महिमा का किया गुणगान

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल भोरंज के तहत गांव बेहड़वी जट्टा में श्रीमद् भागवत पुराण सप्ताहिक कथा का आयोजन 17 अप्रैल से किया गया था, जिसमें सात दिनों तक कृष्ण महिमा का गुणगान किया गया। 23 को समापन दिवस पर सभी ग्राम वासियों ने बड़ी धूमधाम से श्रीमद् भागवत को विदाई दी। ग्रामवासी कमल हीर ने बताया कि गांव में हर साल कथा का आयोजन किया जाता है। कथा का गुणगान वृंदावन के आचार्य मोहित कृष्ण शास्त्री द्वारा किया गया, जिनके साथ आचार्य केशव शर्मा, आचार्य शाम सुंदर स्वामी एवं पंड़ित अमन पांडे ने भी श्रीकृष्ण रस का बखान किया।

मीना को उपहार में मिली गोदरेज की अलमारी

अनंत ज्ञान, भोरंज। महिला एवं बाल विकास विभाग वृत जाहू के अधीन आने वाले आंगनबाड़ी केंद्र लुद्दर महादेव में कार्यकर्ता मीना देवी का सेवानिवृत्ति समारोह बुधवार को धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वृत्त पर्यवेक्षक सुनील नड्डा ने की। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं में कार्यकर्ता मीना देवी को उपहार के रूप में गोदरेज की अलमारी उपहार के रूप में दी तथा शॉल टोपी पहना कर मीना देवी के पति अश्वनी कुमार को भी सम्मानित किया। सेवानिवृत्ति समारोह में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर खूब मनोरंजन किया। इस दौरान वृत्त पर्यवेक्षक सुनील नड्डा ने कहा कि मीना देवी ने 1983 से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रूप में ईमानदारी से कार्य कर विभाग में अलग पहचान बनाई है।

बिजली लाइन में स्पार्किंग से गेहूं की फसल जली

एसके ठाकुर, बड़सर

बिजली सबडिवीजन कोटला के साथ लगते गांव में किसानों की गेहूं की फसल राख हो गई। किसानों ने बताया कि स्पार्किंग से यह हादसा पेश आया है। किसानों ने जैसे-तैसे पानी का इंतजाम कर आग को फैलने से रोका, नहीं तो आसपास और भी तबाही मच सकती थी।

विभाग के जुगाड़ सिस्टम से हादसा पेश आया है। अगर कल को उक्त स्थान पर कोई हादसा होता है, तो इसका कौन जिम्मेदार होगा? विभाग के एक अधिकारी ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि मैं छुट्टी पर हूं मुझे जानकारी नहीं है। किसानों का कहना है कि खेतों के बीचों-बीच बिजली बोर्ड के पोल से स्पार्किंग होती रहती है। हैरानी की बात है कि मीटर बॉक्स जमीन पर पोल के साथ सटाकर रखा गया है। इसके बारे में अधिकारियों का कहना है कि खाली पड़े मीटर बॉक्स को केवल पोल पर चढ़ने या फ्यूज डालने के लिए सहारे के लिए रखा गया है। कनिष्ठ अभियंता संजीव कौशल के मुताबिक बिजली लाइन में टहनी फंसने के कारण लोड अचानक बढ़ गया और फ्यूज यूनिट के पास स्पार्किंग हुई, जिससे आग लग गई। एसडीओ रमेश बधण का कहना है कि मैं अभी छुट्टी पर हूं मुझे जानकारी नहीं है। संबंधित जेई को मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लेने के निर्देश दिए जाएंगे। (अनंत ज्ञान)

कांग्रेस विधायक झूठा श्रेय लेने के बजाय कुछ नया करके दिखाएं: राणा

अनंत ज्ञान, सुजानपुर

भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह राणा ने कांग्रेस विधायक कैप्टन रंजीत सिंह पर अरोप लगाते हुए कहा कि रंजीत सिंह झूठा श्रेय लेने की कोशिश में हैं, लेकिन जनता भली-भांति जानती है कि शहर के विकास को लेकर उनकी सोच कहां तक है।

राजेंद्र राणा ने कहा कि सुजानपुर में जो पार्किंग स्थल व अन्य कार्य के लिए नगर परिषद सुजानपुर द्वारा धनराशि होली मेले के दौरान खर्च की गई, वह सब कार्य उन्होंने विधायक होते हुए डीपीआर बनाकर बजट में धन स्वीकृत करवाया था। कांग्रेस के विधायक भी विकास कार्य करवाए, इसमें कोई आपत्ति नहीं है। राणा ने आरटीआई से ली जानकारी भी पत्रकार वार्ता में दी। पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता में भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह राणा ने कहा कि वर्ष 2003 में एक करोड़ 10 लाख की शहर के विकास को लेकर। इसमें पार्किंग स्थल भी शामिल था, एक डीपीआर तैयार कर शहरी विकास विभाग को भेजी थी, जिसको लेकर 80 लाख की धनराशि 2024 फरवरी माह में स्वीकृत की गई, लेकिन टेंडर प्रक्रिया तथा अन्य कारण से 2025 में राशि खर्च हुई, जबकि विधायक निरीक्षण कर खुद की बहुवाही कर रहे हैं। विधायक पहले इसकी सच्चाई जान लें कि उनका इसमें कितना रोल रहा है। राणा ने कहा कि एक विधायक होने के नाते विधानसभा के विकास कार्य को प्राथमिकता से रखना एक विधायक का दायित्व होता है, लेकिन कांग्रेस के विधायक हर तरह के झूठ बोलने में माहिर हैं।

सोनिया लाडली फाउंडेशन हमीरपुर की सचिव नियुक्त

अनंत ज्ञान, नादौन। लाडली फाउंडेशन की राज्य अध्यक्ष शालू अख्तर ने नादौन सोनिया मल्होत्रा को लाडली फाउंडेशन हमीरपुर जिला सचिव नियुक्त किया है। जिला हमीरपुर के नादौन ब्लॉक वार्ड नंबर-1 निवासी सोनिया मल्होत्रा कई वर्षों से प्रमुख सामाजिक संस्था रेनबो स्टार क्लब, सर्वधर्म समभाव राष्ट्रीय मंच एव लाडली फाउंडेशन के साथ मिलकर सामाजिक कुरीतियों को जड़ से उखाड़ने के लिए हमेशा कटिबद्ध रही है। महिला सशक्तिकरण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, पर्यावरण संरक्षण, वन संपदा संरक्षण, कुष्ठरोग की जागरूकता, कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम जैसे सामाजिक कार्यों में उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई है। लाडली फाउंडेशन हमीरपुर जिला सचिव सोनिया मल्होत्रा का कहना है कि भविष्य में उनका यही उद्देश्य है कि कहीं भी कोई सामाजिक विसंगती न हो।

संविधान बचाओ रैली में 300 कार्यकर्ता लेंगे भाग

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। शिमला में प्रदेश कांग्रेस द्वारा आयोजित संविधान बचाओ रैली में सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र से 300 कार्यकर्ता भाग लेंगे। यह जानकारी ब्लॉक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र वर्मा ने दी। उन्होंने कहा कि 26 अप्रैल को शिमला के चौड़ा मैदान में अंबेडकर चौक पर इस रैली का आयोजन किया जाएगा। केंद्र की भाजपा सरकार जनता को मुद्दों से भटकाने के दृष्टिगत नेशनल हेराल्ड जैसे मुद्दों को उछाल रही है। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी व उनके परिवार पर झूठे मामले बनाकर उन्हें परेशान करने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस पार्टी एकजुटता के साथ भाजपा की तानाशाही का डटकर मुकाबला करेगी। राहुल गांधी देश के संविधान को बचाने की लड़ाई संसद के अंदर व बाहर बखूबी लड़ रहे हैं, जो काबिले तारीफ है।

समोह के प्रिंस बने हिमाचल कुमार

विधायक हमीरपुर आशीष शर्मा अवाहदेवी दंगल के विजेता पहलवानों को सम्मानित करते हुए।

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

माता अवाहदेवी के चरणों में ऐतिहासिक दंगल आयोजित किया गया। इस दंगल में देश-प्रदेश से पधारे नामी पहलवानों ने अपने दांव-पेच दिखाकर जनता का मनोरंजन किया। इस दंगल में विधायक हमीरपुर आशीष शर्मा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की।

उन्होंने विजेता पहलवानों को ईनाम वितरित कर सम्मानित किया व दंगल कमेटी को अपनी ओर से 21000 रुपए भेंट किए। इस दंगल में हिमाचल कुमार का मुकाबला सोनू बागा और प्रिंस समोह के बीच हुआ। इसमें प्रिंस समोह विजेता रहे और हिमाचल कुमार बना। विजेता पहलवान को 21000 व सुनहरी गुर्ज और उपविजेता को 19000 व गुर्ज दी गई। वहीं, सीधी कुश्तियों में करीब तीस शानदार मुकाबले हुए। इस मौके पर जिला परिषद सदस्य पवन कुमार, कमेटी प्रधान देश राज चंदेल, चेयरमैन ओम प्रकाश शर्मा, उपप्रधान विक्की शर्मा, मनोज चौहान, चुन्नी लाल शर्मा, चमन खत्री, विनोद कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

भूंपल के पास मिला कंकाल

अनंत ज्ञान, नादौन। नादौन के भूंपल क्षेत्र की लाहड़ कोटलू पंचायत में एक अज्ञात मादा कंकाल मिला है, जिसकी क्षेत्र में खासी चर्चा है।

खबर मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मादा कंकाल को कब्जे में लेकर अगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार लाहड़ कोटलू पंचायत के गांव सुधियाल में खेतों के पास स्थित एक नाले में एक मादा कंकाल मिली है, जिसकी सुचना लोगों ने पंचायत व पुलिस को दी। खबर मिलते ही पुसिल टीम मौके पर पहुंच गई व आगामी कार्रवाई शुरू कर दी। कंकाल मिलने की पुष्टि करते हुए एसएचओ निर्मल सिंह ने बताया कि कंकाल को कब्जे में लेकर डीएनए करवाया जाएगा। कंकाल किसका है, इसका अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने अगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पत्तन बाजार में खुलेगा पीआईयू का सब ऑफिस, एनओसी जारी

शशि सोनल, नादौन

नादौन शहर के पत्तन बाजार में जल्द ही हिमाचल प्रदेश टूरिज्म डिवेल्पमेंट का प्रोजेक्ट इंपलीमेंटेशन यूनिट का सब ऑफिस खुलेगा, जिससे शहर में रौनक बढ़ जाएगी।

इस प्रोजेक्टर के तहत नादौन में टूरिज्म की गतिविधियों का संचालन होगा। यह कार्यालय एसडीएम नादौन के पुराने कार्यालय में खुला जाएगा। इस संदर्भ में नगर परिषद नादौन के अध्यक्ष शम्मी सोनी बीते दिनों मुख्यमंत्री सुक्खू से मिले थे। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग को नादौन में पीआईयू का सब ऑफिस खोले जाने के निर्देश दिए थे, जिसके चलते टूरिज विभाग सक्रीय हो गया है। विभाग ने इस संदर्भ में नगर परिषद नादौन को पत्र लिखकर सब कार्यालय खोले जाने बारे एनओसी मांगी है। शम्मी सोनी ने बताया कि शहर के हित में नगर परिषद नादौन ने टूरिज्म विभाग को एनओसी जारी कर दी है, ताकि टूरिज्म की गतिविधियां जल्द शुरू हो सकें। उन्होंने बताया कि नादौन में प्रोजेक्ट इंपलीमेंटेशन यूनिट का कार्यालय खुलने से टूरिज्म गतिविधियों का सुचारू रूप से संचालन शुरू हो जाएगा, जिसमें रिवर राफ्टिंग सेंटर, वाटर स्पोर्ट्स पार्क, वेलनेस सेंटर सहित अन्य खेलों को बढ़ावा मिलेगा। नगर परिषद के अध्यक्ष शम्मी सोनी ने नादौन में पीआईयू का सब ऑफिस खोले जाने के निर्देश के लिए मुख्यमंत्री सुक्खू का धन्यवाद किया। (अनंत ज्ञान)

तांत्रिक ने महिला को लगााया 60,000 रुपए का चूना

अनंत ज्ञान, गलोड़

गलोड़ क्षेत्र के अंतर्गत कुलथीन गांव की एक महिला को बाबा ने तांत्रिक विद्या का डर दिखाकर लगभग 60000 का चूना लगा दिया। कुलथीन गांव की स्वर्णा देवी अपने घर में काम कर रही थी और उसी समय सफेद कपड़े में एक साधु उनके घर पर आया।

इस बाबा ने महिला को अपनी बातों में उलझा दिया, जिस समय यह घटना हुई उस समय महिला के परिवार के अन्य सदस्य अपने-अपने कार्यों में इधर-उधर थे। बाबा ने कहा कि आपके जीवन में बहुत कष्ट हैं और बाबा की मजार पर सोने की अंगूठी चढ़ानी पड़ेगी, अगर नहीं चढ़ाई तो बहुत बड़ा हादसा हो सकता है। महिला डर गई और शादी की सोने की अंगूठी बाबा को दे दी। बाबा ने कहा कि कुछ दक्षिणा भी देनी होगी, इस पर महिला ने बाबा को 6000 के करीब राशि बाबा को दे दी। महिला का कहना है कि जब वह बाबा से बात कर रही थी, तो उसे कुछ समझ नहीं आ रहा था और वह डर व सहम गई थी। इस बाबा के जाने के बाद इस महिला को एहसास हुआ कि वह गलत कर बैठी उसने इस घटना बारे अपने परिवार को बताया, मगर तब तक बाबा रफू-चक्कर हो चुका था।

महिला ने गलोड़ पुलिस को दिए बयान में बताया कि बाबा ने उसे डर दिखाकर इसके साथ छल किया है, वह सोने की अंगूठी लगभग 55000 व 6000 के करीब की नकदी ले उड़ा है। इस मामले पर थाना प्रभारी बड़सर गुरबख्श ने बताया कि अभी तक उनके संज्ञान में इस तरह का कोई मामला नहीं आया है। गलोड़ पुलिस चौकी में इस विषय पर जानकारी जुटाकर ही मामले पर प्रकाश डाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को इस तरह के ढोंगी बाबाओ के चक्कर में नहीं आना चाहिए।

टाउन हॉल का 70 फीसदी कार्य पूरा

अनंत ज्ञान, सुजानपुर

टाउन हॉल का निर्माण कार्य जोरों पर है। लगभग चार करोड़ की धनराशि से बनने वाले इस योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए करीब एक वर्ष पहले शुरू हुए टाउन हाल के भव्य भवन का निर्माण कार्य लगभग 70 फीसदी पूरा हो चुका है।

इस वर्ष जनता की सुविधा को लेकर इसका कार्य पूरा होने का अनुमान है। लंबे समय से शहर में टाउन हॉल के निर्माण को लेकर जनता की जोरदार मांग थी। इसको लेकर करीब सात वर्ष पहले नगर परिषद के वार्ड नंबर-आठ में तत्कालीन मुख्यमंत्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह ने इसका शिलान्यास किया था। उस दौरान 75 लाख लाख के करीब पहली किस्त के तौर पर धनराशि स्वीकृत की गई थी, लेकिन कांग्रेस का सत्ता परिवर्तन के बाद इसका कार्य शुरू नहीं हो पाया तथा इसके निर्माण को लेकर कागजी औपचारिकता व भूमि चयन की प्रक्रिया के चलते पांच वर्ष तक कार्य आरंभ न होने के कारण योजना अधर में लटकी रही। करीब दो वर्ष पहले कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री सुक्खू ने भवन के निर्माण को लेकर बजट का प्रावधान किया तथा निर्माण कार्य शुरू हुआ। अभी निर्माण कार्य शुरू हुए एक वर्ष बीता है कि लोक निर्माण विभाग के प्रयास से ठेकेदार द्वारा 70 फीसदी का

4 करोड़ की लागत से बन रहा

कार्य पूरा कर दिया गया है। टाउन हॉल में निचली मंजिल में जहां पार्किंग की सुविधा रखी गई है। वहीं, एक कैफेटेरिया तथा नो दुकानों का निर्माण किया जा रहा है। चौकीदार के अलावा ऊपरी मंजिल में शौचालय, किचन के अलावा मल्टीपरपज हॉल तथा कमरे बनाए जा रहे हैं। 4 करोड़ की लागत से बनने वाले इस भव्य टाउन हॉल में अब जनता को विवाह व अन्य आयोजन को लेकर इधर-उधर नहीं जाना पड़ेगा। इस टाउन हॉल में सरकारी तथा गैर सरकारी कार्यक्रमों का आयोजन हो पाएगा। लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता अभिषेक ने बताया कि निर्माण कार्य चला हुआ है। भवन के इंटीरियर का काम जारी है।

पेंशनर्स संघ नादौन के अध्यक्ष बने जगदीश चंद

अनंत ज्ञान, नादौन। हिम आंचल पेंशनर्स संघ नादौन खंड इकाई का सत्र 2025-27 का द्विवार्षिक चुनाव पर्यवेक्षक नरेंद्र सिंह वन्याल व कर्म चंद की देखरेख में कांगू में हुए।

सर्वप्रथम खंड प्रधान जगदीश चंद शर्मा(कारगू) की अध्यक्षता में खंड की आम बैठक हुई। इसमें वर्ष 2023-25 के आय-व्यय के का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया, जिनका हाउस द्वारा एकमत से अनुमोदन किया गया। इसके उपरांत खंड प्रधान द्वारा अपनी समस्त कार्यकारिणी को भंग करने की घोषणा के साथ पर्यवेक्षकों द्वारा चुनाव प्रक्रिया शुरू की गई। खंड प्रधान पद के लिए जुल्फी राम वर्मा द्वारा जगदीश चंद शर्मा, का नाम प्रस्तावित किया गया, जिसका सुख देव शर्मा ने समर्थन किया। अन्य कोई नाम प्रस्तावित न होने पर जगदीश चंद शर्मा (कारगू) को सत्र 2025-27 के लिए पुन: निर्विरोध खंड प्रधान चुना गया। इसके अतिरिक्त हाउस की सर्वसम्मति से खंड महासचिव पद के लिए जगदीश चंद शर्मा (सासन) तथा कोषाध्यक्ष के लिए जुल्फी राम वर्मा को फिर से चयनित किया गया। कार्यकारिणी में अन्य पदाधिकारियों के मनोनयन के लिए हाउस द्वारा खंड प्रधान को प्राधिकृत किया गया। जिला प्रधान केसी गौतम ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं तथा खंड चुनाव निर्विरोध संपन्न होने पर पर्यवेक्षकों व पेंशनरों का चुनाव प्रक्रिया में पूरा सहयोग देने के लिए धन्यवाद किया।

रोष जम्मू के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की हमीरपुर जिले में की कड़ी निंदा

कैंडल मार्च से दिया आतंकवाद के खात्मे का संदेश

डीएवी स्कूल के छात्र भोटा चौक से गांधी चौक तक रैली निकालकर मृतकों को श्रद्धांजलि देते हुए।

सुनील कुमार, हमीरपुर

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में जहां देशभर में रोष है, वहीं इस हमले में 28 बेगुनाह लोगों की जान चली गई।

पहलगाम में हुई इस घटना को लेकर हमीरपुर के डीएवी स्कूल के छात्रों ने मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और भोटा चौक से गांधी चौक तक रैली निकाली। इस मौके पर छात्रों ने आतंकवाद खत्म करने का संदेश देते हुए कैंडल मार्च निकाली और मृतकों की श्रद्धांजलि दी। उपप्रधानाचार्य ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि कश्मीर में गए पर्यटक वहां अपने लिए खुशियां ढूंढने गए थे, उनके साथ किया गया कृत्य बेहद निंदनीय है। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि इस कृत्य में शामिल आतंकियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि आज पहलगाम के मृतकों की स्मृति में स्कूल में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया है साथ ही बच्चे आतंकवाद को खत्म करने का संदेश दे रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

कठोर कार्रवाई की मांग

अनंत ज्ञान, नादौन। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मासूम पर्यटकों पर हुआ आतंकी हमला अत्यंत दुखद और अमानवीय है। यह घृणित कृत्य न केवल इंसानियत पर धब्बा है, बल्कि शांति और सद्भावना को नष्ट करने की कायरतापूर्ण कोशिश है। यह शब्द भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं नादौन के पूर्व विधायक विजय अग्निहोत्री ने कहे। उन्होंने कहा कि इस तरह की क्रूरता किसी भी सभ्य समाज में कतई बर्दाश्त नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा प्रभु से प्रार्थना है कि वे इन परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहने का बल प्रदान करें साथ ही, घायल हुए लोगों के जल्द ठीक होने की कामना की।

हिंदू संगठनों ने की कड़ी निंदा

अनंत ज्ञान, नाहन। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादियों द्वारा मजहब पूछकर गोली मारकर हत्या करने पर हिंदू संगठनों ने कड़ी निंदा करते हुए आतंकियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। शिव सेना नेता अजय सौंधी, कांग्रेस नेता रविंद्र गद्दी, शिव मंदिर कमेटी नौंहगी के अध्यक्ष ठाकुर प्रकाश चंद, हिंद संग्राम परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंडित वासुदेव शर्मा, ओपी शर्मा आदि ने कहा कि पर्यटकों पर मजहब पूछ गोली चलाकर निर्दोष हिंदू पर्यटकों को मारना न केवल निंदनीय है, बल्कि कायराना है। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि निर्दोष लोगों की हत्या करने वालों व आतंकवादियों को पनाह देने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि दोबारा आतंक फैलाने वाले साहस न कर सकें। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर देश एकजुट है। सरकार को बिना बिलंभ किए कठोर कार्रवाई करनी चाहिए।

सैलानियों पर हुआ आतंकी हमला बेहद भयावह और हैवानियत भरा: कौशल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

जम्मू-कश्मीर में सैलानियों पर हुआ आतंकी हमला बेहद भयावह और हैवानियत भरा है।

प्रदेश कांग्रेस के पूर्व मुख्य प्रवक्ता प्रेम कौशल ने जारी बयान में कहा कि जिस प्रकार इस आतंकी हमले में वहां मौजूद लोगों की धर्म के आधार पर शिनाख्त कर उनकी हत्या की गई, वह बहुत हैरत करने वाला है और यह हैवानियत भरा हत्याकांड देश में सांप्रदायिक तनाब पैदा करने की साजिश का हिस्सा हो सकता है। कौशल ने इस आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए भारत सरकार से मांग की है कि हमले में शामिल आतंकियों और इस षड्यंत्र में शामिल ताकतों पर जल्द उचित कार्रवाई की जाए।

व्यापारी 9 बजे गांधी चौक पर देंगे श्रद्धांजलि

हमीरपुर। सरजमी पहलगाम कश्मीर में हुए दर्दनाक जघन्य गोलीकांड की व्यापार मंडल हमीरपुर ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने व्यापारियों से सुबह 9 से लेकर 11 तक अपने प्रतिष्ठान बंद करने की व सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि धर्म पूछकर चुन-चुन कर गोलियां चलाने वालों को किसी भी सूरत में बख्सा नहीं जाएगा। व्यापार मंडल हमीरपुर केंद्र सरकार व राज्य सरकार और समस्त प्रशासन से गुहार लगाता है कि ऐसे आतंकवादियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। उन्होंने कहा कि सभी व्यापारी 9 बजे गांधी चौक पर इकट्ठे होकर मृतकों को श्रद्धांजलि देंगे।

श्रद्धांजलि अर्पित की

हमीरपुर। हमीरपुर की अग्रणी समाजसेवी संस्था प्रभात सुधार सभा ने पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा देश के भिन्न-भिन्न कोनों से अपने-अपने परिवारों के साथ घूमने आए निर्दोष 28 हिंदू पुरुष पर्यटकों को परिवार के सामने ही मौत के घाट उतार दिया इस पर संस्था मानवता को कलंकित करने वाले कृत्य की घोर निंदा करती है तथा भारत सरकार से अनुरोध करती है कि अब पानी सिर से उपर निकल चुका है। पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए अब उसको मिट्टी में मिलाना अनिवार्य हो गया है। संस्था ने दिवंगत आत्माओं को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवारों को यह आश्वासन दिया कि इस समय पूरा देश उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है।

पहलगाम **मजहबी नरसंहार**

मुख्यमंत्री सुक्खू ने पहलगाम आतंकी हमले को बताया कायराना हरकत

अनंत ज्ञान, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। इस हमले में कई पर्यटकों की मृत्यु हुई और घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री ने इस हमले को कायरता करार देते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हैं। ऐसी शर्मनाक घटनाओं को अंजाम देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इस बेहद दुखद घड़ी में हमारी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिजनों के साथ हैं। सुक्खू ने दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।

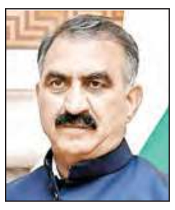

डिप्टी सीएम ने आतंकी हमले के मृतकों के प्रति जताई संवेदनाएं

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है, जिसमें 28 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई और अनेक घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी कायराना हरकतें न केवल अमानवीय हैं, बल्कि सभ्य समाज की मूल भावना पर प्रहार हैं। उन्होंने दो टूक कहा कि इस प्रकार की घटनाएं किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जा सकती और आतंक फैलाने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में हम सभी पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं और मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना की और कहा कि ऐसी घटनाएं हमारे देश की एकता और अखंडता को नहीं डिगा सकतीं तथा देशवासी एकजुट होकर आतंक के हर मंसूबे को नाकाम करेंगे।

कायराना आतंकी हमला घोर निंदनीय : प्रो. प्रेम कुमार धूमल

अनंत ज्ञान ब्यूरो हमीरपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस कायराना हरकत में निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया गया, जिसमें कई लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई और कई गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना मानवता पर एक सीधा प्रहार है। उन्होंने इस हृदयविदारक घटना की कड़े शब्दों निंदा करते हुए कहा कि यह न केवल जम्मू-कश्मीर बल्कि पूरे देश की शांति व्यवस्था को चुनौती देने वाला कृत्य है। ऐसे अमानवीय कृत्य को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। धूमल ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा कि इस कुकृत्य का मुंहतोड़ जवाब आतंकियों को अवश्य मिलेगा।

प्रतिभा सिंह ने आतंकी हमले की कड़े शब्दों में की निंदा

अनंत ज्ञान, शिमला। हिमाचल कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाव में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इस हमले में मारे गए लोगों के प्रति गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हुए हमले में घायल सभी लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की है। प्रतिभा ने कहा है कि आतंकवादियों ने ऐसे लोगों को अपनी गोली का शिकार बनाया है, जो जम्मू-कश्मीर की वादियों का आनंद लेने व घूमने गए थे। उन्होंने कहा है कि इस हमले में शामिल किसी भी आंतकवादी, अलगाववादी को किसी भी कीमत पर बक्शा नहीं जाना चाहिए। आतंकवादियों ने एक ऐसी कायराना हरकत की है जिससे आज पूरा देश शोक में है। भविष्य में ऐसी कोई घटना न हो इसके लिये कड़े सुरक्षा कदम उठाए जाने चाहिए।

ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कल से मौसम खराब रहने की संभावना

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश की उन्नत पर्वत श्रृंखलाओं व मध्य पर्वतीय इलाकों के कुछ क्षेत्रों में चार दिन मौसम खराब रहने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने जानकारी दी है कि 24 से 27 अप्रैल के दौरान ऊंची पहाड़ियों और आसपास के मध्य पहाड़ी इलाकों में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि अगले 4-5 दिनों के दौरान राज्य के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे 2-4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने के आसार है।

प्रदेश के चार पुलिस अधिकारियों को विशेष ड्यूटी पदक मिलेंगे

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश के चार वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को विशेष ड्यूटी पदक से नवाजा जाएगा। पुलिस मुख्यालय ने केंद्रीय गृह मंत्रालयों के निर्देशों पर पुरस्कार देने की घोषणा की है, इसमें हिमाचल के दो आईएएस और दो एचपीएस को यह पुरस्कार मिलेंगे। सम्मानित होने वाले अधिकारियों में एजी पुलिस मुख्यालय मानव वर्मा, पुलिस अधीक्षक अशोक रतन, उप-पुलिस अधीक्षक पुरोहित मृगपूरी और एसडीपीओ रामपुर नरेश शर्मा शामिल है।

सरकार-विभाग मौन

हिमाचल में 'डम्मी' दाखिलों पर रोक लगाए कौन?

अटेंडेंस स्कूल में, पढ़ाई कोचिंग सेंटर पर; कई स्कूल डम्मी एडमिशन पर निर्भर, जांच के लिए टीमें गठित नहीं कर पाया विभाग

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर

इन दिनों न केवल हमीरपुर, बल्कि प्रदेश भर में 'डम्मी' दाखिलों का धंधा खूब फल-फूल रहा है। हमीरपुर में ही काफी स्कूल इसके सहारे मोटी कमाई कर रहे हैं। पैसे वाले प्रभावशाली अभिभावक इसमें उन्हें खूब प्रोत्साहित कर रहे हैं।

बच्चों की हाजिरी स्कूल में लग रही, लेकिन दिन भर वह कोचिंग सेंटर पर पड़ता है, लेकिन विडंबना यह है कि कुछ स्कूल यहां पर यदि यह धंधा ना करें, तो फिर उनका अस्तित्व ही मिट सकता है। मगर हैरानी की बात यह है शिक्षा विभाग ने इन दाखिलों पर नजर रखने के लिए टीमें गठित करने की जो बात कही थी, वह अभी तक 'ढकोंसला' ही साबित हुई है। दाखिला तो बच्चों ने स्कूलों में लिया है, लेकिन कोचिंग के लिए वे दिन भर कोचिंग सेंटरों पर उपलब्ध हैं।

यह स्थिति इसलिए भी खतरनाक रूप अख्तियार कर चुकी है कि शिक्षा विभाग की नाक तले इस तरह का खतरनाक खेल शिक्षा व्यवस्था को ही अंगूठा दिखा रहा है। कहने को स्कूल शिक्षा बोर्ड ने इस बार इन पर नजर रखने के लिए निर्देश भी जारी किए थे, लेकिन हालत यह है कि इन आदेशों की ज्यादातर स्कूल परवाह नहीं कर रहे, क्योंकि डम्मी दाखिलों के बगैर इन चुनिंदा स्कूलों का पेट नहीं भरता। अभिभावक भी उन्हें प्रोत्साहित कर रहे हैं। असल समस्या यह भी है कि देखा-देखी में कई और स्कूलों को भी इसी नीति पर चलना पड़ रहा है, क्योंकि कमाई तो सभी को प्यारी है।

हर साल खूब फल-फूल रहा धंधा

लाखों-करोड़ों का यह धंधा हर साल खूब फल-फूल रहा है, लेकिन शिक्षा व्यवस्था बेहतर बनाने का दावा करने वाली सरकार और उसके अधिकारी आखिर मौन क्यों हैं? सिस्टम को अंगूठा दिखाने वाले स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हो रही क्या शिक्षा के नाम पर मोटी कमाई का या धंधा स्कूलों और कोचिंग सेंटरों पर यूं ही जारी रहेगा? यही यक्ष प्रश्न चिंता करने वाले सरकार और विभाग से पूछ रहे हैं। कब मॉनिटरिंग शुरू होगी होगी या नहीं छापेमारी से सारी स्थिति सामने आ जाएगी, लेकिन कोई टीमें गठित करके उसे अमली-जामा तो पहनाए।

कारण साफ है कि अभिभावकों को अपने बच्चे के लिए दाखिला तो स्कूल में ही लेना है, कोचिंग हमीरपुर शहर या फिर प्रदेश के बाहर किसी संस्थान में करवाना उनकी भी मजबूरी बन चुकी है। अब यदि एक स्कूल डम्मी दाखिला नहीं देगा, तो अभिभावक दूसरे स्कूल में चला जाएगा। इसी कारण पढ़ाई को लेकर यहां जिस तरीके का माहौल अब अख्तियार कर दिया गया है, उस पर सरकार और उसके शिक्षा विभाग को निश्चित रूप में काम करना होगा, नहीं तो शिक्षा का यह ढांचा न ही तो अभिभावकों के लिए बेहतर दशा-दिशा बना रहा है और ना ही बच्चों के लिए। डम्मी दाखिलों से चुनिंदा स्कूल अपना ढांचा भरपूर तैयार कर रहे हैं, लेकिन जो सही मायने में शिक्षा व्यवस्था को बनाने में लगे हुए हैं, उनके आगे भी चुनौती मुंह फुला कर खड़ी हो रही है। (अनंत ज्ञान)

क्या कहते हैं हमीरपुर के डिप्टी डायेक्टर सेकेंडरी

हमीरपुर के डिप्टी डायरेक्टर सेकेंडरी माही राम चौहान का कहना है कि वह पिछले कुछ दिनों से छुट्टी पर हैं। लेकिन दो-तीन दिनों के बाद हमीरपुर पहुंचकर इस बार काम करेंगे। टीम गठित करके छापेमारी की जाएगी।

यह बोले स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष

स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष विशाल शर्मा का कहना है कि डम्मी दाखिलों को लेकर काम होगा लेकिन उनकी पहला लक्ष्य दसवीं और प्लस टू के रिजल्ट जल्दी निकालने का है। उसके बाद इस पर भी काम होगा। अच्छा हो यदि लोग इस बाबत उन्हें शिकायत भी लिखित रूप में भेज दें। तो फिर टीमें गठित करके ठोस कार्रवाई होगी। मान्यता एक बार रद्द हुई, तो फिर हुई, दोबारा पर अमल आसान नहीं होगा।

हिमाचल में ई-परिवार मोबाइल ऐप की शुरुआत

अनिरुद्ध बोले-इससे जमीनी स्तर पर सरकारी निर्देशों को मिलेगी मजबूती

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला

ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने आधार सीडिंग एवं प्रमाणीकरण तथा पशुधन अभिलेखों के प्रबंधन के लिए ई-परिवार मोबाइल ऐप तथा पंचायत घरों के लिए ऑनलाइन स्वीकृति प्रबंधन प्रणाली का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू के निर्देशों के तहत विकसित इन डिजिटल पहलों का उद्देश्य जमीनी स्तर पर शासन को मजबूत करना और सेवा वितरण में दक्षता और पारदर्शिता में सुधार करना है।

उन्होंने कहा कि ई-परिवार मोबाइल ऐप घरेलू स्तर पर रियल टाइम डेटा के संग्रह को सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होगा। इससे पंचायत सचिवों को क्षेत्र के दौरे के दौरान डेटा इकठ्ठा करने में सहायता मिलेगी और डेटा प्रविष्टि प्रक्रिया सरल होगी। ऐप से मोबाइल ओटीपी और चेहरे की पहचान के माध्यम से आधार प्रमाणीकरण की सुविधा भी मिलेगी। इसमें राशन कार्ड सदस्यों की मैपिंग और पंजीकृत और गैर पंजीकृत दोनों परिवारों के लिए मवेशियों के रिकॉर्ड को बनाए रखने की सुविधाएं शामिल हैं। (अनंत ज्ञान)

30 दिनों के भीतर घरेलू सर्वेक्षण पूरा करने के निर्देश

पंचायतीराज मंत्री ने सभी जिलों को 30 दिनों के भीतर घरेलू सर्वेक्षण पूरा करने के निर्देश दिए। एडीसी, एडीएम और पीओ आईटीडीपी, जिला नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे और इसका प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित करेंगे। जिससे आम आदमी को सीधा लाभ होगा।

ऑनलाइन मंजूरी प्रबंधन प्रणाली होगी विकसित

इसके अलावा, पंचायतीराज विभाग ने पंचायत घरों के निर्माण, मरम्मत और उन्नयन से संबंधित मंजूरी की निगरानी को कारगर बनाने के लिए एक ऑनलाइन मंजूरी प्रबंधन प्रणाली विकसित की है। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली से स्वीकृति से लेकर क्रियान्वयन तक कार्यों की स्थिति पर नजर रखी जा सकेगी और क्रियान्वयन एजेंसियों को प्रगति अपडेट, फोटोग्राफ और उपयोगिता प्रमाण पत्र अपलोड करने होंगे।

ग्राम पंचायतों को पोर्टल के माध्यम से मिलेगा लाभ

ग्राम पंचायतें पोर्टल के माध्यम से अपने मौजूदा बुनियादी ढांचे की वर्तमान स्थिति को भी अपडेट कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि यह पहल ग्रामीण शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और डिजिटल समावेश को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

अधिकारी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ करें कार्य : सीएम सुक्खू

अनंत ज्ञान, शिमला

हिमाचल प्रशासनिक सेवाएं (एचएएस) अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज यहां मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से शिष्टाचार भेंट की। इस प्रतिनिधिमंडल में वर्ष 2024 बैच के छह एचएएस परिवीक्षाधीन अधिकारी तथा वर्ष 2022, 2023 और 2024 बैच के 16 पदोन्नत एचएएस अधिकारी शामिल थे। यह अधिकारी वर्तमान में डॉ. मनमोहन सिंह हिमाचल प्रदेश लोक प्रशासन संस्थान शिमला में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों को बेहतरीन सेवाएं प्रदान करने के लिए अधिकारियों से ईमानदारी और पारदर्शिता जैसे मूल्यवान गुणों को आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सुशासन के लिए प्रतिबद्ध है और एचएएस अधिकारी इस दिशा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को सरकार की प्रमुख जन कल्याणकारी योजनाओं को प्राथमिकता देने और इन योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में अनावश्यक विलंब की प्रथा को समाप्त कर विकास परियोजनाओं को पूरा करने के लिए समय सीमा तय कर उन्हें समयबद्ध पूरा किया जाना चाहिए। आयुष मंत्री यादविंद्र गोमा भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

प्रदेश के स्कूलों में 3000 लाइब्रेरियां बिना स्टाफ के

भगत सिंह गुलेरिया, मंडी

प्रदेश भर के उच्च व वरिष्ठ शिक्षण संस्थानों में लाइब्रेरी प्रोफैशनल्ज के लगभग तीन हजार पद होने चाहिएं, लेकिन सृजित पदों की संख्या केवल 771 है। इनमें भी मात्र चार पदों पर ही प्रोफैशनल्ज कार्यरत हैं।

हालांकि, लगभग 135 महाविद्यालयों व 26 राज्य, जिला, तहसील, ट्राईबल व सामुदायिक केंद्र पब्लिक पुस्तकालयों में कुछ समय पहले पर्याप्त लाइब्रेरी प्रोफैशनल्ज तैनात कर दिए गए हैं। हैरानी का विषय तो यह है भी है कि इन संस्थानों में भी कहीं जरूरत से ज्यादा तो कहीं जरूरत से कम प्रोफेशनल्ज की तैनाती की गई है। लगभग 3000 राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों व राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में से लगभग 2200 संस्थानों में ऐसा पद ही सृजित नहीं किया गया है। दूसरी ओर लाइब्रेरी साइंस में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा व डिग्री होल्डर लगभग 25 हजार से भी ज्यादा हैं, जो रोजगार की आस लगाए बैठे हैं।

हैरानी की बात तो यह है कि पहले यहां कार्यरत रहे असिस्टेंट लाइब्रेरियन के पद को डाऊनग्रेड कर जेओए (लाइब्रेरी) बना दिया है। मतलब असिस्टेंट प्रोफेसर के समकक्ष वेतनमान वाले पद को लिपकीय पद के समकक्ष वेतनमान वाला पद बना दिया गया है। बता दें कि यह कारनामा प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा लाइब्रेरियंज और असिस्टेंट लाइब्रेरियंज के मामले में किया गया है, जो प्रोफेशनल्ज वर्तमान में कार्यरत हैं और भविष्य में भर्ती होंगे, उनके वेतनमान के पाताल आसमान का अंतर होगा।

उल्लेखनीय है कि हिमाचल में दो राज्य, 11 जिला एवं 13 तहसील, जनजातीय एवं सामुदायिक केंद्र सार्वजनिक पुस्तकालय कार्यरत हैं। इसके अलावा लगभग 3000 सीनियर सेकेंडरी व हाई स्कूल एवं लगभग 150 कॉलेज कार्यरत हैं। यह संख्या लगभग 3200 बनती है। इन सभी में पुस्तकालय तो स्थापित हैं, लेकिन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा लाइब्रेरी प्रोफेशनल्ज के पर्याप्त पद सृजित व स्वीकृत नहीं किए गए हैं। लगभग 2200 स्कूली शिक्षण संस्थान तो इन पदों के सृजन में पहले ही महरूम हैं, ऊपर से स्वीकृत 771 पदों में से केवल 4 ही जेओए (लाइब्रेरी) कार्यरत हैं। अब लगभग किसी भी स्कूल पुस्तकालयों में लाइब्रेरी प्रोफेशनल्ज नहीं है, जबकि हर स्कूल में करोड़ों अरबों रुपए की पुस्तकें अलमारियों में बंद पड़ी हैं। (अनंत ज्ञान)

क्या कहते हैं उच्च शिक्षा निदेशक

इस बारे में उच्च शिक्षा निदेशक अमरजीत शर्मा ने कहा कि जेओए (लाइब्रेरी) भर्ती व पदोन्नति नियम बन चुके हैं सरकार से अनुमति मिलते ही तुरंत भर्ती की जाएगी और पुस्तकालयों का स्वरूप निखारा जाएगा।

देश के दुश्मनों को मिलेगा करारा जवाब : राजीव बिंदल

अनंत ज्ञान, शिमला। हिमाचल भाजपा के राज्य अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा है कि भाजपा पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर सीमा पार से प्रायोजित आतंकियों द्वारा किए गए बर्बर और कायराना हमले की कड़े शब्दों में निंदा करती है।

बिंदल ने कहा हम इस घृणित हमले में जान गंवाने वाले देश के बेगुनाह नागरिकों की दुखद मृत्यु पर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। भाजपा उनके साथ खड़ी है। भाजपा के प्रतिनिधि के रूप में हम उन्हें विश्वास दिलाते हैं कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा, हम उन्हें खत्म करके रहेंगे। हम हमारे निर्दोष नागरिकों का बलिदान जाया नहीं होने देंगे। उनके शरीर से बहे लहू के एक-एक कतरे का हिसाब आतंकियों और उसे पालने-पोषने वालों से लिया जाएगा।

उन्होंने कहा की जब से केंद्र में मोदी सरकार आई है, तब से जब भी दुश्मनों ने हमें एक राष्ट्र के रूप में चुनौती दी है, तब-तब हमने एकजुट होकर उन्हें जोरदार माकूल जवाब दिया है। जब भी आतंकवादियों ने शांति, मानवता और विकास पर हमला किया है, निर्दोष नागरिकों के खून बहाए हैं, हमने उन्हें भारत की शक्ति का अहसास कराया है, उन्हें उनके किये की सजा दी है। पिछले 10 वर्षों में हमने आतंकवाद की जड़ पर करारा प्रहार किया है।

उनके फंडिंग नेटवर्क को खत्म किया है, जिससे घाटी में लंबे समय बाद शांति लौटी, चुनाव हुए, नागरिकों ने भारत के लोकतंत्र, भारत के संविधान और भारत की सरकार में अपना विश्वास व्यक्त किया। इसी से बौखलाकर देश के दुश्मनों ने कायराना हरकत की है। देश के दुश्मनों को इस बार पहले से भी ज्यादा करारा जवाब मिलेगा।

गोबिंदसागर झील में आइलैंड टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

तीसरी आइलैंड की टेंडर प्रक्रिया भी सफलतापूर्वक पूर्ण

हिमाचल प्रदेश में पर्यटन के नए क्षितिज खुल रहे हैं। पर्वतों और घाटियों तक सीमित परंपरागत पर्यटन से आगे बढ़ते हुए अब प्रदेश जल पर्यटन के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक कदम उठा रहा है। गोबिंदसागर झील में शुरू हुआ हिमाचल का पहला आइलैंड टूरिज्म प्रोजेक्ट न केवल प्रदेश को एक नए अनुभव से जोड़ेगा, बल्कि पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का नया केंद्र बनेगा।

गोबिंदसागर झील में चयनित चार आइलैंड्स में से तीन की टेंडर प्रक्रिया अब तक सफलतापूर्वक पूर्ण की जा चुकी है। ज्योरी पतन और धराड़सानी के बाद बुधवार को तीसरे आइलैंड-भोलू एवं ज्योर (ज्योरीपटन), तहसील झंडूत्ता—का टेंडर भी सार्वजनिक रूप से आवंटित कर दिया गया है। यह टेंडर वीरेंद्र कुमार (मित्तलघोड़ा चौकी, शिमला) को 3,15,000 रुपए की उच्चतम बोली पर प्रदान किया गया है।

यह परियोजना अंडमान-निकोबार और केरल जैसे प्रसिद्ध टूरिस्ट डेस्टिनेशनों की तर्ज पर विकसित की जा रही है। इस योजना में झील के भीतर स्थित आइलैंड्स पर बोटिंग, एडवेंचर स्पोर्ट्स, ईको-फ्रेंडली स्टे, सांस्कृतिक गतिविधियों, होटल, रेस्टोरेंट, डेस्टिनेशन वेडिंग, फिशिंग जोन, बोनफायर स्थल और हाइकिंग ट्रेल्स जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही, रात्रिकालीन कार्यक्रमों में हिमाचली लोक संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों के माध्यम से स्थानीय संस्कृति को वैश्विक मंच मिलेगा।

जिला बिलासपुर में इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे बिना सरकारी बजट से कोई धन राशि खर्च किए, पूर्णतः जन-सहभागिता मॉडल पर विकसित किया गया है। उपायुक्त आबिद हुसैन सादिक के नेतृत्व में यह प्रयास न केवल प्रशासनिक आत्मनिर्भरता का उदाहरण है, बल्कि यह जिला प्रशासन के लिए स्थायी आय का स्रोत भी बन रहा है। प्रशासन का आकलन है कि इस आइलैंड टूरिज्म परियोजना के माध्यम से भविष्य में वॉटर स्पोर्ट्स, एरो स्पोर्ट्स और अन्य गतिविधियों से स्थानीय युवाओं को गाइडिंग, बोट ऑपरेशन, फूड सर्विस और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी के अवसर मिलेंगे। यह परियोजना जिला के भीतर स्वरोजगार की दिशा में बड़ा कदम है। बिलासपुर जिला पहले ही श्री नैना देवी रोपवे, गोबिंदसागर लेक बोटिंग, और हवाई अड्डा निर्माण जैसी योजनाओं से नभ और थल पर्यटन को मजबूती दे रहा था।

सराहनीय **शिक्षा विभाग ने बरठीं, स्वाहण और घुमारवीं में स्थापित किए सीवी रमण क्लास रूम**

बिलासपुर में शिक्षा विभाग की पहल: शिक्षक छुट्टी पर, फिर भी चलेगी क्लास

शुभम राही, बिलासपुर

शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार की दिशा में हिमाचल प्रदेश का बिलासपुर जिला पूरे प्रदेश के लिए मिसाल बनकर उभरा है। अब यहां किसी भी स्कूल में अगर शिक्षक अवकाश पर होता है, तो भी विद्यार्थियों की पढ़ाई नहीं रुकेगी। शिक्षा विभाग बिलासपुर ने सीवी रमण क्लास रूम नामक एक नई योजना शुरू की है, जिसके तहत हर परिस्थिति में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना सुनिश्चित किया गया है।

इस अभिनव योजना की शुरुआत बिलासपुर जिला में तैनात उच्च शिक्षा उपनिदेशक रेणू कौशल द्वारा की गई है। उन्होंने बरठीं, स्वाहण और घुमारवीं के छात्र स्कूल को सीवी रमण क्लास रूम के रूप में चिन्हित किया है। इन स्कूलों को आधुनिक तकनीक से सुसज्जित कर, पूरे जिले में शिक्षा के लिए एक केंद्रीकृत ऑनलाइन स्रोत बना दिया गया है। इसी के साथ जिले के सभी स्कूलों में वेब कैमरे स्थापित कर दिए गए हैं। यदि किसी स्कूल में किसी विषय का शिक्षक अवकाश पर होता है, तो उस विषय की कक्षा इन विशेष रूप से चयनित तीन स्कूलों से वर्चुअल माध्यम से संचालित की जाएगी। इससे सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी परिस्थिति में विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित न हो।

बता दें कि सीवी रमण क्लास रूम नाम की यह योजना तकनीक और शिक्षा का बेहतरीन संगम है। शिक्षा विभाग का मानना है कि यह पहल न केवल शैक्षणिक निरंतरता सुनिश्चित करेगी, बल्कि छात्रों को डिजिटल शिक्षा से भी जोड़ेगी। यह मॉडल अन्य जिलों और राज्यों के लिए भी एक प्रेरणा बन सकता है। वहीं, इस तरह की योजना लागू करने वाला हिमाचल का पहला जिला बनकर बिलासपुर ने प्रदेशभर में एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। अब शिक्षा केवल शिक्षक की उपस्थिति तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि तकनीक के सहयोग से यह किसी भी सीमा को पार कर सकती है। साथ ही इस योजना से छात्रों को सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि उनकी पढ़ाई किसी भी कारणवश नहीं रुकेगी। अभिभावक भी संतुष्ट हैं कि अब छुट्टियों के कारण बच्चों की पढ़ाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

गौरतलब है कि सीवी रमण क्लास रूम योजना केवल तकनीक आधारित नहीं, बल्कि शिक्षा में समानता को बढ़ावा देने वाली पहल भी है। छोटे और दूरदराज के स्कूलों को अब किसी विषय विशेष में विशेषज्ञ शिक्षक न मिलने की समस्या से नहीं जूझना पड़ेगा। इस वर्चुअल नेटवर्क से हर छात्र को एक समान गुणवत्ता वाली शिक्षा मिल सकेगी।

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल केवल बिलासपुर तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यह मॉडल पूरे प्रदेश में लागू किया जा सकता है। खासकर उन क्षेत्रों में जहां शिक्षकों की कमी है या भौगोलिक दूरी के कारण गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं पहुंच पा रही। वहीं, बिलासपुर जिले की यह पहल एक डिजिटल एजुकेशन रिवॉल्यूशन की शुरुआत कही जा सकती है। वहीं, इस सब योजना का श्रेय बिलासपुर जिला में तैनात उच्च शिक्षा उपनिदेशक रेणु कौशल को जाता है जो विद्यार्थियों को बेहतर और आज के युग के साथ जोड़कर पढ़ाई के नए-नए अवसर पैदा कर रही हैं। (अनंत ज्ञान)

"**शिक्षक** की छुट्टी जाने से कई बार देखा गया है कि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। इस सभी पर कार्य करते हुए बिलासपुर जिला में सीवी रमण क्लास रूम स्थापित किए गए। जिसमें बरठीं, स्वाहण और छात्र घुमारवीं स्कूल को चिन्हित किया गया। इन स्कूलों से जिला में अवकाश पर गए अध्यापकों के विषय की क्लास ऑनलाइन ली जाएगी। सभी स्कूलों में वैब कैमरे स्थापित हो गए हैं।

–रेणू कौशल, उच्च शिक्षा उपनिदेशक बिलासपुर।

चिट्टे और चरस के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। मंडी पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार अलग-अलग मामलों में तस्करों को गिरफ्तार किया है। सदर थाना मंडी में दो चिट्टा तस्करों को पकड़ा गया है। बलोह गांव के हेमंत कुमार उर्फ अनू से 27 ग्राम और मंडी शहर के दरम्याना मोहल्ला निवासी जतिन से 17 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया है। औट थाना पुलिस ने खोतीनाला के पास नाके पर एक बड़ी सफलता हासिल की।

उत्तराखंड के देहरादून निवासी मनोनित को बस से एक किलो चरस के साथ पकड़ा गया। इसी तरह टिक्कर में पधर निवासी 25 वर्षीय ओमप्रकाश को 3 किलो 470 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया है। एसपी मंडी साक्षी वर्मा ने सभी मामलों की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा। एसपी ने स्पष्ट किया कि नशे के खिलाफ पुलिस का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

उपभोक्ता 26 से पहले जमा करें बिजली बिल

अनंत ज्ञान, डरोह। विद्युत उपमंडल डरोह के सहायक अभियंता इंजीनियर मयंक शर्मा ने प्रेस को जारी एक बयान में कहा कि विद्युत उपमंडल डरोह के अंतर्गत आने वाले जिन उपभोक्ताओं ने अभी तक अपने बिजली बिल का भुगतान नहीं किया है, वे उपभोक्ता 26 अप्रैल से पहले अपने बिजली बिल का भुगतान कर दें। उपभोक्ता अपने बिजली बिल का भुगतान ऑनलाइन मोड, गूगल पे, फ़ोन पे तथा पेटीएम के माध्यम से भी कर सकते हैं, बिजली बिल का भुगतान न करने की स्थिति में बिना किसी आगामी सूचना के बिजली का कनेक्शन अस्थायी रूप से काट दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने जनता से समय पर बिजली बिल का भुगतान करने की अपील भी की है।

एसएचओ मुनीष ने गोद लिया सकड़ी स्कूल

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। अपना विद्यालय योजना के तहत थाना प्रभारी बैजनाथ मुनीष द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सकड़ी को गोद लिया गया। इस दौरान विद्यालय में 9वीं से 12वीं कक्षा के छात्रों के साथ एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में छात्रों को पुलिस कार्यप्रणाली, नशे के दुष्परिणामों और इसके रोकथाम के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही, छात्रों को भविष्य में करियर के अवसरों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, स्कूल परिसर के आसपास की सभी दुकानों की जाँच की गई और तंबाकू उत्पाद बेचने वाले दो उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ ष्टह्रञ्जक्च के तहत चालान जारी किए गए। पुलिस उपमंडल बैजनाथ द्वारा विद्यालयों में विशेष संवादात्मक सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसमें छात्रों को कैरियर मार्गदर्शन के बारे में जानकारी दी जाएगी।

एससी-एसटी से जुड़े मामलों को जल्द निपटाएं

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला । अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार

निवारण अधिनियम 1989 एवं नियम 1995 के अन्तर्गत जिला कांगड़ा में गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं प्रबोधन समिति की बैठक उपायुक्त कार्यालय के सभागार में अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम के तहत न्यायालय एवं पुलिस से संबंधित लंबित व रद्द मामलों के बारे में समीक्षा की गई तथा अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति से संबंधित मामलों को शीघ्र निपटाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि न्याय में देरी न्याय न मिलने के समान है। इसलिए संबंधित मामलों की तफ्तीश कर उनका समय पर निपटान सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर जिला कल्याण अधिकारी दीपाली ठाकुर, पुलिस अधिकारी, जिला न्यायवादी अधिकारी तथा गैर सरकारी सदस्य उपस्थित रहे।

पृथ्वी दिवस पर वन परिक्षेत्र नूरपुर ने रोपे पौधे

अनंत ज्ञान, इंदौरा। विश्व पृथ्वी दिवस के मौके पर वन परिक्षेत्र नूरपुर द्वारा मंडी-पठानकोट मार्ग पर गांव कोटला के पास पौधरोपण करके मनाया गया। इस मौके पर डीएफओ नूरपुर अमित शर्मा ने बताया कि मंडी पठानकोट मार्ग पर नेशनल हाईवे अथॉरिटी द्वारा वन विभाग की जमीन पर अवैध तौर पर डंपिंग की हुई थी जिसके चलते उन्होंने इस पर मामला दर्ज करवाया था तथा इसके तहत उन्हें इसके मुआवजे में 26 लाख रुपए की राशि वन विभाग को राशि मुआवजे के तौर पर प्राप्त हुई थी। आज विश्व पृथ्वी दिवस के मौके पर उसी जगह पर विभाग द्वारा पौधरोपण किया गया उन्होंने बताया कि यह पृथ्वी के प्रति जागरूकता के तौर पर इस दिन को मनाया जाता है। इस साल का थीम हमारी शक्ति, हमारा गृह के तौर पर मनाया जा रहा है उन्होंने कहा कि इस जगह पर एक पार्क बनाया जाएगा जिसे रैली ज्योशा के नाम से जाना जाएगा तथा इस पार्क में आने जाने वाले सभी लोगों की सहुलत के लिए शौचालय तथा बच्चों के खेलने के लिए मनोरंजन के भी साधन जुटाने का प्रयास किया जाएगा।

धंगड़ निवासी की तीन घोड़ियां बनेर खड्ड में डूबीं

अनंत ज्ञान, हरिपुर। बुधवार को पंचायत धंगड़ के व्यक्ति की तीन घोड़ियां बनेर खड्ड में डूब गईं। बुधवार सुबह करीब 9 बजे धंगड़ निवासी सतीश कुमार धंगड़ से ईंटों को ढोने के लिए खड्ड पार करके बासा की ओर जा रहे थे तो खड्ड पार करते समय उसकी 5 घोड़ियां पानी में डूबने लगीं। व्यक्ति ने ज्यो-त्यों हिम्मत करके 2 घोड़ियों को तो बाहर निकाल लिया, लेकिन 3 घोड़ियां जब पानी में डूब रही थी तो पीड़ित व्यक्ति दबारा साथ लगते गांव बासा में फोन पर मदद मांगी गई। उसकी मदद करने के लिए तुरंत मौके पर 15 से 20 लोग पहुंच गए, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और तीनों घोड़ियों ने तब तक दम तोड़ दिया था। उसके उपरांत प्रशासन को भी इसकी सूचना दी गई और पशु विभाग की ओर से तीनों घोड़ियों का पोस्टमार्टम करवाया गया है। सतीश कुमार ने प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है। बता दें की कुछ वर्ष पूर्व इसी व्यक्ति की 5 खचरें पानी में डूब गई थीं।

धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में कल आयोजित की जाएगी मॉक ड्रिल : डीसी

आईपीएल मैचों से पहले प्रशासन परखेगा आपदा प्रबंधन के इंतजाम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम का फाइल फोटो।

उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में आगामी माह आईपीएल टी-20 क्रिकेट मैच के आयोजन से पहले आपदा प्रबंधन को लेकर स्टेडियम में 25 अप्रैल को मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी इस के लिए टेबल टॉप एक्सरसाइज 24 अप्रैल को डीसी ऑफिस में हिमाचल क्रिकेट एसोसिएशन के आपदा प्रबंधन प्लान पर चर्चा करने के लिए अधिकारियों की आवश्यक बैठक भी आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रत्येक इवेंट के लिए आपदा प्रबंधन प्लान होना अत्यंत जरूरी है तथा इस के लिए मॉक डिल भी आयोजित किया जाना जरूरी है ताकि आपदा की स्थिति में आपसी समन्वय के साथ बेहतर प्रबंधन किया जा सके।

उपायुक्त हेमराज बैरवा

उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि आईपीएल मैच के दृष्टिगत दर्शकों तथ खिलाड़ियों की सुविधा तथा सुरक्षा के लिए हरसंभव प्रयास सुनिश्चित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही भीड़ प्रबंधन को लेकर भी आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से प्लान तैयार किया गया है। उपायुक्त ने कहा कि चार मई, आठ मई तथा 11 मई को तीन मैच धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने आयोजन के संदर्भ में कानून, यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं, विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति, सड़कों की मुरम्मत, शहर की साफ-सफाई तथा अग्निशमन सेवाओं के साथ साथ अन्य संबंधित विभागों को मैच के आयोजन से जुड़ी सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस विभाग को टेस्ट मैच के दौरान कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को धर्मशाला के आस-पास के क्षेत्र में मरम्मत योग्य सड़कों का कार्य शीघ्र पूरा करने के लिए तत्परता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं। वाहनों की पार्किंग के लिए निर्धारित स्थलों की नम्बरिंग करके दिशा सूचक बोर्ड लगाए जाएंगे। लोगों की सुविधा के लिए निकासी गेटों से पार्किंग स्थलों तक दिशा सूचक बोर्ड लगाने के निर्देश दिए।

लदोह पंचायत ने किया स्वच्छता कमेटी का गठन

अनंत ज्ञान, पालमपुर। पंचरुखी बाजार कमेटी के भंग हो जाने से पंचरुखी बाजार को स्थानीय पंचायत ग्राम पंचायत लदोह ने अपने अधीन कर लिया था, जिसकी अधिसूचना पंचरुखी बाजार के दुकानदारों को एसडीएम पालमपुर ने जारी कर दी थी। एक महीने से पंचरुखी बाजार में स्वच्छता व्यवस्था बिलकुल चरमरा गई थी। दुकानदार हर कहीं कूड़ा फेंक रहे थे, जिसके चलते ग्राम पंचायत लदोह अनीता कुमारी ने पंचायत में रेजुलेशन डाल कर स्वच्छता कमेटी का गठन किया ताकि बाजार में कोई गंदगी न पसरे। रेजुलेशन की प्रतिलिपि वीडीओ पंचरुखी को भी प्रेषित कर दी है। प्रधान अनीता कुमारी ने बताया कि जब तक बाजार कमेटी के चुनाव नहीं हो जाते तब तक पंचायत ही बाजार की देख रख करेगी। उन्होंने कहा कि हमने बाजार को स्वच्छ रखने के लिए स्वच्छता कमेटी का गठन किया है, जिसमें पंचायत के तीन बार्ड सदस्य व बाजार के कुछ दुकानदार शामिल किए हैं। उन्होंने कहा कि जो स्वच्छता कमेटी में सदस्य बनाए है वो बाजार के दुकानदारों से पहले की तरह रुपए इकट्ठा करेंगे। दुकानदारों से जो भी आर्थिक सहायता प्राप्त होगी उससे है सफाई कर्मचारी रखेंगे जो पूरे बाजार से कूड़ा एकत्रित करेंगे। बाजार में कोई गंदगी न रहे इसका पूरा ख्याल रखा जाएगा। प्रधान ने कहा कि अगर कोई दुकानदार खुले में कूड़ा फेंकता नजर आया तो उसका चालान भी किया जाएगा।

एंजल स्कूल भवारना के विद्यार्थियों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

राकेश डोगरा, डरोह

जीसीएम एंजल पब्लिक स्कूल भवारना में पृथ्वी दिवस 'अवर पावर, अवर प्लेनेट थीम के अंतर्गत उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य समीर अमिताभ सूद ने छात्रों के उत्साह और भागीदारी की सराहना की और कहा, पृथ्वी दिवस जैसे अवसर हमें हमारी जिम्मेदारियों की याद दिलाते हैं।

छात्रों की भागीदारी से यह स्पष्ट है कि वे पर्यावरण के प्रति सजग हैं। कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों ने न केवल पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझा, बल्कि उसे

पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण संरक्षण पर बनाए पोस्टर दिखाते स्कूली बच्चे।

अपने जीवन में अपनाने का संकल्प भी लिया। हमारे विद्यालय में पृथ्वी दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बड़े ही उत्साह और रचनात्मकता के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता को दो वर्गों – जूनियर वर्ग और सीनियर वर्ग – में विभाजित किया गया था। जूनियर वर्ग में नैंसी, समर्थ धीमान, शान्वी राणा, उर्वी और पूर्वी ने अपनी कला प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इन बच्चों ने रंगों का बहुत ही सुंदर संयोजन करते हुए प्रेरणादायक चित्र बनाए, जो सभी दर्शकों और निर्णायकों को बहुत पसंद आए।

वहीं सीनियर वर्ग में प्रियंका, अथर्व, निशा, नितिन और तानिशा ने अपनी चित्रकला से सबको प्रभावित किया। इन प्रतिभाशाली छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की गई और उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। (अनंत ज्ञान)

सुनील राजस्थान सीयू में विजिटर नॉमिनी नामित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। एचपी केंद्रीय विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं अधिष्ठाता जैविक विज्ञान स्कूल प्रो. सुनील कुमार को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कोर्ट में विजिटर नोमिनी नामित किया गया है। गौरतलब है कि

प्रो. सुनील कुमार मौजूदा समय में अधिष्ठाता छात्र कल्याण का भी कार्यभार संभाले हुए हैं। उनके निर्देशन में चार प्रोजेक्ट इस समय विश्वविद्यालय में चल रहे हैं। वर्तमान में उनके 102 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। अभी तक विश्वविद्यालय में दो विद्यार्थी उनके मार्गदर्शन में पीएचडी कर चुके हैं। वर्ष 2019 में उन्होंने केंद्रीय विश्वविद्यालय में ज्वाइन किया था। उनको राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से नामित किए जाने पर सीयू के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल और अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. प्रदीप कुमार ने शुभकामनाएं दी हैं।

भोआ में जमीनी विवाद के चलते व्यक्ति की डंडों से पीटकर हत्या

अनंत ज्ञान, पठानकोट

पठानकोट के हलका भोआ के गांव कोठे कोतरपुर में एक गुज्जर समुदाय के लोगों ने दूसरे गुज्जर समुदाय के व्यक्ति की जमीनी विवाद के चलते डंडों से पीटकर हत्या कर दी है। जबकि इस मारपीट में मृतक के दो रिश्तेदार युवक भी घायल हुए है। पठानकोट के थाना सदर की पुलिस ने पीड़ित युवक के बयानों पर कुल 8 लोगों पर केस दर्ज करके आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। आरोपियों की पहचान हसनदीन, वीरू, कासम, सैन अली, आलमगीर सभी बियानपुर दीनानगर गुरदासपुर और वीरू पुत्र इब्राहिम, अली, मरीद सभी निवासी जरोली दीनानगर गुरदासपुर के रूप में हुई है। पुलिस को दर्ज करवाए बयानों में पीड़ित जाशिन पुत्र फकरदीन निवासी गांव पंगोली थाना शाहपुरकंडी जिला पठानकोट ने बताया कि गत दिवस वे अपने पिता, माता और बहनों के साथ हलका भोआ के गांव कोठे कोतरपुर रिश्तेदार की लड़की की शादी समारोह में गया था। रात 11:45 बजे जब वे अपने परिवार के साथ शादी समारोह से वापिस अपने घर जाने लगा तो उसके चाचा कासम के कुल बाहर हसनदीन, वीरू, कासम, सैन अली समेत बाकी लोग भी उनके पीछे आए। सभी लोगों ने उसके पिता पर डंडों से हमला कर गंभीर रूप में घायल कर दिया। उनके चिल्लाने की आवाज सुनकर जब उसका भाई और चाचा का लड़का छुड़ाने के लिए आया तो हमलावरों ने उनको भी घायल कर दिया। यह सब जैसे ही बाकी रिश्तेदारों को पता चला तो वे भी मौके पर पहुंचे और हमलावर मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने कहा कि जब वे अपने पिता को घायल अवस्था में उठाकर सिविल अस्पताल उपचार के लिए लेकर जाने लगा तो उनकी तब तक मौत हो चुकी थी।

अनंत एजुकेशन / करियर

Job Opportunity अनंत ज्ञान

रेलवे में प्रबंधक बनने का अवसर

मैनेजर

- जूनियर टेक्निकल मैनेजर (सिविल) 35
- जूनियर टेक्निकल मैनेजर (इलेक्ट्रिकल) 17
- जूनियर टेक्निकल मैनेजर (एसएंडटी) 03
- जूनियर टेक्निकल मैनेजर (रोलिंग एवं स्टॉक) 04
- जूनियर टेक्निकल मैनेजर (आर्किटेक्चर) 08
- जूनियर टेक्निकल मैनेजर (डेटाबेस एडमिन) 01
- असिस्टेंट मैनेजर (खरीद) 01

आवेदन की अंतिम तिथि 24 अप्रैल 2025

आवेदन करें : www.nhsrcl.in

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अवसर

कुल 69 पद

पद	संख्या
साइंटिस्ट बी	22
असिस्टेंट लॉ ऑफिसर	01
सीनियर टेक्निकल सुपरवाइजर	2
सीनियर साइंटिफिक असिस्टेंट	4
टेक्निकल सुपरवाइजर	5
असिस्टेंट	4
एकाउंट्स असिस्टेंट	2
जूनियर ट्रांसलेटर	1
सीनियर ड्राफ्ट्समैन	1
जूनियर टेक्निशियन	2
सीनियर लेबोरेटरी असिस्टेंट	2
अपर डिविजन क्लर्क	8
डाटा एंट्री ऑपरेटर ग्रेड-2	1
स्टेनोग्राफर ग्रेड-2	3
जूनियर लेबोरेटरी असिस्टेंट	2
लोवर डिविजन क्लर्क	5
फील्ड अटेंडेंट	1
मल्टी टास्किंग स्टाफ	3

आवेदन की अंतिम तिथि: 28 अप्रैल, 2025

आवेदन करें : cpcb.nic.in

राजस्थान पुलिस में बनें सिपाही

कांस्टेबल

कुल 9617 पद

आवेदन की शुरुआत: 28 अप्रैल, 2025 से

अंतिम तिथि: 17 मई, 2025

न्यूनतम योग्यता: 12 वीं पास

आवेदन करें : recruitmentw.rajasthan.gov.in

आंध्र में शिक्षक बनने का सुनहरा मौका

शिक्षक

कुल 16347 पद

आवेदन की अंतिम तिथि: 15 मई, 2025

न्यूनतम योग्यता: बैचलर ऑफ एलीमेंट्री एजुकेशन

आवेदन करें : apdsc.apcfss.in

रोजगार संबंधी और जानकारी के लिए पढ़ते रहिए अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

विद्यार्थी जीवन में मोबाइल फोन के लाभ व नुकसान

लकेश चंदेल
जिला बिलासपुर

मोबाइल फोन शिक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता हैं, लेकिन इसका उपयोग सावधानी से और सही दिशा में करना महत्वपूर्ण है। सदुपयोग में मोबाइल फोन अध्ययन के लिए एक ऑडियो-वीडियो शिक्षण सहायक उपकरण के रूप में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा दे सकता हैं तथा दुरुपयोग में मोबाइल फोन ध्यान भटकाना तथा सोशल मीडिया विद्यार्थियों का बहुत सा समय बर्बाद कर देता है। बच्चों के अभिभावक सोचते हैं कि उनके बच्चे मोबाइल फोन से अध्ययन कर रहे हैं लेकिन बच्चों की उम्र परिपक्व न होने के कारण वे मोबाइल फोन पर गलत दिशा में भटक जाते हैं । परिणामस्वरूप अपने बहुमूल्य समय तथा जीवन को बर्बाद कर देते हैं तथा बाद में पूरी उम्र पछतावे में निकाल देते हैं।

अगर मोबाइल फोन के सकारात्मक पहलू देखे जाएं तो यह शिक्षण अधिगम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जैसे कि ऑनलाइन कक्षाएं, ई-बुक्स, शैक्षणिक विषयों से जुड़ी वीडियो प्रदान करना , जिससे छात्रों को ज्ञान प्राप्त करने में मदद मिलती है। क्योंकि श्रवण दृश्य सामग्री से छात्र जल्दी सीखते हैं तथा कठिन से कठिन विषय भी रुचिकर बन जाता है। इसके विपरीत लगातार मोबाइल देखते रहने से आंखें खराब हो जाती हैं। बच्चे ज्ञानवर्धक चीजें देखने की बजाय ऑनलाइन गेम्ज खेलते हैं, इससे उनकी पढ़ाई का नुकसान होता है।

बहुउपयोगिता

मोबाइल फोन का सबसे बड़ा फायदा इसकी बहुउपयोगिता है। यह विद्यार्थियों के ज्ञान को बढ़ाने में मदद करने के साथ उनके सीखने की रुचि को और बढ़ाता है। इसके अतिरिक्त जब बच्चे बाहर पढ़ने जाते हैं तो यह हमें अपने परिवार और दोस्तों के संपर्क में बनाए रखता है जिससे कोई भी व्यक्ति निर्भय व शांतिपूर्वक अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में पूर्ण एकाग्रता के साथ मेहनत कर सकता है। भागदौड़ की जिंदगी में तनाव से बचने के लिए मोबाइल फोन मनोरंजन के लिए भी उपयोगी है, लेकिन अत्यधिक प्रयोग से स्वास्थ्य समस्याएं जैसे आंखों पर प्रतिकूल प्रभाव और मानसिक तनाव भी हो सकता है। अतः विद्यार्थी जीवन में मोबाइल फोन का उपयोग सोच-समझकर करना चाहिए।

जीवन में समय प्रबंधन का महत्व

समय प्रबंधन जीवन के हर क्षेत्र में सफल होने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। वास्तव में यह समय ही है, जिसका सदुपयोग और कुशलता से प्रबंधन ही हमारे जीवन को मूल्यवान और उपयोगी बनाता है। संसार में जितने भी सफल और महान लोग हुए हैं, उन्होंने अपने जीवन में समय के मूल्य को पहचाना है और उसका सदुपयोग किया है। संसार में प्रत्येक व्यक्ति के पास एक समान समय होता है और जो लोग अपने समय को अधिक उपयोगी और उत्पादक बनाने का प्रयास करते हैं वे लोग जीवन में बुलंदियों को हासिल करने में सफल हो जाते हैं। समय प्रबंधन में हमें यह भी ध्यान में रखना होगा कि हम अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए अपनी ऊर्जा और क्षमता का भरपूर उपयोग करें और कार्य के समय किसी भी प्रकार के व्यवधानों और अनावश्यक हस्तक्षेप से बचें तभी हमारा समय अधिक उपयोगी और सार्थक सिद्ध हो सकता है।

विक्रम वर्मा
प्रवक्ता अंग्रेजी
चंबा, हिमाचल प्रदेश

जिस भी समय किसी कार्य को हाथ में लिया तो सारी ऊर्जा और एकाग्रता को उसी कार्य में झोंक दें उस समय कोई भी दूसरा विचार मन में न आए,निस्संदेह आपके कार्य में गुणवत्ता और समय में उत्कृष्ट उपयोगिता और रचनात्मकता आएगी। वर्तमान समय में विज्ञान और तकनीकी विकास ने मानव जीवन को सुगम बनाने के साथ-साथ सोशल मीडिया जैसे प्लेटफार्मों पर अत्यधिक व्यस्त और अनावश्यक रूप से अभ्यस्त बना दिया है, जिसके कारण हमारे दैनिक जीवन का बहुत सा समय अनावश्यक रूप से बर्बाद हो रहा है और जाने अनजाने हम जीवन में समय की उपयोगिता को नजरंदाज करते जा रहे है, जिसका स्पष्ट प्रभाव हमारे करियर और लक्ष्य प्राप्ति के मार्ग पर पड़ रहा है। अपने करियर और लक्ष्य प्राप्ति के लिए संकल्पित युवा पीढ़ी को चाहिए कि वे अपने जीवन में समय प्रबंधन को सर्वाधिक महत्व दें और समय के मूल्य को पहचानें और व्यवहारिक रूप में समय प्रबंधन को जीवन में अपनाने का संकल्प लें।

एचपी स्वर्ण जयंती मिडिल मेरिट छात्रवृत्ति योजना

एचपी स्वर्ण जयंती मिडिल मेरिट छात्रवृत्ति योजना हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा कक्षा 5 में पढ़ने वाले मेधावी छात्रों के लिए शुरू की गई है। यह योजना राज्य के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को कक्षा 6 से 8 तक छात्रवृत्ति प्रदान करती है, ताकि वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें।

योजना का उद्देश्य

मेधावी छात्रों की पहचान करना और उन्हें प्रारंभिक चरण में पोषण देना। कक्षा 5 उत्तीर्ण करने के बाद शीर्ष 100 छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करना।

छात्रवृत्ति राशि

कक्षा 6वीं से 8वीं (तीन वर्ष) तक कुल 1,80,000 रुपए।

पात्रता

हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र।

कक्षा 5 उत्तीर्ण करने के बाद राज्य स्तरीय परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्र।

राज्य के 12 जिलों के बीच छात्रवृत्तियों का वितरण, जिला कोटा के आधार पर होगा।

आवेदन प्रक्रिया

आवेदन प्रक्रिया की जानकारी हिमाचल प्रदेश सरकार की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आवेदन करने की अंतिम तिथि हर साल घोषित की जाती है। छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने के लिए छात्रों को राज्य स्तरीय परीक्षा में उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

इस योजना का लाभ

चयनित विद्यार्थी कक्षा 6वीं से 8वीं तक छात्रवृत्ति के लिए पात्र होंगे। चयनित विद्यार्थियों को कितनी छात्रवृत्ति राशि दी जाएगी? कक्षा 6वीं, कक्षा 7वीं और कक्षा 8वीं में चयनित विद्यार्थियों को क्रमशः 12 महीने के लिए 4000 रुपए, 5000 रुपए और 6000 रुपए प्रति माह की छात्रवृत्ति राशि दी जाएगी। एचपी स्वर्ण जयंती मिडिल मेरिट छात्रवृत्ति योजना हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा कक्षा 5 में पढ़ने वाले मेधावी छात्रों के लिए शुरू की गई है। यह योजना राज्य के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को कक्षा 6 से 8 तक छात्रवृत्ति प्रदान करती है, ताकि वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें।

परीक्षा

राज्य स्तरीय परीक्षा हर साल एससीईआरटी, सोलन (एचपी) द्वारा आयोजित की जाएगी।

परीक्षा में मानसिक क्षमता परीक्षण और विषय-वस्तु परीक्षण शामिल होंगे।

कुल अंक 100

परीक्षा कुल 100 अंकों की होगी, जिसमें 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे, प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक।

प्रश्नों का वितरण

मेंटल एबिलिटी टेस्ट : कुल 40 प्रश्न

यह परीक्षण मौखिक एवं गैर-मौखिक क्षमताओं, तार्किक सोच, विश्लेषण, समानता, वर्गीकरण, संख्यात्मक श्रृंखला, पैटर्न पहचान, छिपे हुए आंकड़ों आदि पर आधारित होगा।

एनवायरनमेंट साइंस स्कॉलरस्टिक एप्टीट्यूड टेस्ट : कुल 20 प्रश्न

यह मुख्य रूप से कक्षा 1 से कक्षा 5 तक पढ़ाए जाने वाले पर्यावरण विज्ञान से संबंधित है।

गणित : कुल 20 प्रश्न

यह प्रश्न गणितीय ज्ञान और संख्यात्मक कौशल की जांच करेंगे।

भाषा परीक्षण : कुल 20 प्रश्न

हिंदी : 10 प्रश्न

अंग्रेजी : 10 प्रश्न

यह परीक्षण कक्षा 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम के आधार पर भाषा की सामान्य समझ और व्याकरणिक ज्ञान की जांच करेगा।

परीक्षा अवधि

परीक्षा की कुल अवधि 150 मिनट (2.5 घंटे) होगी।

दिव्यांग उम्मीदवारों को अतिरिक्त 30 मिनट की सुविधा प्रदान की जाएगी।

ज्ञान की बात

- जम्मू-कश्मीर के किस इलाके में आतंकियों ने पर्यटकों पर हमला किया, जिसमें 28 के करीब लोगों की मौत हो गई ? –पहलगाम
- किस देश के उपराष्ट्रपति भारत के दौरे पर आए हैं ? –अमेरिका
- यूपीएससी सिविल सर्विस परीक्षा में किसने टॉप किया ? –शक्ति दुबे
- इस साल होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप की मेजबानी कौन देश कर रहा है ? – भारत
- हिमाचल प्रदेश का सबसे बड़ा हवाई अड्डा कौन सा है ? – कांगड़ा एयरपोर्ट
- हिमाचल प्रदेश के किस जिले में यमुना नदी बहती है ? –सिरमौर
- गोबिंद सागर जलाशय हिमाचल के किस जिले में है ? – बिलासपुर
- सांभर झील, जो प्रवासी पक्षियों की मौतों के कारण खबरों में थी, किस राज्य में है ? –राजस्थान
- 88 वर्ष की आयु में दुनिया को अलविदा कहने वाले पोप फ्रांसिस का जन्म कहां हुआ था ? – अर्जेंटीना

नई जोड़ी

ऊना के नंगड़ा के कपिल और ऊना की प्रियंका को परिणय सूत्र में बंधने पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

सालगिरह मुबारक

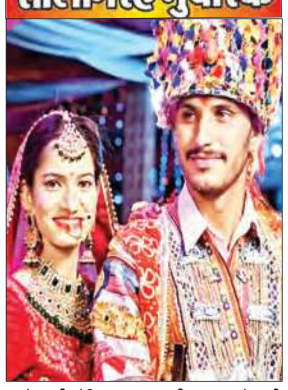

पपरोला की मोनिका कपूर व मुनीश कपूर को शादी की सालगिरह पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

बर्थडे व सालगिरह के फोटो भेजें

बर्थडे हो या शादी की सालगिरह। आपकी खुशियों में हम भी हैं शामिल। अपना फोटो अनंत ज्ञान में प्रकाशित करवाने के लिए नाम और पते सहित व्हाट्सएप नंबर 88945-21702 पर भेजें।

न्यूज ब्रीफ

मटौर पुल पर वाहन ने बैल को मारी टक्कर

अनंत ज्ञान, कांगड़ा। इंसान तो दूर अब सड़कों पर जानवर भी सुरक्षित नहीं हैं। ऐसा ही एक वाकया आज शाम नेशनल हाईवे मटौर पुल में पेश आया, जहां किसी वाहन चालक द्वारा एक बेजुबान बैल को बुरी तरह से टक्कर मार कर जख्मी किया गया। बैल की पिछली टांग लहूलुहान हो गई। स्थानीय लोगों द्वारा लहूलुहान बैल की टांग पर मलहम पटी की गई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है की इन बेसहारा पशुओं को सही सलामत कहीं दूर छोड़ा जाए।

महिला सशक्तिकरण पर जागरूक किए लोग

अनंत ज्ञान, शाहपुर। शाहपुर के टुंडू में बुधवार को महिला सशक्तिकरण पर एक विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। चिन्मय ग्रामीण विकास संगठन की ओर से आयोजित इस जागरूकता शिविर में वर्तमान परिवेश में एक नारी के समक्ष विभिन्न प्रकार की चुनौतियों से निपटने हेतु उनके उत्थान के ध्येय से सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों वारे विस्तृत चर्चा हुई। नारी समाज को आत्म निर्भर व स्वावलंबी बनाने हेतु स्वयं सहायता समूहों तथा स्वरोजगार अवसरों के वारे में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित चिन्मय विकास संगठन सिद्धबारी से स्वरूप धीमान ने बताया कि चिन्मय अन्य पिछड़ा वर्ग एवम हरिजन सुधार महिला मंडल टुंडू की सभी सदस्यों ने इस शिविर में उत्साहपूर्वक अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई तथा इसी अवसर पर उक्त महिला मंडल सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से नए प्रधान के रूप में मनोरमा देवी व सचिव सुमना देवी का चयन भी किया।

पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने की बैठक

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन हिमाचल प्रदेश जिला कांगड़ा की कोर कमेटी की आपातकाल बैठक जिला अध्यक्ष सुरेश ठाकुर की अध्यक्षता में धर्मशाला में सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से पारित किया गया कि प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश ठाकुर को कुछ चुनिंदा नेताओं ने जो निष्कासन का आदेश पारित किया है उसे जनमत और कानूनी तौर पर चुनौति देने का फैसला लिया गया। इस संबंध में एसोसिएशन ने सुरेश ठाकुर को पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन हिमाचल प्रदेश जिला कांगड़ा की ओर से यथोचित कदम उठाने के लिए अधिकृत किया गया। बैठक में यह भी फैसला लिया गया कि कानूनी कार्रवाई करने के तुरंत बाद जिला कांगड़ा की कार्यकारिणी की बैठक भी मई माह के पहले सप्ताह में आयोजित की जाए जिसमें प्रदेश चुनावों में जिला कांगड़ा की तरफ़ से भाग लेने वाले प्रतिनिधियों का चयन किया जाए। इसके अतिरिक्त पिछले कल पहलगांव में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष हिन्दुओं कि निर्मम हत्या करने की घोर निंदा की गई और पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन हिमाचल प्रदेश जिला कांगड़ा की ओर से दो मिनट का मौन रख कर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करने के लिए श्रद्धांजलि दी गई।

कॉलेज प्राध्यापकों की समस्याएं की जाएं हल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश राजकीय महाविद्यालय प्राध्यापक महासंघ की इकाइयों राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला, नगरोटा, तकीपुर, रिडकमार, शाहपुर और मटौर के पदाधिकारियों ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में सरकार से मांग की है कि कॉलेज प्राध्यापकों की चिर लंबित समस्याओं का शीघ्र हल किया जाए। कॉलेज प्राध्यापकों की पदोन्नति के लिए होने वाली डी पी सी पिछले लगभग पांच वर्ष से नहीं हुई है जिस कारण प्राध्यापकों को अपनी पदोन्नति के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। खेद इस बात का है कि कुछ प्राध्यापक बिना पदोन्नति के ही सेवानिवृत भी हो रहे हैं। इसलिए सरकार को शिक्षा निदेशालय को इस संबंध में निर्देश दिए जाने चाहिए ताकि सबको अपना हक मिल सके। पदोन्नति न होने का एक मुख्य कारण यह भी की सरकार द्वारा अभी तक यू जी सी द्वारा घोषित करियर एडवांसमेंट स्कीम को लागू करने संबंधी अधिसूचना जारी नहीं की गई है, जिससे विभाग में असमंजस की स्थिति है। सरकार से आग्रह है कि ऐसे महत्वपूर्ण और चिर लंबित मुद्दों पर संवेदनशीलता से विचार करके शीघ्र निर्णय लिया जाए। यूजीसी द्वारा अनुमोदित कार्यरत प्राध्यापकों को एम. फिल और पीएचडी की मिलने वाली इंक्रीमेंट को भी प्रदेश सरकार को बहाल किया जाना चाहिए। साथ ही, प्राध्यापकों को अनुसंधान के लिए मिलने वाले अध्यापन अवकाश के दौरान उन्हें पूरा वेतन दिया जाए। इससे प्राध्यापक वर्ग को अनुसंधान के लिए अधिक प्रेरणा मिलेगी और महाविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में अधिक सुधार होगा।

पुलवामा हमले के विरोध में कैंडल मार्च आज

अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने वहां घूमने गए मासूम व निर्दोष लोगों को चुन-चुन कर मार डाला है। इस क्रूर व कायराना हरकत के विरोध में नगरोटा बगवां की प्रबुद्ध जनता व व्यापार मंडल मिल कर वीरवार को 24 अप्रैल को वीरवार को सायं 7:00 बजे मां नारदा-शारदा मंदिर से लेकर पंजाब नेशनल बैंक तक कैंडल मार्च निकाला जाएगा। नगरोटा व्यापार मंडल ने सभी देश प्रेमियों से अनुरोध किया है कि वह कैंडल मार्च का हिस्सा बन कर इस निर्मम हत्याकांड के विरोध में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करें।

धर्मशाला में लगे 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारे

व्यापारियों और नागरिकों ने पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के विरोध में निकाली रोष रैली

संजय अग्रवाल, धर्मशाला

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में आज कोतवाली बाजार धर्मशाला में जनाक्रोश फूट पड़ा। व्यापार मंडल कोतवाली बाजार के नेतृत्व में स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए एक रोष रैली निकाली। यह रैली कोतवाली बाजार से आरंभ होकर टैक्सी स्टैंड तक पहुंची, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए प्रदर्शनकारियों ने 'पाकिस्तान मुर्दाबाद', 'आतंकवाद हाय-हाय' और 'शहीदों को नमन' जैसे नारे लगाते हुए आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का संदेश दिया।

इस मौके व्यापार मंडल के अध्यक्ष अनुज कश्यप ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से हो रहे आतंकी हमलों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने केंद्र सरकार से पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। जनता ने इस मौके पर पहलगाम हमले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन रखकर उन्हें नमन किया। रैली में विभिन्न सामाजिक संगठनों, टैक्सी यूनियन और युवा वर्ग की भी भागीदारी रही।

स्थानीय लोगों ने कहा कि देश की अखंडता और सुरक्षा के लिए हर नागरिक को जागरूक और संगठित होने की आवश्यकता है। इस मौके पर इस रैली में युवाओं सहित बुजुर्गों ने भी बढ़-चढ़ कर भाग लिया। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि पाकिस्तान पर एक बार फिर से सर्जिकल कार्रवाई करने का समय आ चुका है। वहीं, आतंकी हमले का भाजपा और विभिन्न संगठनों ने भी विरोध किया और आतंकवाद का पुतला जलाया है। इस दौरान सभी ने हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी और शांति के लिए मौन भी रखा। साथ ही देश विरोधी ताकतों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और आतंकियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई। (अनंत ज्ञान)

पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के विरोध में धर्मशाला में रोष रैली निकालते व्यापारी और स्थानीय नागरिक।

नूरपुर में भाजपा ने फूंका पाकिस्तान का पुतला

अनंत ज्ञान, नूरपुर

> **सांसद भारद्वाज बोले, आतंकियों को बख्शेंगे नहीं**

जिला कांगडा के जसूर भाजपा कार्यालय के प्रांगण में कश्मीर के पहलगाम में गत दिवस आतंकवादियों द्वारा निहत्थे पर्यटकों का नरसंहार किए जाने पर भाजपा ने आतंकवाद और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए पुतले पर जूते बरसाए व पाकिस्तान का पुतला फूंका। कांगड़ा-चंबा के सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज ने कहा कि मंगलवार दोपहर बाद पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा निहत्थे 28 पर्यटकों की हत्या की गई, यह एक कायरतापूर्ण व निंददीय कृत्य है। इसकी हम कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। हमला करने वाले आतंकियों को इसकी कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। प्रधानमंत्री अपना विदेश का दौरा बीच में स्थगित करके दिल्ली पहुंच गए है। गृहमंत्री श्रीनगर पहुंच गए हैं। आने वाले समय में बहुत बड़ा प्रहार आतंकवाद के खिलाफ हमारी सरकार करने वाली है। पूर्व वन मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश पठानिया ने कहा कि अब हिंदुओं को विभिन्न जातियों में न बंटकर एक साथ एकत्र होना होगा। कश्मीर में हुए हमले में आतंकवादियों ने जाति नहीं धर्म पूछकर हिंदुओं को गोली मारी। उन्होंने कहा कि आज पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में कार्यालय के प्रांगण मे प्रदर्शन किया गया व पाकिस्तान के विरोध में नारेबाजी करते हुए पाकिस्तान का पुतला फूंका है।

आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देगा भारत: त्रिलोक

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री त्रिलोक कपूर ने पहलगाम में हुए भयानक आतंकी हमले पर गहरा दुख और रोष व्यक्त किया है। कपूर ने भी इस आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि सभ्य दुनिया में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए और यह नृशंस कृत्य अस्वीकार्य है। भारत कायरों को मुंहतोड़ जवाब देगा। जो लोग भारत के उत्थान से डरते हैं, उन्हें हमेशा की तरह मुंह की खानी पड़ेगी। निर्दोष लोगों की जान चली गई। कश्मीर में बदमाशों ने जो किया है, उसे देखकर पूरा विश्व हैरान है। त्रिलोक कपूर ने कहा कि उन्होंने हमारे लोगों को बेरहमी से मारा। इसे माफ नहीं किया जा सकता, इन आतंकवादियों को पता होना चाहिए कि भारत चुप नहीं बैठेगा। कपूर ने कहा कि यह भारतीय राज्य पर सीधा हमला है। पूरा देश सदमे में है। एक पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन ने इसकी जिम्मेदारी ली है। भारत इसका मुंहतोड़ जवाब देगा। हम सब एक हैं और हम लड़ेंगे। त्रिलोक कपूर ने कहा कि गर्मी का मौसम अभी शुरू हो रहा है। यह वह समय है जब पर्यटक इस क्षेत्र में आना शुरू करते हैं। पर्यटन जम्मू और कश्मीर की अर्थव्यवस्था और उसके लोगों के लिए आय का सबसे बड़ा स्रोत भी है। इसलिए इस आतंकी हमले से इस साल की अर्थव्यवस्था भी चरमरा जाएगी।

आतंकवाद का सफाया जरूरी : बलविंद्र सिंह

अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां। कश्मीर के पहलगाम के बैसरन इलाके में आतंकियों ने पर्यटकों को निशाना बनाते हुए 50 राउंड फायरिंग की, जिसमें कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हैं। पुलवामा के बाद यह आतंकियों की सबसे बड़ी हिमाकत है। अब वक्त आ गया है कि भारत सरकार इन आतंकियों का जड़ से सफाया कर दे। यह बात एंटी एंटी टेररिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष बलविंद्र सिंह बबलू ने कही है। बलविंद्र सिंह बबलू ने कहा कि हम अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष मनिंदरजीत सिंह बिट्टा की अगुवाई में हमेशा आतंक के खिलाफ देश की सरकार के साथ हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने हमेशा आतंक के खिलाफ एक्शन लिया है। बबलू ने कहा कि जब भी ऐसी कोई घटना हुई है, हमारे देश ने हमेशा मुंहतोड़ जवाब दिया है। बबलू ने कहा कि जब पुलवामा अटैक हुआ था, उस समय भी भारत ने कड़ा जवाब दिया था।

देवभूमि संघर्ष समिति ने की कड़ी कार्रवाई करने की मांग

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

देवभूमि संघर्ष समिति हिमाचल प्रदेश के अध्यक्ष एनडी शर्मा व समाजिक कार्यकर्ता भूषण रैना ने धर्मशाला में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना हमले को लेकर कड़ी निंदा जताई। धर्मशाला में पत्रकार वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि देवभूमि समाज अत्यंत दु:खी है, जो ये कायराना घटना ने समस्त देश को दहला दिया है। उन्होंने कहा कि माताएं-बहनों के सामने उनके पत्तियों व बच्चों को मौत के घाट उतार दिया। इस तरह के कृत्य ने समस्त समाज को झकजोर करके रख दिया है। उन्होंने कहा कि धर्म के आधार पर हुए इस आंतकवाद के खिलाफ कड़ा आंदोलन करेंगे। साथ ही इस संबंध में सरकार को भी अब उचित कदम उठाए जाने की कड़ी जरूरत है। भूषण रैना ने कहा कि हिन्दू समाज को भी अब संगठित होकर ऐसे कृत्य करने वालों के खिलाफ खड़ा होना होगा। उन्होंने कहा कि इस दु:खद घटना को लेकर कल 12 बजे तक दुकानें व बाजार बंद किए जाने का आहवाहन किया। उन्होंने कहा कि अब सरकार को कड़े कदम उठाते हुए राष्ट्र विरोधी कार्य करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाइए। इसमें उन्होंने कहा कि ऐसे आंतकवादियो के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उनका पूरी तरह से सफाया किया जाना चाहिए।

नगरोटा सूरियां में फूंका आतंकवाद का पुतला

अनंत ज्ञान, नगरोटा सूरियां। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकियों द्वारा क्रूरता भरी हरकत से नगरोटा सूरियां बाजार में हिंदू संगठनों द्वारा रोष रैली निकाली गई और आंतकवाद का पुतला जलाया गया और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे भी लगाए गए। आंतकवादियों द्वारा की गई इस क्रूरता भरी हरकत से क्षेत्र के लोगों में भारी रोष है। इस रोश रैली में सुरेश गुलेरिया प्रांत सत्संग सहप्रमुख विश्व हिंदू परिषद, सुखपाल सिंह उर्फ गोगी जिला मंत्री नूरपुर विश्व हिंदू परिषद, राजेश भारद्वाज गौ रक्षा प्रमुख प्रखंड, ओंकार सिंह, शाम सिंह, मनीष, बरूण, विवेक, संजू संजय,परमिंदर अमित, धर्मपाल महाजन सुरिंदर शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

बनेर खड्डु में डूबे पंजाब के युवक का शव निकाला

अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां। कबाड़ी गांव के साथ लगती बनेर खड्डु में मंगलवार को डूबे युवक का बुधवार को पुलिस के गोताखोरों द्वारा शव निकाला गया। जानकारी के अनुसार 22 वर्षीय कमल पुत्र गुरदयाल निवासी लुधियाना, जो बालूगलोआ में शादी समारोह में ढोल बजाने के लिए आया हुआ था उसके उपरांत वह कबाड़ी गांव में अपने रिश्तेदारों के यहां आ गया। यहां से वह साथ लगती बनेर खड्डु में नहाने के लिए पिछले कल दोपहर बाद चला गया। जैसे ही उसने बनेर खड्डु में छलांग लगाई तो गहरी खड्डु से ऊपर नहीं आ पाया। इसकी सूचना जब पुलिस को मिली तो पुलिस भी टीम के साथ बनेर खड्डु के किनारे तलाशी अभियान शुरू किया पर शाम व अंधेरा होने के कारण उसे रोक बुधवार को पुलिस के गोताखोरों को धर्मशाला से बुलाना पड़ा। गोताखोरों ने खड्डु से कमल का शव निकाला शव को पुलिस ने अपने कब्जे में ले पोस्टमार्टम हेतु टांडा मेडिकल कॉलेज भेज दिया है।

एक साथ जलीं पति-पत्नी की चिताएं

त्रिलोकपुर के सोलधा के दंपती ने निभाया साथ जीने-मरने का वादा

अनंत ज्ञान, कोटला

हिंदू समाज में विवाह के समय उम्र भर साथ जीने मरने की कसमें खाई जाती हैं, लेकिन समाज में आमूमन ऐसा होता नहीं है, लेकिन जिला कांगड़ा के विधानसभा क्षेत्र जवाली में यह कहावत सच साबित हुई है। विस जवाली के त्रिलोकपुर के सोलधा गांव में बुधवार को पति-पत्नी की चिताएं एक साथ जलीं। जानकारी के अनुसार विधानसभा क्षेत्र ज्वाली के डाकघर त्रिलोकपुर के सोलधा गांव में ज्ञातो देवी (48) तो मंगलवार की रात करीब 12 बजे हार्ट अटैक आया, उसे तुरंत सिविल शाहपुर अस्पताल लाया गया, लेकिन डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस पर पत्नी की मौत की खबर सुनकर पति ठाकरु राम (56) की भी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों की ओर से उसे तुरंत मेडिकल कालेज टांडा लाया गया, जहां डाक्टर ने उसे भी मृत घोषित किया गया। बुधवार को शाम तीन बजे के करबी गांव के शमशानघाट में दंपती का अंतिम संस्कार किया गया। दोनों को मुखाग्नि उनके बेटे संजय कुमार दी। ज्ञातो देवी और ठाकरु राम का दूसरा बेटा दुबई में काम कर रहा है।

अंतिम संस्कार करने के लिए चिता पर एक साथ रखे दंपती के पार्थिव शरीर।

महाकाल की टीबी मुक्त 10 पंचायतों को किया सम्मानित

अनंत ज्ञान, बैजनाथ

खंड चिकित्सा अधिकारी महाकाल की स्वास्थ्य विभाग द्वारा बुधवार को एसडीएम कार्यालय में एसडीएम की अध्यक्षता में टीबी मुक्त भारत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र की 10 ग्राम पंचायतों मे दयोल, धानग, सकड़ी, पंजाला, बंडियां, नरघोड़, गुनेहड़, क्योरी, भिरडी और धरमान को टीबी मुक्त घोषित किया गया। खंड चिकित्सा अधिकार डाक्टर दिलावर सिंह दियोल ने सभी को बधाइयां देते हुए टी बी के बारे में चर्चा की ओर अगली बार सभी प्रधानों को रजत पदक हासिल करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। इस अवसर पर बीएमओ महॉकाल डॉ दिलावर सिंह दियोल, एसटीएस रोहित ठाकुर, रवि स्याल, दयोल ग्राम पंचायत प्रधान देव राज, धानग ग्राम पंचायत प्रधान रोहित कुमार, सकडी ग्राम पंचायत प्रधान बबीता कुमारी, पंचायत ग्राम पंचायत प्रधान अंजू देवी, बंडियां ग्राम पंचायत प्रधान मीनाक्षी, नरघोड ग्राम पंचायत प्रधान किरन कुमारी, गुनेहडड़ ग्राम पंचायत प्रधान अंजना देवी व उप प्रधान दूनी चंद, क्योरी ग्राम पंचायत सकैटरी संजय कुमार मौजूद रहे।

क्षेत्रीय केंद्र धर्मशाला में विकसित भारत की परिकल्पना पर किया मंथन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

आईसीएसएसआर प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन विकसित भारत 2047 का उद्घाटन सत्र बुधवार को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र, धर्मशाला में संपन्न हुआ।

यह सम्मेलन अर्थशास्त्र, वाणिज्य और प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें देशभर से 250 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कर उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. मनीष गौर, निदेशक रहे, जबकि उद्घाटन वक्तव्य एवं पैनल चर्चा की अध्यक्षता प्रो. मदन लाल, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय ने की। प्रो. डीपी वर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम को गौरवान्वित किया। सम्मेलन के सह अध्यक्ष एवं एचपीयूआरसी, धर्मशाला के निदेशक प्रो. कुलदीप अत्री ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए इस मंच की राष्ट्रीय महत्वता पर प्रकाश डाला। सम्मेलन के संयोजक डॉ. राम रत्तन ने सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की और इसके उद्देश्य, थीम व विकसित भारत की परिकल्पना को विस्तार से साझा किया। उन्होंने बताया कि यह सम्मेलन देश के विकास के लिए अकादमिक विचार-विमर्श और रणनीति निर्माण का एक प्रभावी मंच है।

गगल बाजार आज आधा दिन बंद रहेगा

अनंत ज्ञान, गगल। व्यापार मंडल गग्गल के प्रधान देवेंद्र कोहली ने बताया कि कल 24 अप्रैल को प्रदेश के व्यापार मंडल के आह्वान पर पहलगाम में हुए दर्दनाक कांड को लेकर इसके विरोध में हिमाचल बंद के दौरान पर गगल बाजार भी आधा दिन बंद रहेगा।

पीएम आदर्श योजना के तहत कांगड़ा जिले के 40 गांव आदर्श घोषित: एडीसी

50 प्रतिशत से अधिक एससी जनसंख्या वाले गांवों का होगा विकास

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आदर्श गांव योजना के अन्तर्गत जिला कांगड़ा में 64 गांवों को चयनित किया गया है जिसमें से 40 गांवों को आदर्श घोषित कर दिया गया है। बुधवार को प्रधानमंत्री आदर्श गांव योजना अभिसरण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए एडीसी विनय कुमार ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य 50 प्रतिशत से अधिक अनुसूचित जनसंख्या वाले गांवों का एकीकृत विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि आदर्श ग्राम एक ऐसी संकल्पना है जिसमें लोगों को विभिन्न बनियादी सेवाएं देने की परिकल्पना की गई हैए ताकि समाज के सभी वर्गों की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति होए और असमानताएं कम से कम रहें। इन सब गांवों में वह सब ऐसी अवसंरचना होगी और इसके निवासियों को ऐसी सभी बुनियादी सेवाओं की सुविधा मिलेगीए जो एक सम्मानजनक जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

एडीसी विनय कुमार

उन्होंने कहा कि इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य 10 विभिन्न कार्यक्षेत्रों जैसे पेयजल और स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण सामाजिक सुरक्षाए ग्रामीण सड़कें और आवासए विद्युत और स्वच्छ ईंधनए कृषि पद्धतियांए वित्तिय समावेषण डिजीटलीकरण और जीवन यापन तथा कौशल विकास के अन्तर्गत 50 निगरानी योग्य संकेतकों में सुधार करना है। प्रत्येक निगरानी योग्य संकेतक के दो अंक रखे गये हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी गांव अधिकतम 100 अंक प्राप्त कर सकता है। केंद्र सरकार द्वारा ऐसे सभी चयनित गांवों के लिए 20 लाख की राशि अंतर पाटन घटक के अन्तर्गत कार्यकलापों के लिए निर्धारित की है।

जिला कल्याण अधिकारी दीपाली तोमर ने बताया कि जिन्हें 50 निगरानी योग्य संकेतकों में 70 या इससे अधिक अंक प्राप्त हैं, उनको उपायुक्त कांगड़ा जो जिला प्रधानमंत्री आदर्श गांव योजना अभिसरण समिति के अध्यक्ष भी हैं द्वारा आदर्श ग्राम घोषित किया गया है।

समस्या बच्चों का स्कूल जाना हुआ मुश्किल, कस्बे में बार-बार लग रहे जाम से व्यापारी वर्ग परेशान

बेसहारा पशुओं की दहशत से डर के साये में योलवासी

मनोज चंदेल, योल

धर्मशाला के साथ लगते योल कस्बे की सड़कों पर इन दिनों बेसहारा पशुओं खासकर गाय और बड़े-बड़े बैलों का आतंक बना हुआ है। योल में ज्यादातर लोग अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए किराये के मकानों में रहते हैं। वह अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित हैं। ये बेसहारा पशु जब अचानक स्कूल आते-जाते बच्चों के सामने आ जाते हैं तो वह बुरी तरह से सहम और डर जाते हैं। यही नहीं, कभी सब्जी की दुकानों के बाहर रखी सब्जियों को तहस-नहस कर देना व दिन में बार-बार बाजार के बीच आकर ट्रैफिक जाम लगाना अब आम बात हो गई है।

स्थानीय निवासियों के अलावा राहगीरों को इन पशुओं की बढ़ती संख्या और उनके खुलेआम घूमने से आए दिन परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बेसहारा पशुओं के आक्रामक और हमलावर होने से कई बार लोग चोटिल भी हुए हैं। शहर का व्यापारी वर्ग भी खासा परेशान है। उनका कहना है कि बैलों व गायों के सरेआम झुंड में घूमने से ट्रैफिक जाम हो जाता है। कई बार बैल आपस में लड़ पड़ते हैं। ऐसे में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को बाजार में आने से डर लगने लगता है। (अनंत ज्ञान)

योल में सड़क पर डेरा जमाए हुए बेसहारा पशु।

स्थानीय निवासी संजीव सहोता का कहना है कि पूरे योल क्षेत्र में ये बेसहारा पशु घूमते रहते हैं। सुबह-शाम सैर करने में भी डर लगता है, क्योंकि बड़े-बड़े सांड बड़े खतरनाक तरीके से गुर्राते हैं। मैं संबंधित विभाग से मांग करता हूं कि योल कस्बे को इस समस्या से निजात दिलाई जाए।

स्थानीय निवासी राजकुमारी, जो कि कस्बे के डीडी लाइन में अपना व्यापार करती हैं, का कहना है कि घर से दुकान तक पहुंचना और वापस सुरक्षित घर लौटना हमारे लिए बड़ा चुनौतीपूर्ण हो गया है। जब तक घर नहीं पहुंचते हम सहमे सहमे से रहते हैं। डर लगा रहता है कि न जाने कब कोई बैल आगे से आकर टक्कर न मार दे।

योल में सब्जी विक्रेता विपिन चौधरी का कहना है कि एक कर्मचारी तो इसलिए रखना पड़ता है कि जब मैं खुद ग्राहकों के साथ व्यस्त होता हूं तो वह कर्मचारी सारी सब्जी की देखभाल करे, नहीं तो ये आवारा पशु सब्जियों को खा जाते हैं और फेंक देते हैं। प्रशासन से मांग है कि इस समस्या से नजात दिलाई जाए।

बागनी पंचायत के प्रधान सुरेश पप्पी से जब फोन पर बात की गई, तो उन्होंने बताया कि क्योंकि योल कस्बे का लगभग आधा हिस्सा अभी बागनी पंचायत का हिस्सा है। प्रशासन को इस बाबत कई बार लिखा है। अब दोबारा बात करके इसका समाधान बहुत जल्द निकल जाएगा।

एक और बड़ी गोशाला खोलने की दरकार

स्थानीय स्तर पर पशु होलिक नाम से एक संगठन कार्य करता है, उसके फाउंडर साहिल भट्ट से बात करने पर मालूम पड़ा कि जब तक लोग अपनी मानसिकता नहीं बदलेंगे तब तक इस समस्या का हल कुछ नहीं हो सकता। उनका कहना है कि हमारे नजदीक दो ही गोशाला हैं, लेकिन उनमें जगह ही नहीं है। हम अपनी एनजीओ के जरिए आसपास किसी पशु के दुर्घटना में घायल हो जाने पर उसका उपचार करते हैं और वापस छोड़ देते हैं, क्योंकि हमारे पास अतिरिक्त पशुओं को रखनी की जगह नहीं है। हां, अगर कोई हैंडीकैप पशु हो तो उसको हम रख भी लेते हैं, लेकिन इस समस्या का अगर स्थायी हल करना है तो प्रशासन व सरकार को एक और बड़ी गोशाला खोलने होगी। साथ ही ऐसे लोगों को सजा मिले जो पशुओं को आवारा छोड़ देते हैं। इस मामले में लोगों को शिक्षित करना भी जरूरी है।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ की कॉन्फ्रेंस 26 को

अनंत ज्ञान, रोहड़ू। राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ संबंध जीईएनसी एवं बीएमएस का त्रैवार्षिक अधिवेशन राजस्थान के बूंदी में होगा। अधिवेशन में मुख्यातिथि के तौर पर लोक सभा अध्यक्ष ओम बिड़ला मौजूद रहेंगे। भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष व जीईएनसी प्रभारी एमपी सिंह, अखिल भारतीय सगंठन मंत्री बी सुरेंद्र, उपाध्यक्ष निता चौबे, राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ प्रभारी उन्नीथन उन्नीकृष्ण बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रहेंगे। अधिवेशन की अध्यक्षता महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष विपन कुमार डोगरा करेंगे।

हरि शर्मा ने 55 छात्राओं को वितरित की मुफ्त वर्दी

अनंत ज्ञान, चौपाल/नेरवा। पीएम श्री राजकीय उत्कृष्ट विद्यालय चौपाल के प्रधानाचार्य हरि शर्मा ने स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम में छठी कक्षा से आठवी कक्षा तक की सभी 55 छात्राओं को अपनी निधि से वर्दी वितरित की । कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी चौपाल विनीत ठाकुर द्वारा की गई। उन्होंने स्कूल के अन्य अध्यापकों से भी इस कार्य में सहयोग करने का आग्रह किया, जिस पर स्कूल के अन्य 15 रविंद्र मेहता, जितेंद्र चौहान, कुंदन ब्रागटा, आकाश, अनिल चौहान, विक्रांत, सतपाल नेगी, सुरेंद्र चौहान, भगत राम, मनीषा चौहान, राम लाल शर्मा, दिनेश शर्मा व विशाल भोटा ने भी स्कूल के 15 छात्रों को ट्रैक सूट व कोट देने की घोषणा की ।

सड़क सुरक्षा जागृति प्रदर्शनी का हुआ अवलोकन

अनंत ज्ञान, रोहड़ू। रोहड़ू के विधायक मोहन लाल ब्राक्टा, कांग्रेस मंडल रोहड़ू अध्यक्ष करतार सिंह कुल्ला, एसडीएम रोहड़ू विजय वर्धन सारस्वत एवं पंडित जोगिंद्र पाल ज्योति ने ब्रह्माकुमारीज के राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के यातायात एवं परिवहन प्रभाग द्वारा आयोजित यात्रियों को ध्यान देना होगा। इस विषय पर आयोजित सड़क सुरक्षा जागृति प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। उन्हें यातायात एवं परिवहन प्रभाग के वाइस चेयरपर्सन बीके आशा, डॉ. सुरेश शर्मा ने जीवन की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों के पालन करने के बारे में व जीवन की आंतरिक खुशी और शांति की पहचान मुस्कान के महत्व को स्पष्ट किया। ब्रह्माकुमारीज के स्थानीय सेवा केंद्र की प्रभारी बीके आशा ने उन्हें ईश्वरीय सौगात एवं प्रसाद भी दिया।

आउटसोर्स भर्तियों के नाम पर की जा रही धन उगाही : प्रेम

अनंत ज्ञान, जुन्गा। जिला भाजपा संगठन शिमला के पूर्व अध्यक्ष प्रेम ठाकुर ने आउटसोर्स पर नाईलेट द्वारा की जा रही भर्तियों के नाम पर धन उगाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि विभिन्न पदों के लिए आवेदन करने के लिए बेरोजगार युवाओं से 500 रुपए का डिमांड ड्राफ्ट मांगना तर्कसंगत नहीं है बल्कि बेरोजगार युवाओं के साथ सरासर अन्याय है। प्रेम ठाकुर ने कहा कि यह भर्तियां पूर्णतया राजनीतिक तौर पर भरी जानी है। इन में सबसे ज्यादा भर्तियां स्कूलों में 6202 पद आया अथवा हेल्पर के भरे जाने है परंतु नाईलेट के विज्ञापन में 6202 स्कूलों के नाम अंकित नहीं है, कि किन स्कूलों में यह पद भरे जाने हैं। आवेदन पत्र की अंतिम तिथि 28 अप्रैल 2025 रखी गई है। प्रेम ठाकुर ने कहा कि सुक्खू सरकार प्रदेश के बेरोजगार युवाओं के साथ आउटसोरस की भर्ती के नाम पर बहुत बड़ा धोखा किया जा रहा है ।

चित्रकला प्रतियोगिता में रितिक प्रथम

अनंत ज्ञान, जुन्गा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बलग में पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य पर विभिन्न प्रतियोगिताएं करवाई गई, जिसमें नारा लेखन प्रतियोगिता में स्नेहा ने प्रथम और वंशिका ने द्वितीय तथा चित्रकला प्रतियोगिता में रितिक ने प्रथम और तनवी दूसरे स्थान पर रही। इस प्रकार प्रश्नोतरी प्रतियोगिता के कनिष्ठ और वरिष्ठ वर्ग में विवेकानंद हॉउस ने प्रथम और टैगोर हॉउस ने द्वितीय स्थान हासिल किया । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रधानाचार्य रमेश ने विद्यार्थियों को पृथ्वी को हरा भरा और प्रदूषण रहित बनाने के सुझाव दिए । पर्यावरण का सरंक्षण करना हर व्यक्ति का नैतिक कर्तव्य है । उन्होंने बच्चों से पर्यावरण सरंक्षण का संदेश घर घर पहूंचाने का आग्रह किया । ईको क्लब प्रभारी सरोज बाला ने विद्यार्थियों को पर्यावरण से संबधित रिसाईकिल और रिकवर बारे विस्तार से जानकारी दी।

स्वच्छ और सतत ग्रामीण राज्य के सपने को साकार करने को पहल होगी प्रभावी : अनिरुद्ध

अब चकाचक होंगे हिमाचल के गांव

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला

ग्रामीण विकास विभाग और भारतीय हिमालयी क्षेत्र में कार्यरत स्वयंसेवी संस्था वेस्ट वॉरियर्ज सोसायटी (डब्ल्यूडब्ल्यूएस) ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन लागू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह साझेदारी हिमाचल प्रदेश में स्वच्छ और स्वस्थ गांवों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे पूर्व, विभाग ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन के लिए अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड, दाड़लाघाट, अल्ट्राटेक सीमेंट्स लिमिटेड और हीलिंग हिमालया फाउंडेशन के साथ भी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता ज्ञापन एक बहुआयामी दृष्टिकोण के माध्यम से ग्रामीण समुदायों के अपशिष्ट प्रबंधन की चुनौतियों से निपटने के लिए एक व्यापक रणनीति की रूपरेखा तैयार करता है।

अनिरुद्ध ने कहा कि स्वच्छ और सतत ग्रामीण राज्य के सपने को साकार करने को यह पहल प्रभावी होगी। वेस्ट वॉरियर्ज की विशेषज्ञता और विभाग की पहुंच एवं संसाधनों के सहयोग से इस दिशा में स्थायी व सकारात्मक बदलाव लाने के लिए आश्वस्त हैं। (अनंत ज्ञान)

स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन लागू करने के लिए वेस्ट वॉरियर्ज के साथ एमओयू

पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह की मौजूदगी में स्वयंसेवी संस्था वेस्ट वॉरियर्ज ने किया एमओयू। और कंपनियां भी आईं आगे।

स्वच्छ, स्वस्थ वातावरण का होगा निर्माण

वेस्ट वॉरियर्ज सोसायटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विशाल कुमार ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के गांवों में टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन में अपने अनुभव को लाने के लिए सोसायटी ग्रामीण विकास विभाग के साथ साझेदारी करके उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य अपने अनुभव के माध्यम से समुदायों को अपने कचरे का स्वामित्व लेने और सभी के लिए एक स्वच्छ, स्वस्थ वातावरण का निर्माण करना है।

हरित क्षेत्र में इजाफा करने के होंगे प्रयास

सचिव ग्रामीण विकास विभाग राजेश शर्मा ने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग और डब्ल्यूडब्ल्यूएस (एनजीओ) के बीच यह रणनीतिक साझेदारी ग्रामीण हिमाचल प्रदेश को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ बनाने क लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पर्यावरण की जिम्मेदारी लेने को प्रेरित करेंगे

निदेशक ग्रामीण विकास राघव शर्मा ने कहा कि समुदाय के नेतृत्व वाले अपशिष्ट प्रबंधन, एक्सपोजर यात्राओं और ग्राम पंचायतों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से यह पहल स्थानीय समुदायों को अपने पर्यावरण की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करेगी।

सुन्नी में पार्किंग की समस्या सड़कों पर जाम हुआ आम

महेंद्र कुमार, सुन्नी

शिमला ग्रामीण के सुन्नी में पार्किंग की समस्या ने विकराल रूप धारण कर लिया है। सुन्नी बाजार में खरीददारी करने आए ग्रामीण सड़कों के किनारे अपने वाहन पार्क करते हैं, जिससे जाम की स्थिति बन जाती है और सड़क पर राहगीरों का गुजरना मुश्किल हो गया है। आलम यह है कि दोपहर के वक्त स्कूल में छुट्टी होने के उपरांत सुन्नी में सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रहती है। हालांकि पार्किंग की वैकल्पिक व्यवस्था मेला ग्राउंड सुन्नी में की गई है, बावजूद उसके वाहन चालक सड़कों के किनारों पर वहां पार्क करते है और जिस कारण सुन्नी में सड़क दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है ।

स्थानीय व्यापारी नारायण सिंह का कहना है कि नगर परिषद सुन्नी द्वारा वाहन चालकों को पार्किंग व्यवस्था न होने के कारण आए दिन वहां का जाम लगा रहता है, स्कूली बच्चों को सड़क पर करना मुश्किल हो जाता है । स्थानीय लोगों कहना है कि सुन्नी में पार्किंग व्यवस्था न होने के कारण यह समस्या और भी बढ़ गई है। बड़े वाहनों को सड़कों से गुजरना मुश्किल हो जाता है, जिससे यातायात प्रभावित होता है।

प्रशासन से मांग की जा रही है कि सुन्नी में पार्किंग स्थलों का निर्माण किया जाए, ताकि इस समस्या का समाधान हो सके। क्या प्रशासन इस समस्या का समाधान करने के लिए कोई कदम उठाएगा? सुन्नी के निवासियों और व्यवसायियों को इसका इंतजार है।

अध्यक्ष नगर परिषद सुन्नी प्रदीप शर्मा ने बताया कि सुन्नी में काफी लंबे अरसे से पार्किंग व्यवस्था की मांग चली आ रही। सुन्नी गुरुद्वारे के समीप जल्द ही लगभग 2 बीघा भूमि पर 6 करोड़ की लागत से मल्टीस्टोरी पार्किंग और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाने का प्रस्ताव है, जिसके ज्वाइंट इंस्पेक्शन करवा गई है। (अनंत ज्ञान)

बाबा साहेब का जीवन सभी के लिए प्रेरणास्रोत : राजीव

अनंत ज्ञान, शिमला

जिला महासू भाजपा ने ठियोग के बगैण में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम जिलाध्यक्ष अरुण फाल्टा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री हिमाचल प्रदेश डॉ. राजीव सहैजल मुख्य प्रवक्ता तथा भाजपा प्रदेश सचिव संजय ठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. राजीव सैहजल ने कहा कि डॉ. अंबेडकर केवल संविधान निर्माता ही नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब का जीवन सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके शिक्षा, संघर्ष और समर्पण ने समाज में अभूतपूर्व बदलाव लाया। सैहजल ने कहा कि बाबा साहब का सपना था कि हर नागरिक को समान अवसर मिले।

प्रदेश सचिव सजय ठाकुर ने डॉ. अंबेडकर के बहुआयामी व्यक्तित्व को याद किया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं चौपाल के विधायक बलबीर, प्रदेश प्रवक्ता चेतन बरागटा, अजय श्याम, शशि बाला ,रामपुर से प्रत्याशी कौल नेगी, अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र डोगरा समेत कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

टाइम स्केल और एनपीए बहाल करने की मांग

अनंत ज्ञान, सुन्नी। प्रदेश पशु चिकित्सा अधिकारी संघ की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में पशु चिकित्सकों के कैडर संबंधित अति आवश्यक मुद्दों को प्रदेश सरकार से उठाने का प्रस्ताव पारित किया गया।

प्रदेश महासचिव डॉ. मधुर गुप्ता ने बताया कि उन्होंने सरकार के समक्ष एक मांग पत्र सौंपा गया है और बैठक के लिए समय की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि संघ पशु चिकित्सकों के हितों के मुद्दों को सरकार के समक्ष रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विभाग में बनी पशु रोग कल्याण समितियों को कार्यशील बनाने की भी मांग की ताकि अन्य सुविधाएं उत्पन्न कर सके और सरकार और विभाग के लिए आय के साधन जुटा सके

मेले की अंतिम सांस्कृतिक संध्या रही नाटी किंग कुलदीप के नाम

दशमी रावत, रोहड़ू

राज्य स्तरीय रोहड़ू मेले की अंतिम सांस्कृतिक संध्या में लोक गायक कुलदीप शर्मा ने धमाल मचाया। इसके अतिरिक्त इंडियन आईडल फेम नेहा दीक्षित सहित कई लोक कलाकारों ने सांस्कृतिक संध्या पर अपनी प्रस्तुतियां दी। अंतिम संध्या पर हजारों की संख्या में लोग रामलीला मैदान में उमड़े। इस दौरान विधायक मोहन लाल ब्राक्टा बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए।

मेले की अंतिम सांस्कृतिक संध्या देर शाम छह बजे नरेश भारद्वाज की प्रस्तुति के साथ शुरू हुई। उसके बाद क्रमवार अन्य कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दी। कुलदीप शर्मा ने दरोगा जी छोरुआ नी समझायो.., पानी री टांकी हो भाई रामा.., घुट घुट मारे चाय रा लाना..,ईना बड़िया जो तुड़का लाना सहित आदि गाने गाये ।(अनंत ज्ञान)

दुर्गापुर स्कूल में वितरित की पुस्तकें

अनंत ज्ञान, सुन्नी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (जीएसएसएस) दुर्गापुर, शिमला में अंतरराष्ट्रीय पुस्तक दिवस बड़े ही उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। इस आयोजन में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के छात्रों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई, तथा 124 पुस्तकें बच्चों की रुचि अनुसार विद्यालय पुस्तकालय द्वारा वितरित की गई जिसका उद्देश्य वैश्विक जागरूकता, सांस्कृतिक सराहना और साहित्यिक रुचि को प्रोत्साहित करना था।

इस अवसर पर विज्ञान, फिक्शन, आत्मकथा और विश्व साहित्य जैसे विषयों पर प्रदर्शनी आयोजित की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अश्विनी ने अपने संबोधन में ऐसे आयोजनों को विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए आवश्यक बताया।

आतंकी हमले के विरोध में घुमारवीं में निकाली रोष रैली

व्यापारियों और सामाजिक संस्था संवेदना ने हमले के विरोध में बाजार बंद कर किया रोष प्रदर्शन

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए भीषण आतंकी हमले के विरोध में बुधवार को घुमारवीं बाजार दोपहर तक बंद रहा। हमले की खबर से पूरे देश में आक्रोश फैल गया है। स्थानीय व्यापारियों और सामाजिक संस्था संवेदना ने हमले के विरोध में बाजार बंद कर रोष प्रदर्शन किया।

बुधवार सुबह संवेदना संस्था के आह्वान पर स्थानीय व्यापारी और नागरिक दकड़ी चौक पर एकत्र हुए और यहां से एसडीएम कार्यालय तक रोष रैली निकाली गई। प्रदर्शनकारियों ने आतंकवाद और सरकार की निष्क्रियता के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान लोगों में जबरदस्त गुस्सा देखने को मिला। रैली के बाद संस्था के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन एसडीएम घुमारवीं को सौंपा। ज्ञापन में भारत सरकार से यह मांग की गई कि वह कश्मीर घाटी सहित सम्पूर्ण भारत से रेडिकल इस्लामिक आतंकवाद और रेडिकल इस्लामिक आतंकियों के समूल विनाश के लिए कठोर कदम उठाए।

पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के विरोध में घुमारवीं बाजार में रोष प्रदर्शन करते स्थानीय व्यापारी और सामाजिक संस्था संवेदना के सदस्य।

हिंदू पर्यटकों को निशाना बनाना निंदनीय : विशाल नड्डा

संवेदना संस्था के प्रमुख विशाल नड्डा ने कहा कि मंगलवार को हुए हमले में हिंदू पहचान के आधार पर पर्यटकों को निशाना बनाया गया जो कि अत्यंत निंदनीय और अमानवीय है। उन्होंने कहा कि यह हमला केवल मानवता पर नहीं, बल्कि पूरे हिंदू समाज पर सीधा हमला है। आतंकी चुन-चुन कर हिंदू पर्यटकों की पहचान कर उन्हें गोलियों से भूनते रहे। यह सिलसिला अब रुकना चाहिए। साथ ही उन्होंने बंगाल के मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुई हिंसात्मक घटनाओं का भी हवाला दिया, जहां हिंदुओं पर हमला, लूटपाट और महिलाओं के साथ अभद्रता के आरोप लगे हैं। ज्ञापन के माध्यम से यह भी मांग की गई कि भारत सरकार उन आतंकी तत्वों के खिलाफ उसी भाषा में जवाब दे, जिसे वे समझते हैं। प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि लगातार हो रहे इन हमलों से ऐसा प्रतीत होता है कि सरकारें और प्रशासन इन ताकतों के सामने पंगु हो गए हैं, जिससे आमजन का विश्वास डगमगाने लगा है। संवेदना संस्था ने बंगाल और पहलगाम हमले में मारे गए सभी हिंदुओं को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिजनों को हरसंभव सहायता देने की अपील की। साथ ही यह स्पष्ट किया कि हिंदू समाज इस कठिन समय में एकजुट है और आतंकवाद के खिलाफ सरकार के हर ठोस कदम में उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा।

पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमला निंदनीय : संदीप सांख्यान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

पुलवामा के बाद पहलगाम की यह दुखद घटना वास्तव में निंदनीय है। निहत्थे पर्यटकों पर गोलियां बरसा कर मौत की नींद में सुलाने वाली इस विभत्स घटना की चहुंओर कड़ी निंदा और भर्त्सना हो रही है। इसके पीछे अमन विरोधी आंतकवादी अपने कुत्सित इरादों को अंजाम देने में नाकाम हुए हैं। इसके लिए कहीं न कहीं सुरक्षा में चूक है, अन्यथा इतनी बड़ी वारदात सहज नहीं थी, यह सच मे भयानक और असहज थी। केंद्र सरकार को चाहिए कि बयानवीर न बनते हुए इस आतंकी हमले का मुंह तोड़ जवाब दें। यह बात प्रेस को जारी बयान में प्रदेश कांग्रेस के मीडिया को-ऑर्डिनेटर संदीप सांख्यान ने कही। उन्होंने कहा कि देश को जुमलों में उलझाने वाली केंद्र सरकार ने दावा ठोककर कहा है कि देश में आतंकवाद समाप्त हो गया है, विशेषकर जम्मू कश्मीर में शांति अमन की बहाली हो चुकी है। लेकिन इस दर्दनाक घटना ने जहां दर्जनों बेकसूरों की जान ले ली वहीं नेताओं के इन दावों पर भी मिट्टी पलीत कर दी है।

पहलगाम में पर्यटकों पर कायरों ने किया हमला : बलदेव राज

घुमारवीं। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता बलदेव राज ने कहा कि आम आदमी पार्टी आतंकवाद की कड़े शब्दों में निंदा करती है। पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ आतंकी हमला एक कायरतापूर्ण हमला है। आम आदमी पार्टी पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी हैं। पिछले 11 सालों में मोदी सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 हटाया, कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाया, नोटबंदी की जैसे कई निर्णय लिए गए और इन फैसलों को लेने के पीछे यह कहा गया कि ऐसा करने से कश्मीर से आतंकवाद खत्म होगा लेकिन आज तक आतंकवाद खत्म नहीं हुआ। तथा नए हिन्दू परिवार भी कश्मीर में स्थापित नहीं हो पाए हैं जो कि मोदी सरकार की नियत व नीति पर संदेह पैदा करते हैं। मोदी सरकार को जल्द से जल्द आतंकवाद के खिलाफ सख्त फैसला लेने की जरूरत है।

कीरतपुर-नेरचौक फोरलेन पर औहर, पलथीं और कल्लर में बनाए जाएं ओवर फुट ब्रिज

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। भाजपा किसान मोर्चा घुमारवीं मंडल ने कीरतपुर-नेरचौक फोरलेन पर औहर, पलथीं और कल्लर में ओवर फुट ब्रिज बनाने की मांग की है। भाजपा किसान मोर्चा घुमारवीं मंडल के अध्यक्ष एवं औहर पंचायत के पूर्व प्रधान देश राज शर्मा ने कहा है कि फोरलेन पर आए सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। अभी तक 8-9 लोग सड़क को पार करते समय वाहन की चपेट में आने से मौत के आगोश में समा चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस बारे में गत 24 दिसंबर को अतिरिक्त उपायुक्त बिलासपुर को ज्ञापन देकर ओवर फुट ब्रिज बनाने का आग्रह किया गया था। जिस पर गत 15 अप्रैल को हल्का पटवारी ने क्षेत्र के लोगों के इस बाबत बयान भी लिए हैं। उन्होंने तर्क दिया कि फोरलेन के दोनों ओर ग्रामीणों की जमीनें हैं, जिस कारण लोगों को कृषि कार्य और पशुओं के लिए घास आदि लाने के लिए सड़क के आर-पार जाना पड़ता है। सड़क को पार करते समय अक्सर लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि औहर, पलथीं और कल्लर में लोकहित में ओवर फुट ब्रिज बनाए जाएं, ताकि लोग सड़क दुर्घटना का शिकार होने से बच सकें।

घुमारवीं में खेलकूद प्रतियोगिता 26 से 29 तक

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। घुमारवीं उपमंडल स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान घुमारवीं के तत्वावधान में 18वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता पुरुष वर्ग का आयोजन 26 अप्रैल से 29 अप्रैल तक किया जाएगा। यह प्रतियोगिता राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, घुमारवीं के खेल मैदान में आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न आईटीआई संस्थानों एवं तकनीकी शिक्षण संस्थानों की टीमें भाग लेंगी। चार दिवसीय इस आयोजन में खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमताओं के प्रदर्शन का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना, शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ावा देना, तथा सामूहिकता, अनुशासन और खेल भावना को प्रोत्साहित करना है। प्रतियोगिता के आयोजन की जानकारी देते हुए ग्रुप इंस्ट्रक्टर, आईटीआई घुमारवीं आशीष मेहता ने बताया कि सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं और प्रतिभागियों के लिए व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम पर डाला प्रकाश

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला डंगार में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के अंतर्गत में हिमाचल और केरल की लोक कथाओं पर आधारित गतिविधि करवाई गई। जिसमें विद्यालय के बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कक्षा ग्यारहवीं के मोहित, रिद्धिमा और कक्षा 12वीं की अंकिता ने केरल तथा कक्षा आठवीं की सेजल ,आरुषि और आयुषी व कक्षा 12वीं की रिशिता ने हिमाचल की लोक कथाएं प्रस्तुत की। विद्यालय की प्रधानाचार्या रेखा शर्मा ने एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए बताया की इस कार्यक्रम की शुरुआत माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 31 अक्टूबर, 2015 में की गई थी । इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत के विभिन्न राज्यों के बीच आपसी समझ और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। उन्होंने बच्चों को इस तरह की गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

मेले-त्योहार भवन एवं अन्य निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष नरदेव कंवर ने खूंटा गाड़कर किया बैसाखी नलवाड़ मेले का शुभारंभ

ढोल-नगाड़ों और शोभायात्रा के साथ हुआ मेले का आगाज

गोपाल कपिल, झंडूता

झंडूता उपमंडल में तीन दिवसीय बैसाखी नलवाड़ मेले का शुभारंभ ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक शोभायात्रा के साथ हुआ। मेले का विधिवत शुभारंभ हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष नरदेव सिंह कंवर ने ठाकुरद्वारा मंदिर में पूजा-अर्चना के उपरांत खूंटा गाड़ कर किया। मुख्यातिथि नरदेव सिंह कंवर ने इस अवसर पर कहा कि मेले हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। ये केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि लोक परंपराओं, रीति-रिवाजों, लोक कलाओं और संगीत-संस्कृति को जीवंत रखने का सशक्त साधन भी हैं। मेलों के माध्यम से समाज का हर वर्ग एकत्रित होता है, जिससे आपसी मेलजोल, भाईचारा और सामाजिक सद्भाव को बल मिलता है। साथ ही ये स्थानीय कारीगरों, कलाकारों और व्यापारियों को अपनी प्रतिभा और उत्पादों के प्रदर्शन का मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार निर्माण कामगारों के कल्याण के लिए वचनबद्ध है। बोर्ड के माध्यम से 13 विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनमें विवाह सहायता, छात्रवृत्ति, मृत्यु मुआवजा, चिकित्सा सहायता, पेंशन, प्रसूति लाभ और मंदबुद्धि बच्चों के लिए आर्थिक सहायता जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त एकल नारी, विधवा और बेसहारा महिलाओं के लिए घर निर्माण हेतु तीन लाख रुपए तक की सहायता भी प्रदान की जा रही है। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव विवेक कुमार ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मेले हमारी सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक चेतना के प्रतीक हैं।

शोभायात्रा का शुभारंभ ठाकुरद्वारा मंदिर से पूजा-अर्चना के बाद किया गया, जो ढोल-नगाड़ों के साथ झंडूता बाजार से होती हुई मेला स्थल तक पहुँची। इसमें स्थानीय लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा में उत्साहपूर्वक भाग लिया। तीन दिवसीय इस मेले में विविध खेलकूद व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 17 अप्रैल को विशेष दंगल का आयोजन होगा, जिसमें छोटी और बड़ी माली की पारंपरिक कुश्तियां करवाई जाएंगी।

23 और 24 अप्रैल को महिला मंडलों के सांस्कृतिक कार्यक्रम और स्टार नाइट का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बिलासपुर सहित प्रदेश भर के कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इस अवसर पर बोर्ड के निदेशक जितेंद्र चंदेल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सतीश चंदेल, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष पंकज राणा, जिला परिषद सदस्य प्रमिला बसु, एसडीएम झंडूता कुनिका, सहित विभिन्न पंचायतीराज संस्थाओं के चुने हुए प्रतिनिधि उपस्थित रहे। (अनंत ज्ञान)

झंडूता में बैसाखी नलवाड़ मेले का शुभारंभ करते नरदेव सिंह कंवर।

1.58 लाख किसान कर रहे प्राकृतिक खेती

कंवर ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2025-26 के बजट में किसानों और युवाओं के लिए ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्राकृतिक गेहूं का मूल्य 40 रुपये से बढ़ाकर 60 रुपए, मक्की का 30 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए तथा कच्ची हल्दी का मुल्य 90 रुपए प्रति किलोग्राम तय किया गया है। इसके साथ ही किसानों को फसल खरीद केंद्र तक उपज पहुंचाने हेतु दो रुपए प्रति किलो की परिवहन सब्सिडी भी दी जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार वर्ष 2026 तक एक लाख किसानों को प्राकृतिक खेती के दायरे में लाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। वर्तमान में लगभग 1.58 लाख किसान इस पद्धति को अपना चुके हैं, जो हिमाचल को जैविक खेती की दिशा में अग्रणी राज्य बना रहा है। दुग्ध उत्पादकों को राहत देते हुए गाय के दूध का 45 रुपये से बढ़ाकर 51 रुपये प्रति लीटर और भैंस के दूध का 55 रुपये से बढ़ाकर 61 रुपये प्रति लीटर निर्धारित किया गया है।

झंडूता के वैभव ने यूपीएससी परीक्षा में प्राप्त किया 82वां रैंक

अनंत ज्ञान, झंडूता

झंडूता के पनोह गांव के 23 साल के वैभव सिंह ने यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। वैभव का पूरे देश भर में 82वां रैंक है। खास बात यह है कि वैभव सिंह ने यूपीएससी की परीक्षा पहली बार में ही उत्तीर्ण कर ली है। वैभव के पिता वीरेंद्र सिंह पनोह स्कूल में प्रिंसिपल हैं, जबकि माता मोनिका गवर्नमेंट कॉलेज बिलासपुर में फिजिक्स की प्रोफेसर हैं। वैभव ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा शिवालिक इंटरनेशनल स्कूल सरस्वती नगर रोहड़ू और दसवीं की परीक्षा शिमला खलीनी पब्लिक स्कूल से उत्तीर्ण की है जबकि जमा दों की परीक्षा डीएवी स्कूल न्यू शिमला से की है। वैभव ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से पॉलिटिकल साइंस में ऑनर्स में ग्रेजुएशन की है। वैभव के पिता वीरेंद्र सिंह का कहना है कि उन्हें उम्मीद थी कि एक न एक दिन उनका बेटा परिवार का नाम रोशन करेगा। उधर यूपीएससी की परीक्षा पास करने वाले वैभव सिंह का कहना है कि उनकी इस उपलब्धि का श्रेय माता-पिता, दादा दादी, परिवार के सदस्यों, अध्यापकों और दोस्तों को जाता है उनकी प्रेरणा से आज इस परीक्षा को पास कर मुकाम पाया है।

बीए करने के बाद एक साल सिर्फ तैयारी की

वर्ष 2023 में बीए करने के बाद एक साल तक कोई भी परीक्षा नहीं दी। इस एक साल में वैभव ने केवल पढ़ाई एवं तैयारी की। वह दिन में अधिकतम आठ से 10 घंटे पढ़ाई करते थे, जबकि परीक्षा के दिन नजदीक आने पर अध्ययन समय बढ़ा दिया था। तैयारी में समाचार पत्रों का भी अहम रोल रहा है। वैभव ने बताया कि उन्होंने स्कूल के समय से ही तय किया था कि वह यूपीएससी पास करके प्रशासनिक अधिकारी बनेंगे। इसी के चलते शिमला में स्कूली शिक्षा ग्रहण करने के बाद स्नातक की पढ़ाई से दिल्ली से करने का निर्णय लिया।

न्यूज ब्रीफ

निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रीसी प्रथम

अनंत ज्ञान, जुग्गा। राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चियोग में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर पृथ्वी एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई,जिसमें चित्रकला, भाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन का आयोजन किया गया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रीसी, भाषण में पूजा और चित्रकला में वैशाली ने पहला स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर प्रियांशी ने पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिज्ञा दिलाई तथा संकल्प लिया कि पृथ्वी को अपनी मां समझेंगे तथा इसकी रक्षा एवं सुरक्षा के लिए अपनी वचनबद्धता दोहराएंगे। प्रधानाचार्य संदीप शर्मा ने बच्चों को पृथ्वी और पर्यावरण संरक्षण बारे विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि पर्यावरण का संरक्षण करना हर व्यक्ति का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने बच्चों से पर्यावरण संरक्षण का संदेश घर घर पहुंचाने का आग्रह किया। उन्होंने इस मौके पर विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

जरूरतमंद विद्यार्थियों को बांटी पठन पाठन सामग्री

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। दीन सहायक ट्रस्ट मंडी द्वारा जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को कॉपियों का वितरण किया गया। राजकीय बीजे वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बाल व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कन्या के प्रधानाचार्य क्रमशः जयश्री कपूर व अनिल कटोच को ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजिंदर वैद्य व भूप चंद शर्मा, अजय सहगल तथा रविकांत कपूर ट्रस्टियों ने कॉपियां भेंट करते हुए उनसे आग्रह किया कि स्कूल के जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को यह कॉपियां वितरित की जाएं, ताकि उनकी पढ़ाई में किसी प्रकार का व्यवधान न पड़े। अध्यक्ष ने प्रधानाचार्य से यह भी आग्रह किया कि स्कूल में यदि कोई अन्य सुविधा बच्चों के लिए चाहिए तो कृपया इस बारे में ट्रस्ट को अवगत कराएं। कापियों के वितरण में प्रसिद्ध समाजसेवी अनिल शर्मा व विनोद बहल ने भी अपना सहयोग दिया।

किसानों ने सीखे फसल की खेती के तरीके

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। कृषक प्रशिक्षण केन्द्र सुंदरनगर में 'प्राकृतिक खेती में क्षेत्र अभ्यास के साथ आम और विदेशी सब्जियों पर खेती के तरीके' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि विभाग के जिला कुल्लू के विकासखंड बंजार के 33 किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण की शुरुआत में समन्वयक डॉ. सुधीर ने प्रशिक्षण के बारे, प्राकृतिक खेती की अवधारणा, उसके फायदे और जरूरत पर बल दिया तथा आम और विदेशी सब्जियों पर खेती के तरीके पर चर्चा की। डॉ. ओम प्रकाश उप प्रधानाचार्य कृषक प्रशिक्षण केंद्र सुंदरनगर द्वारा किसानों को सब्जी फसलों में प्राकृतिक खेती के महत्व की जानकारी दी। किसानों को प्राकृतिक खेती में कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र का विश्लेषण तथा प्राकृतिक खेती में सब्जी फसलों में महत्वपूर्ण कीट प्रबंधन के लिए पहचान और प्रबंधन पद्धतियां, सब्जी पौध उत्पादन तथा नर्सरी प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी दी।

राज्यपाल ने मैहला में नशा विरोधी जन-जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नशे के विरुद्ध चंबा से उठी हुंकार

अनंत ज्ञान ,चंबा

हिमालय की शांत वादियों में आज चेतना की गर्जना गूंज उठी जब राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने चंबा के मैहला में आयोजित भव्य नशा विरोधी जन-जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह रैली महज एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं के आत्मबल, समाज की चेतना और संस्कृति की पुनः:स्थापना का उद्घोष बन गई। स्थानीय खेल मैदान में आयोजित किसान मेला एवं नशा निवारण जागरूकता शिविर को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि नशे से मुक्त समाज ही अपनी संस्कृति की रक्षा कर सकता है। जब तक मांग रहेगी, आपूर्ति नहीं रुकेगी-हमें जड़ पर वार करना होगा।

इस आयोजन की गरिमा उस समय और बढ़ गई जब सैकड़ों स्कूली छात्रों ने जोश और संकल्प के साथ नशे के विरुद्ध नारे लगाए- उनके स्वर समाज को आईना दिखा रहे थे। यह महत्वपूर्ण आयोजन डॉ. वाईएस परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी तथा कृषि विज्ञान केंद्र, चंबा के सहयोग से आयोजित किया गया।

नशे के खिलाफ समाज को भी कसनी होगी कमर

राज्यपाल ने एनडीपीएस एक्ट से जुड़े मामलों में हिमाचल में पिछले एक दशक में 340 प्रतिशत की बढ़ोतरी को गहरी चिंता का विषय बताते हुए कहा कि चिट्टा जैसे विनाशकारी सिंथेटिक नशों ने अब हमारे गांवों और घरों को भी घेर लिया है। अब केवल सरकार नहीं, समाज को भी कमर कसनी होगी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की 'नशामुक्त भारत' की परिकल्पना का हवाला देते हुए कहा कि हिमाचल में जन-आंदोलन का रूप दिया जाएगा, और हर नागरिक को इसमें सहभागी बनना होगा।

कश्मीर में हुआ आतंकी हमला निंदनीय

इस अवसर पर सर्किट हाउस चम्बा में प्रेस मीडिया के समक्ष राज्यपाल ने हाल ही में कश्मीर में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा,यह कायरता और क्रूरता का कृत्य है। भारत की एकता और अखंडता पर हमला करने वाले कभी सफल नहीं होंगे। देश को सुरक्षा में लगे हर जवान को हम नमन करते हैं। इस दौरान उन्होंने प्रगतिशील किसानों को सम्मानित कर ग्रामीण नवचेतना का सम्मान किया। राज्यपाल की इस पहल को राष्ट्रहित का ऐतिहासिक कदम बताया ।

सामाजिक सतर्कता समय की मांग

चंबा सदर के विधायक नीरज नैय्यर ने 'गुड पेरेंटिंग' और सामाजिक सतर्कता को समय की मांग बताया, वहीं भरमौर विधायक डॉ. जनक राज ने नशे के वैज्ञानिक एवं चिकित्सकीय पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए इससे होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों की जानकारी दी। डॉ. वाई.एस. परमार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश्वर सिंह चंदेल ने बताया कि अब नशा कोई परोक्ष समस्या नहीं, बल्कि घरों के भीतर की चुनौती बन गया है इसके विरुद्ध हर गांव, हर स्कूल और हर खेत में अलख जगानी होगी।

नुक्कड़ नाटक बना कार्यक्रम की जान

एकलव्य कला मंच के पुलिस जवानों द्वारा प्रस्तुत नशा उन्मूलन पर आधारित नुक्कड़ नाटक ने दर्शकों को भावनात्मक रूप से झकझोर दिया। कृषि विज्ञान केंद्र, चम्बा के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. धर्मेंद्र ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक आंदोलन की शुरुआत है।

राज्यपाल के कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों की अनदेखी पर विरोध

अनंत ज्ञान, मैहला

मैहला पंचायत में आयोजित कृषि वाणिज्य किसान मेला एवं नशा मुक्ति जागरूकता शिविर, जिसमें हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे, एक ओर जहां इसे सफल सरकारी कार्यक्रम के रूप में प्रचारित किया गया, वहीं दूसरी ओर पंचायत प्रतिनिधियों की उपेक्षा ने इस आयोजन की निष्पक्षता और लोक प्रतिनिधित्व पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

विकासखंड मैहला के प्रधान-उपप्रधान संघ ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम किसी राजनीतिक दल का आयोजन नहीं था, बल्कि जनकल्याण और जागरूकता से जुड़ा कार्यक्रम था, जिसमें स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों को न तो आमंत्रित किया गया और न ही मंच पर या सम्मान में कोई स्थान मिला। ग्राम पंचायत मैहला के प्रधान को न केवल नजरअंदाज किया गया, बल्कि कार्यक्रम में उनका नाम तक नहीं लिया गया, जिससे स्थानीय स्तर पर भारी असंतोष उत्पन्न हुआ है। यह स्थिति प्रजातांत्रिक मूल्यों के विपरीत है, जिसमें पंचायतें प्रशासनिक ढांचे की पहली कड़ी मानी जाती हैं। प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि यह आयोजन कुछ लोगों की मनमानी और एकतरफा योजनाका परिणाम था, जिसमें स्थानीय अनुभवी और योग्य किसानों तक को नजर-अंदाज कर दिया गया।

प्रतिनिधियों ने सवाल उठाया कि यदि स्थानीय किसानों और पंचायत प्रतिनिधियों को मंच और सम्मान में स्थान नहीं मिलेगा, तो ऐसी सरकारी योजनाएं और समारोह मात्र औपचारिकता बन कर रह जाएंगी।

संघ ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में यदि किसी भी पंचायत क्षेत्र में इस प्रकार का कार्यक्रम होता है, तो पंचायतों से पूर्व चर्चा और स्थानीय योगदानकर्ताओं को शामिल करना अनिवार्य होना चाहिए। उन्होंने इस अनदेखी को एक 'प्रशासनिक मनोपली' करार देते हुए राज्य स्तरीय अधिकारियों से संज्ञान लेने की मांग की है।

इस नाराजगी के साथ प्रधान-उपप्रधान संघ ने यह संदेश दिया है कि पंचायतें केवल चुनावी अवसरों पर याद की जाने वाली संस्थाएं नहीं हैं, बल्कि स्थानीय शासन की आत्मा हैं और उनके साथ ऐसा व्यवहार लोकतंत्र की भावना को आहत करता है।

आतंक के विरुद्ध विश्व हिंदू परिषद की रोष रैली आज

अनंत ज्ञान, चंबा

विश्व हिंदू परिषद ने हाल ही में श्रीनगर के पहलगाम में उग्रवादियों द्वारा हिंदू पर्यटकों की पहचान कर उन्हें बेरहमी से गोली मारने की घटना की तीव्र निंदा करते हुए इसे 'मानवता को शर्मसार करने वाला कृत्य' बताया है। परिषद के अनुसार, लगभग 30 निर्दोष हिंदू पर्यटकों की धर्म पूछकर और कपड़े उतरवाकर हत्या किया जाना सभ्य समाज पर सीधा हमला है।

विश्व हिंदू परिषद के प्रांत अध्यक्ष डॉ. केशव वर्मा ने इस आतंकी हमले को 'पाशविक, अमानवीय और इस्लामिक कट्टरता की चरम अभिव्यक्ति' करार देते हुए कहा कि ऐसे कृत्यों को अब चुपचाप सहना भारतीय संस्कृति और आत्मसम्मान दोनों के खिलाफ है। इस गंभीर पृष्ठभूमि में 24 अप्रैल को संपूर्ण प्रदेश में 'इस्लामिक आतंकवाद' के खिलाफ एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

परिषद ने बताया कि यह आक्रोश रैली न केवल शहीदों के प्रति श्रद्धांजलि होगी, बल्कि जिहादी मानसिकता के विरुद्ध समाज की एकजुट चेतना का परिचायक भी बनेगी। चंबा जिला मुख्यालय में सुबह 10 बजे से यह रोष रैली शुरू होगी, जिसमें सभी नागरिकों, विशेष रूप से हिंदू समाज से भारी संख्या में भाग लेने की अपील की गई है।

पर्यटकों की हत्या के खिलाफ रोष

अनंत ज्ञान, डलहौजी। जम्मू-श्रीनगर के पहलगाव में आतंकवादियों द्वारा 27 हिन्दू पर्यटकों की निर्मम हत्या कर दी है। जिसको लेकर बनीखेत यूथ क्लब और बनीखेत व्यापार मंडल के द्वारा शहीद हुए पर्यटकों को नमन श्रद्धांजली देने व आतंकवादियों पर भारी रोष प्रकट करते हुए बनीखेत के भुक्नाग मंदिर से बस स्टैंड तक रोष रैली निकालने जा रहे है।

व्यापार मंडल के प्रधान संजीव कुमार व यूथ क्लब बनीखेत के अध्यक्ष विश्वजीत ने सभी भाइयों व बहनो से विनम्र प्रार्थना है की आज 24 अप्रैल सुबह 11 बजे एकसाथ इकट्ठे होकर भुरूनाग मंदिर में पहुंचे व ताकि उनके परिवार वालों के साथ खड़े हो सके।

धीरज ने 21वीं सदी की शिक्षा में बनाई अंतरराष्ट्रीय पहचान

अनंत ज्ञान, चंबा

हिमाचल की शांत वादियों से निकलकर चंबा जिले के भूगोल प्रवक्ता धीरज सिंह ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक ऐसा परचम लहराया है, जिसने न केवल राज्य को गौरवान्वित किया, बल्कि भारतवर्ष की शैक्षिक क्षमताओं को वैश्विक पहचान दिलाई।

धीरज सिंह ने 14 से 19 अप्रैल 2025 तक सिंगापुर के अमारा सैंक्चुअरी, सेंटोसा में आयोजित 'बदलते विश्व में शिक्षा और अधिगम को सशक्त बनाना' विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। यह प्रशिक्षण प्रिंसिपल्स अकादमी, सिंगापुर द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें सिंगापुर की प्रतिष्ठित शिक्षा विशेषज्ञ मैडम ली लाई योंग एवं श्री साइमन रेनॉल्ड्स ने 21वीं सदी की शिक्षण विधियों पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

भारत सरकार के स्टार प्रोजेक्ट के अंतर्गत पूरे देश से चयनित केवल 15 शिक्षकों में से धीरज सिंह का चौथा स्थान आना वह न केवल अपने विषय में दक्ष हैं, बल्कि ज्योग्राफिकल सोसाइटी ऑफ हिमाचल प्रदेश के मीडिया सचिव के रूप में भी सक्रिय योगदान देते रहे हैं। धीरज सिंह ने सिंगापुर की भू-नीति, स्मार्ट भूमि प्रबंधन और आधुनिक शिक्षण प्रणाली का प्रत्यक्ष अवलोकन करते हुए कहा कि 'भूगोल कोई केवल नक्शों का अध्ययन नहीं, बल्कि आने वाले युग का रणनीतिक विज्ञान है। प्रदेश में भूगोल को केवल एक विषय नहीं, एक विकास नीति के रूप में अपनाना होगा। उन्होंने एवरग्रीन स्कूल और सेंट एंड्रयू सेकेंडरी स्कूल का दौरा किया और सिंगापुर की आधुनिक शिक्षण तकनीकों, कौशल विकास के मॉडल और छात्रों के आत्मनिर्भरता निर्माण की प्रणाली से प्रभावित होकर उसे हिमाचल में लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया। हिमाचल के चयनित प्रधानाचार्यों, राष्ट्रीय-अवॉर्डी शिक्षकों और शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी ने इसे और अधिक गरिमामय बना दिया।

ओडिशा शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति से गूंजा सांस्कृतिक वातावरण

अनंत ज्ञान, डलहौजी

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बकलोह में को 'रूट टू रूट' कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को भारत की समृद्ध शास्त्रीय नृत्य परंपरा से परिचित कराया गया।

प्रसिद्ध ओडिशा शास्त्रीय नृत्यकार दीनबंधु दलाई द्वारा ओडिसी शास्त्रीय नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी गई और विद्यार्थियों को इसकी ऐतिहासिकता, संरचना तथा भाव-भंगिमाओं की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम की शुरुआत ओडिसा नृत्य के इतिहास और इसकी विशिष्टताओं को समझाने से हुई। विद्यालय के प्राचार्य अनिल कुमार ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति के प्रति प्रेम को बढ़ावा देती हैं ।

नशा माफिया के लिए कोई माफी नहीं चाहे वो मेरा सगा भाई ही क्यों न हो : नैय्यर

अनंत ज्ञान, मैहला

मैहला पंचायत में आयोजित कृषि वाणिज्य किसान मेला एवं नशा मुक्ति जागरूकता शिविर में जब मंच से हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने समाजहित में कृषि और जागरूकता पर बल दिया।

इस अवसर पर चंबा सदर विधायक नीरज नैय्यर ने अपने तीखे और निर्णायक शब्दों से नशा माफ़िया और उनके संरक्षकों को खुली चुनौती दी। नैय्यर ने कहा कि कि मेरे क्षेत्र में नशे का कारोबार करने वालों के लिए कोई रहम नहीं होगा। मेरी नीति इस मामले में बिलकुल स्पष्ट है शून्य सहनशीलता नीति। अगर कोई नशा बेचता है, तो चाहे वो मेरा सगा भाई ही क्यों न हो, मैं उसे बचाने के लिए, एक कदम भी नहीं उठाऊंगा। मुझसे कोई उम्मीद न रखे कि मैं नशे के सौदागरों के लिए हमदर्दी दिखाऊंगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति नशा कारोबार में लिप्त व्यक्ति के छुड़ाने के लिए उनसे सिफारिश या फोन लेकर आता है, तो उसे दो टूक जवाब मिलेगा 'नशे के सौदागर के लिए दरवाजे बंद हैं।' नीरज का यह बयान एक चेतावनी भी है और एक वादा भी था कि चंबा की पवित्र धरती पर नशा फैलाने वालों को अब छिपने की जगह नहीं मिलेगी। उन्होंने प्रशासन से भी आह्वान किया कि ऐसे तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जाए और कानून का शिकंजा और मज़बूती से कसा जाए।

उन्होंने कहा, हमें अपने नौजवानों को बचाना है, अपने समाज को बर्बादी से रोकना है। नशा केवल एक आदत नहीं, यह पूरे परिवार, संस्कृति और भविष्य को निगलने वाला राक्षस है।

पारंपरिक उत्पादों के लिए सशक्त मंच बना 'पांगीहिल्स'

अनंत ज्ञान, चंबा

वर्ष 2017 में हिमाचल की दुर्गम जनजातीय घाटियों से एक परिवर्तन की कहानी शुरू हुई, जिसका नाम है 'पांगीहिल्स'। यह केवल एक ग्रामीण मार्ट नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और पारंपरिक उत्पादों के लिए एक सशक्त मंच बन चुका है। डॉ. हरीश शर्मा, पांगीहिल्स के संस्थापक और मार्गदर्शक, ने अनंत ज्ञान न्यूज़ चैनल के संवाददाता राहुल से बात करते हुए कहा, 'हमारी यात्रा केवल उत्पादों की बिक्री तक सीमित नहीं है, यह जनजातीय महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक पहचान का आंदोलन है। विजन जो बदल रहा है जिंदगियां पांगीहिल्स की नींव उस सोच पर रखी गई थी, जिससे हर महिला को न केवल काम मिले बल्कि पहचान और सम्मान भी मिले।

पांगीहिल्स में शुद्ध देसी घी, चंबा चुख, जैविक दालें, लाल चावल, हिमालयन हर्बल चाय, शिलाजीत, हेज़लनट, काला जीरा, अखरोट, चंबा रूमाल और चप्पल, और बहुत कुछ जो अब देश भर में पसंद किए जा रहे हैं।

डॉ. हरीश शर्मा ने कहा कि हम किसी भी तरह की मिलावट या बिचौलियों के हस्तक्षेप को नहीं मानते। हमारे उत्पाद पांगी की आत्मा को दर्शाते हैं और उन्हें उसी शुद्धता और सच्चाई के साथ ग्राहक तक पहुंचाया जाता है।

व्यापार मंडल नेरवा ने नरसंहार पर जताई चिंता

अनंत ज्ञान, चौपाल, नेरवा। व्यापार मंडल नेरवा एवं नगर पंचायत नेरवा ने पहलगाम नरसंहार की कड़ी भर्त्सना करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। व्यापार मंडल नेरवा के अध्यक्ष राजीव भिख्टा,उपाध्यक्ष दिनेश अमरेट, महासचिव जगत चौहान, कोषाध्यक्ष प्रदीप चौहान, समस्त व्यापारियों, नगर पंचायत नेरवा की अध्यक्ष बबिता तंगडाईक तथा समस्त पार्षदों ने बीते रोज हुए पुलवामा नर संहार पर गहरा दुःख प्रकट करते हुए इस हमले में शहीद हुए नागरिकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं।

उन्होंने कहा कि एक समुदाय विशेष के लोगों की चुन चुन कर हत्या स्पष्ट रूप से नापाक पाकिस्तान की हरकत है । ऐसे में पड़ोस में रह रहे दुश्मन को सबक सिखाने का समय आ गया है ।

सूडोकु नवताल- 7410

✲✲✲✲✲ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 गुणा 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनवृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7409 का हल

8	2	4		9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

एनएचएआई की लापरवाही से वाहन चालक परेशान

कविता, पधर

मंडी-पठानकोट फोरलेन निर्माण कार्य में हो रही लापरवाही अब वाहन चालकों और स्थानीय लोगों के लिए मुसीबत बनती जा रही है। फोरलेन समन्वय समिति के अध्यक्ष चिन्त राम ठाकुर व सचिव महेंद्र गुलेरिया ने एनएचएआई और निर्माण कंपनी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पधर से बिजनी तक के कार्य में सुरक्षा मानकों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि निर्माण के दौरान न तो डायवर्जन के संकेत लगाए जा रहे हैं, न ही अलर्ट टेप का इस्तेमाल हो रहा है। वहीं लिंक रोड की दशा इतनी खराब है कि कई पंचायत प्रधान स्वयं के खर्चे से मरम्मत करवाने को मजबूर हैं। स्थानीय ग्रामीण राज कुमार, ललित कुमार, दलीप सिंह, हेम सिंह, कुंदन लाल, ज्योति प्रकाश तथा राम लाल का कहना है कि एनएचएआई जनसुनवाई के नाम पर सिर्फ औपचारिकताएं निभा रही है और ऐसा व्यवहार करती है जैसे सड़कें उनकी निजी संपत्ति हों। निर्माण कार्य के चलते बसों, स्कूल वाहनों और अन्य गाड़ियों की आवाजाही बाधित हो रही है।

गौंटा में चलाया विशाल नशा विरोधी अभियान

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। ग्राम पंचायत गौंटा में सामाजिक संस्था मशाल द्वारा 'नशा मुक्त सरकाघाट, स्वस्थ सरकाघाट' अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य एवं समाजसेवी चंद्रमोहन शर्मा ने शिरकत की।

कार्यक्रम में 60 महिला मंडलों की सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नशा विरोधी संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत रैली से हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने आधा किलोमीटर पैदल चलकर नशे के खिलाफ जन जागरूकता फैलाने का प्रयास किया। जनसभा स्थल पर मशाल संस्था की अध्यक्ष प्रेम कुमारी ठाकुर ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। चंद्रमोहन शर्मा और प्रेम कुमारी ने हत्या की निंदा की और दो मिनट का मौन रख मृतकों को श्रद्धांजलि दी।

व अदालत सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी नूरपुर जिला कांगड़ा हि. प्र.।

सन्नी सिंह पुत्र बुधि सिंह निवासी महाल केहरना डा. पंजाहड़ा तहसील नूरपुर जिला कांगड़ा हि. प्र. ......वादी

वनाम

आम जनता

....प्रतिवादी (मृत्यु पंजीकरण)

ईश्तहार अखबार बाबत आवेदन मृत्यु पंजीकरण ग्राम पंचायत पंजाहड़ा तहसील नूरपुर जिला कांगड़ा

ईश्तेहार अखबार द्वारा हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी सन्नी सिंह पुत्र बुधि सिंह निवासी महाल केहरना डा पंजाहड़ा तहसील नूरपुर जिला कांगड़ा हि. प्र. ने एक प्रार्थना पत्र गुजारा है, जिसमें निवेदन किया है कि उसकी माता चीना देवी पत्नी बुधि सिंह की मृत्यु दिनांक 20-07-1997 को गाँव केहरना में हुई थी और उनका मृत्यु तिथि पंजीकरण 20-07-1997 ग्राम पंचायत पंजाहड़ा के रिकार्ड में अज्ञानतावश दर्ज न हो सका है। अतः उनकी मृत्यु तिथी को ग्राम पंचायत पंजाहड़ा में दर्ज करने के आदेश पारित किये जावे ।

अतः हर आम व खास, जो प्रार्थी के आवेदन पर अपना कोई एतराज पेश करना चाहता हो, तो वह असालतन या वकालतन इस अदालत में दिनांक 26-05-2025 को पेश कर सकता है। एतराज पेश न होने की सूरत में आवेदन मृत्यु तिथी पंजीकरण जारी कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 22-04-2025 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी तहसील नूरपुर जिला कांगड़ा

अनंत ज्ञान

आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी,श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

आज का पंचांग

24 अप्रैल, 2025, वीरवार

विक्रमी संवत : 2082, **शक संवत्** :1946 (क्रोधी), **मास** : वैशाख, **तिथि** एकादशी (14:33): **नक्षत्र** शतभिषा (10:49), **पक्ष**: कृष्ण, **योग** : ब्रह्म (15:56) **शुभ मुहूर्त** : अभिजित (11:53-12:45), **राहुकाल** (01:30-03:00)।

विशेष दिन

» 24 अप्रैल : श्री वल्लभाचार्य जयंती कल।

» 24 अप्रैल : महाप्रभुजी का प्राकट्य दिवस कल।

मेषः व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे।

वृषभः अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा।

मिथुनः बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं।

कर्कः दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होगा। कोई आवश्यक काम जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे।

सिंहः चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

कन्याः निश्चय किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ने वाला होगा। संतोषजनक सफलता मिलेगी। मेहमानों का आगमन होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ।

तुलाः परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे।

वृश्चिकः संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है।

धनुः शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्यवसायी सिद्ध होगा। वैचारिक उत्तेजना पर नियंत्रण रखें।

मकरः मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है।

कुंभः महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा।

मीनः सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी।

मांग

जनहित संगम ने उठाई आवाज, चंबा को मिले हक

चंबा को मिले स्वतंत्र लोकसभा सीट

अनंत ज्ञान, चंबा

हिमाचल प्रदेश के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जिला चम्बा अब एक स्वतंत्र लोकसभा सीट की माँग को लेकर संगठित हो उठा है। जनहित संगम, चम्बा ने एकजुट होकर इस मांग को प्रदेश और केंद्र सरकार के समक्ष पुरजोर तरीके से उठाया है।

चंबा जो कभी राजा कालीन समय में लाहौल-स्पीति से लेकर किश्तवाड़ तक फैला हुआ था, आज अपनी पहचान के लिए संघर्ष कर रहा है। जनहित संगम ने कहा। इस जिले का भौगोलिक क्षेत्रफल 6,500 वर्ग किलोमीटर से अधिक है और जनसंख्या के लिहाज से भी यह कई अन्य स्वतंत्र संसदीय क्षेत्रों के बराबर है, फिर भी यह आज तक कांगड़ा लोकसभा क्षेत्र में दबकर रह गया है। चंबा की जनता को ना केवल संसाधनों की भारी कमी का सामना करना पड़ता है, बल्कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व का भी घोर अभाव झेलना पड़ता है। पिछले 60-70 वर्षों में केवल एक बार कोई सांसद चम्बा से रहा है। उसके बाद से चम्बा एक 'अनाथ' जिले की तरह अपने अधिकारों से वंचित रह गया है।

उन्होंने कहा कि हमारे पर्वतीय जिले को केवल प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक समृद्धता के लिए नहीं जाना जाना चाहिए, बल्कि इसे राजनीतिक मान्यता भी मिलनी चाहिए।

कांगड़ा से चंबा का कोई सीधा जुड़ाव नहीं

जनहित संगम ने इस बात पर भी जोर दिया कि चम्बा की सामाजिक, भाषाई और भौगोलिक संरचना कांगड़ा से बिल्कुल भिन्न है। चम्बा का ज्यादा जुड़ाव पंजाब और जम्मू-कश्मीर जैसे सीमावर्ती इलाकों से है। चाहे वह व्यापारिक मार्ग हों, खाद्य संस्कृति हो, भाषा हो या देवी-देवताओं की परंपरा - चंबा की पहचान विशिष्ट और अलग है। जनहित संगम ने पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री शांता कुमार और पार्टी नेतृत्व से आग्रह किया है कि वे चम्बा को उसका वाजिब हक़ दिलाने के लिए संसद में आवाज बुलंद करें।

ग्राम पंचायत जलाड़ी

विकास खंड नादौन, जिला हमीरपुर (हि. प्र.)

निविदा आमंत्रण नोटिस

ग्राम पंचायत जलाड़ी में एक पंचायत लर्निंग सेंटर की स्थापना की जानी है जिसके लिए नीचे दिए गए विवरण अनुसार कुछ सामान की खरीदारी की जानी है। इसके लिए बंद लिफाफे में निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

1- इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स(Panel,sound system etc.)

2- Furniture (Chairs,tables,Almirah, etc).

3- Books for library सामान संबंधी विवरण तथा नियम व शर्तें ग्राम पंचायत कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकेंगी। निविदाएं फर्मों के समक्ष दिनांक 28 अप्रैल को समय 3 बजे पर खोली जाएंगी।

प्रधान

ग्राम पंचायत जलाड़ी

मित्र का सम्मान करो, पीठ पीछे उसकी प्रशंसा करो, और आवश्यकता पड़ने पर उसकी सहायता करो। -अरस्तु

संपादकीय

आतंक की आग

जिसे हम जन्नत-ए-कश्मीर कहते हैं उस धरती को आतंकियों की कायराना हरकत ने जहन्नुम बना दिया है। पहलगाम की हसीन वादियों को निहारने आए 28 पर्यटकों को गोलियों से भूनकर मौत के घाट उतार देना कहां की इंसानियत है? वीभत्स तो यह है कि जिन निर्दोषों को मारा गया उनको धर्म पूछकर गोली मारी गई। कश्मीर की इस दर्दनाक खबर ने पूरे देश को झकझोर दिया है। पहलगाम की सुरम्य वादियां, जो सदा से प्रेम, शांति और सुंदरता का प्रतीक रही हैं, अब गोलियों की तड़तड़ाहट और खून से सनी सड़कों का मंजर बन गई हैं। यह घटना न केवल हृदयविदारक है, बल्कि मानवता के खिलाफ एक वीभत्स अपराध भी है। निर्दोष पर्यटकों को जिस निर्ममता से मौत के घाट उतारा, वह इस बात का प्रमाण है कि आतंकियों का उद्देश्य केवल दहशत फैलाना नहीं, बल्कि धर्म के नाम पर समाज को बांटना भी है।

यह और भी दुखद है कि पीड़ितों से उनका धर्म पूछकर उन्हें निशाना बनाया, उन्हें कलमा पढ़ने के लिए बाध्य किया। ऐसी घटनाएं न केवल देश की सांप्रदायिक एकता पर गहरा आघात करती हैं, बल्कि आतंकवाद के असली मकसद को भी उजागर करती हैं। निश्चित रूप से यह वारदात भारत को भीतर से तोड़ने की साजिश है। एक नवविवाहिता को आतंकियों की ओर से यह कहकर छोड़ देना कि 'जाओ, हम तुम्हें नहीं मारते, मोदी को बता देना', यह दर्शाता है कि आतंकी अब केवल आम नागरिकों को नहीं, बल्कि देश के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व को भी चेतावनी देने का दुस्साहस कर रहे हैं। यह संकेत है कि वे भारतीय लोकतंत्र के स्तंभों को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। सवाल उठता है कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी उनके निशाने पर हैं? यदि हां, तो यह देश की सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक गहरी चुनौती है। इस घटना के बाद स्वाभाविक रूप से देशभर में पाकिस्तान के खिलाफ गुस्सा भड़क उठा है।

खुफिया एजेंसियों के अनुसार, इस हमले के पीछे पाकिस्तान की आईएसआई और आतंकी संगठन शामिल हैं। यह कोई पहली बार नहीं है, बल्कि इससे पहले भी आतंकी अपनी उपस्थिति दर्ज करवा चुके हैं। पठानकोट, उड़ी, पुलवामा और 26/11 जैसे कांड अभी भी नहीं भूले हैं। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या भारत को एक बार फिर पाकिस्तान को माकूल जवाब देना चाहिए? हालांकि, प्रतिघात की मांग जनभावना में स्वाभाविक है, लेकिन इसके दूरगामी परिणामों पर विचार करना भी जरूरी है। कूटनीतिक, सैन्य और आर्थिक स्तर पर हर पहलू को संतुलित रूप से देखना होगा। किसी भी जल्दबाजी में लिया गया फैसला हालात को और बिगाड़ सकता है। भारत को अपनी रणनीति ऐसी बनानी होगी, जिससे आतंकी ठिकानों को नेस्तानाबूत किया जा सके, साथ ही कश्मीर की आम जनता को भी यह विश्वास दिलाया जा सके कि सरकार उनके साथ है। केंद्र सरकार के सामने दो प्रमुख चुनौतियां हैं-एक आतंकवाद का फन कुचलना और दूसरा-कश्मीर में पर्यटकों का विश्वास फिर से बहाल करना। इसके लिए सबसे पहले सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा को और सख्त करने की आवश्यकता है।

आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रोन सर्विलांस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर ट्रैकिंग के जरिए आतंकियों की हर गतिविधि पर नजर रखी जानी चाहिए। दूसरी ओर, कश्मीर के पर्यटन उद्योग को पुनर्जीवित करने के लिए सरकार को विशेष योजनाएं बनानी होंगी। पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को इतना मजबूत बनाया जाए कि सैलानी खुद को सुरक्षित महसूस करें। इसके अलावा स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़कर उन्हें आतंक के खिलाफ एक मोर्चा बनाया जा सकता है। अगर आम कश्मीरी युवा को यह महसूस हो जाए कि उसकी तरक्की भारत के साथ जुड़ी है, तो वह आतंकवाद का समर्थन कभी नहीं करेगा। सांप्रदायिक वैमनस्य फैलाने वाले बयानों और कार्यों से बचना भी उतना ही जरूरी है।

यदि इस घटना के बहाने हिंदू-मुस्लिम एकता को कमजोर किया गया, तो यह आतंकियों की सबसे बड़ी जीत होगी। हमें यह समझना होगा कि आतंक का कोई धर्म नहीं होता, उसका एक ही मकसद होता है नफरत फैलाना। ऐसे में एकजुटता ही उसका सबसे सशक्त जवाब है। मीडिया, सोशल मीडिया और राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस समय बेहद महत्वपूर्ण है। अफवाहों और उकसावे वाले बयानों से बचना और सच्चाई को सामने लाना समय की जरूरत है। सरकार को चाहिए कि वह इस हमले की जांच कर सटीक तथ्य सामने लाए और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाए। इस घटना ने देशवासियों के मन में फिर से यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हम सुरक्षित हैं? इस समय भाषणों से नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई से जवाब देने की जरूरत है। यह केवल एक आतंकी हमला नहीं था, यह भारत की आत्मा पर हमला था और इसका जवाब एकजुटता, सतर्कता और निर्णायक कार्रवाई से ही दिया जा सकता है। जन्नत-ए-कश्मीर में फिर विश्वास हो सकती है, लेकिन नफरत से नहीं, बल्कि राष्ट्रप्रेम, विकास और सुरक्षा से। ■

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

क्रिकेट के भगवान

सचिन तेंदुलकर क्रिकेट इतिहास में विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल एक भारतीय क्रिकेटर हैं। वे बल्लेबाजी में कई कीर्तिमान स्थापित कर चुके हैं। सचिन ने टेस्ट व एकदिवसीय क्रिकेट, दोनों में सर्वाधिक शतक अर्जित किए हैं। इसके साथ टेस्ट क्रिकेट में 15,000 से अधिक रन बनाने वाले वे विश्व के एकमात्र खिलाड़ी हैं। सचिन तेंदुलकर को 16 नवंबर 2013 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहते ही भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न के लिए भी चुन लिया गया। वह इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चुने जाने वाले पहले खिलाड़ी हैं। सचिन विश्व के एकमात्र खिलाड़ी हैं जिसने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाए हैं। सचिन राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित पहले क्रिकेट खिलाड़ी हैं। वे सन् 2008 में पद्म विभूषण से भी पुरस्कृत किए जा चुके हैं। वे क्रिकेट जगत के सर्वाधिक प्रायोजित खिलाड़ी हैं और विश्वभर में उनके अनेक प्रशंसक हैं। उनके प्रशंसक उन्हें प्यार से लिटिल मास्टर व मास्टर ब्लास्टर कह कर बुलाते हैं। 40 वर्ष की आयु में इस सम्मान को प्राप्त करने वाले वे सबसे कम उम्र के व्यक्ति और सर्वप्रथम खिलाड़ी हैं। गौरतलब है कि इससे पहले यह सम्मान खेल के क्षेत्र में नहीं दिया जाता था। सचिन को यह सम्मान देने के लिए पहले नियमों में बदलाव किया गया था। 1997-98 में राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित पहले क्रिकेट खिलाड़ी हैं। सन् 2008 में पद्म विभूषण से भी सम्मानित किए जा चुके हैं। 1994 में अर्जुन पुरस्कार के सम्मान से भारत सरकार द्वारा सम्मानित हैं। 1999 में पद्म श्री, भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से भी पुरस्कृत हैं। 2001 में महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार, महाराष्ट्र राज्य के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार। ■

सचिन तेंदुलकर
जन्म : 24 अप्रैल, 1973

कविता

वक्त बदलता क्यों नहीं

वीना वर्धन

यह वक्त बदलता क्यों नहीं,
मेरे हिसाब से चलता क्यों नहीं।
हजारों शिकवे गिले लेकर चले,
किसी से शिकायत करता क्यों नहीं।
ढल गई सांझ, अब
तू ढलता क्यों नहीं।
हजारों बार जलाया रावण,
बुराई का पिटारा जलता क्यों नहीं।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

खून-खराबे के बीच पर्यटकों की मौत का जिम्मेदार कौन?

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए इस हमले की घटना पर जितना भी दुख जताया जाए, वह कम है। इस हमले ने देश के सभी लोगों के दिलों पर दुखों का एक गहरा भाव प्रकट किया है।

इस हमले में मारे गए निर्दोष लोगों का क्या कसूर था? इस दुख को जितना कम करने की कोशिश कर रहे हैं यह उतना ही बढ़ता जा रहा है और बदले की भावना को उत्तेजित कर रहा है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 28 पर्यटकों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है। इस हमले में नवविवाहित दुल्हनों का सुहाग का चूड़ा भी नहीं उतरा था कि आतंकियों ने उनको मौत के घाट उतार दिया, विधवा बना दिया। शादी के बाद अपने अरमानों को लेकर कश्मीर घाटी में हनीमून मनाने पहुंचे पर्यटकों को क्या मालूम था कि अब वे घर नहीं पहुंच पाएंगे और इस घाटी में ही अंतिम सांस लेंगे। बहुत ही निंदनीय और जघन्य अपराध हुआ है जो आतंकियों ने मजहब पूछ-पूछ कर गोली मारी है। भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है फिर भी यहां पर हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। सेना इस घटना में आंतकियों की घेराबंदी करने में लगी है। संबंधित इलाके को चारों तरफ से घेरकर सेना सघन जांच अभियान चला रही है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के बैसरन घाटी में सेना आंतकियों के खिलाफ अपना ऑपरेशन चला रही है। ये वही आतंकी हैं जिन्होंने मंगलवार की शाम यहां आए पर्यटकों पर हमला किया। इस हमले में अभी तक 28 पर्यटकों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सूचना मिलने के तुरंत बाद ही हालात का जायजा लेने दिल्ली से कश्मीर पहुंचे और वापस दिल्ली लौटे।

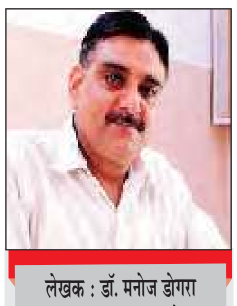

लेखक : डॉ. मनोज डोगरा
प्राध्यापक, बड़सर कॉलेज

इस आतंकी हमले में अभी तक 20 से ज्यादा लोगों के घायल होने की सूचना है। घाटी में इस तरह का यह कोई पहला मामला नहीं है। बीते डेढ़ दशक यानी 15 वर्षों की बात करें, तो आतंकियों की ओर से किया गया इस तरह का यह 11वां बड़ा हमला है, जिनमें अभी तक 227 लोगों ने अपनी जान गंवाई है।

आतंकी ने पति को सिर में मारी गोली : कर्नाटक के शिवमोगा जिले के निवासी मंजूनाथ राव (47) अपने परिवार-पत्नी पल्लवी राव और बेटे अभिजय (18) के साथ छुट्टियां मनाने के लिए पहलगाम पहुंचे थे। 'मिनी स्विट्जरलैंड' कहे जाने वाले इस क्षेत्र में उनका सैर-सपाटा खूनी मंजर में तब्दील हो गया। पल्लवी ने हमले के बाद एक रिश्तेदार को फोन पर बताया कि शुरुआत में उन्हें लगा कि यह सेना का कोई अभ्यास है, लेकिन कुछ ही देर में सब कुछ बदल गया। जैसे ही वे बस से उतरकर घास के मैदान की ओर बढ़े, एक आम कपड़ों में आतंकी ने उनके पति को सिर में गोली मार दी।

मैं तुम्हें नहीं मारूंगा, जाकर मोदी से बोल दो' : पल्लवी ने आतंकवादी से जब यह कहा कि तुमने मेरे पति को मार डाला, अब मुझे भी मार दो, तो उसने जवाब दिया, मैं तुम्हें नहीं मारूंगा, जाकर मोदी से बोल दो। यह संवाद न केवल हमले की निर्ममता को उजागर करता है, बल्कि आतंकियों की सोच और उनके इरादों को भी सामने लाता है। जम्मू-कश्मीर में 2000 के बाद कई आंतकी हमले हुए।

अनंतनाग जिले में अल्पसंख्यक सिखों पर हुआ हमला : यह आतंकी हमला 21 मार्च 2000 की रात को अनंतनाग जिले के छत्तीसिंहपोरा गांव में किया गया था। इस हमले में आतंकियों ने अल्पसंख्यक सिख समुदाय को निशाना बनाया गया था। इस आतंकी हमले में कुल 36 लोगों की जान गई थी, जबकि कई लोग घायल भी बताए गए थे।

पहलगाम के नुनवास बेस पर आतंकी हमला : इसी साल यानी 2000 के अगस्त महीने में पहलगाम के नुनवान बेस कैंप पर हुए आतंकी हमले में अमरनाथ तीर्थ यात्रियों को निशाना बनाया गया। इस हमले में स्थानीय लोगों के साथ-साथ कुल 32 तीर्थ यात्रियों की हत्या की गई थी।

अमरनाथ यात्रियों पर फिर हुआ हमला : जुलाई 2001 में भी अमरनाथ यात्रियों को आतंकियों ने निशाना बनाया। हमले में आतंकियों ने 13 लोगों की हत्या की थी। यह हमला अनंतनाग के शेषनाग बेस कैंप पर हुआ था।

विधानमंडल परिसर पर हुआ था फिदायीन हमला : जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में राज्य विधानमंडल परिसर पर आत्मघाती आतंकी हमला हुआ था। इस हमले में उस दौरान 36 लोग मारे गए थे, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

चंदनवाड़ी कैंप में हमला : 2002 में कश्मीर के चंदनवाड़ी बेस कैंप पर आतंकी हमला हुआ। इस हमले में 11 अमरनाथ यात्री मारे गए थे।

दक्षिण कश्मीर में हुआ था बड़ा हमला : यह हमला 23 नवंबर 2002 को जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाइवे पर हुआ था। सऊदी अरब के दौरे के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर दुख जताया। पीएम मोदी ने कहा कि इस हमले में जो भी शामिल हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि आतंकियों का नापाक मकसद कभी सफल नहीं होगा। मोदी सऊदी अरब का दौरा बीच में छोड़क स्वदेश लौट आए हैं। मोदी का आतंकी हमले के प्रति चिंतित होना वाजिब है, क्योंकि आतंकियों ने कश्मीर की पूरी घाटी के शांत वातावरण को दूषित कर दिया है। अब समय आ गया है कि इस कायराना हमले के जिम्मेदारों को बेनकाब किया जाए और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए। बहरहाल, पहलगाम हमले से सबक लेकर अब पूरे देश को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होना पड़ेगा और कड़े स्वर में इसकी निंदा करनी पड़ेगी, क्योंकि इस हमले में कई पर्यटक हताहत हुए हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति दें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नजरिया

पहलगाम हमला : इंसानियत पर एक और वार

जब जिंदगी की भाग दौड़ में कुछ पल फुर्सत के मिल जाएं, तो दिल किसी ऐसी जगह को तलाशता है जहां वक्त ठहर जाए, सांसें हल्की हो जाएं और नजारे दिल में उतर जाएं। बर्फ से ढकी चोटियां, हरे भरे मैदान, झीलों में झिलमिलाती धूप और हवा में बसती एक मोहब्बत की खुशबू। ऐसे ही 22 अप्रैल 2025 के दिन हरे भरे मैदान, बर्फीली चोटियां, देवदार के झुंड और बीचोंबीच खिलखिलाते बच्चे, हंसते पर्यटकों ने ऐसे भयावह मंजर की कभी कल्पना भी नहीं की होगी कि उनके सामने ही उनके अपने प्रियजनों को इस तरह से मौत के घाट उतार दिया जाएगा।

लेखिका : वसुंधरा धर्माणी
घुमारवीं, बिलासपुर

आंखों में आंसू, खून से सनी जमीन, लहू से लथपथ हुए कपड़े, हाथों में मेहंदी और नया चूड़ा,,, ये हृदय विदारक दृश्य आज हर भारतवासी के हृदय को छलनी कर रहे हैं। ऐसा लग रहा है मानो गोलियां वहां चली थी, लेकिन हर हिंदुस्तानी का हृदय उन गोलियों से छलनी हो गया हो। 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर की सुरम्य वादियों में बसे पहलगाम की बैसरन घाटी, जहां लोग शांति और सौंदर्य की तलाश में आते हैं, आतंक की नफरत से लहूलुहान हो गई। इस अमानवीय कृत्य ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि आतंकवाद केवल इंसानियत का दुश्मन है। इस हमले में केवल गोलियां ही नहीं चली, बल्कि उन मूल्यों को भी छलनी कर दिया गया जिन पर मानवता की बुनियाद टिकी होती है। हमलावरों ने लोगों के नाम पूछे, 'कलमा' पढ़वाया और जो ऐसा नहीं कर सके उन्हें मार डाला।

यह नफरत की चरम पराकाष्ठा है- जहां इंसान को उसकी पहचान के आधार पर जिंदा रहने या मरने का हक दिया जाता है। यह हमला न केवल कश्मीर की शांति को चुनौती है, बल्कि पूरे भारत की आत्मा पर चोट है। जब निर्दोष लोग केवल इसीलिए मारे जाते हैं, क्योंकि वे किसी तीर्थ यात्रा पर हैं या किसी पहाड़ी पर कुछ पल सुकून के बिताने आए हैं तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है, कि क्या हम ऐसे समाज में जी रहे हैं जहां इंसानियत की कोई कीमत ही नहीं बची? उन मासूम पर्यटकों का इसमें क्या दोष था, जिन्हें नाम और धर्म पूछ कर गोलियों से भून दिया गया। 22 अप्रैल 2025 एक तारीख, जो अब इतिहास नहीं एक जख्म बन चुकी है। पहलगाम की वादियां, जिन्हें लोग 'धरती का स्वर्ग' कहते हैं, इस दिन नरक बन गई जब 26 निर्दोष जाने सिर्फ इसलिए खत्म कर दी गईं ,क्योंकि वे एक पर्यटक थे , या बस 'दूसरे' धर्म के थे।

सवाल यह नहीं है कि हमलावर कौन थे? उनका मजहब क्या था? सवाल यह है कि हम कब तक चुप रहेंगे? कब तक एक वर्ग, एक धर्म क्या एक इलाके के नाम पर इंसानियत का खून होता रहेगा? कब तक आतंक नफरत बोएगा और हम आंख मूंदे रहेंगे? यह हमला सिर्फ पहलगाम पर ही नहीं था। यह हमला हमारी चेतना पर था, हमारे संविधान पर था।

हमारी सहिष्णुता, हमारी विविधता और हमारी एकता पर था। पहलगाम हमला कोई पहला हमला नहीं है इससे पहले भी कितने ही हमले मासूमों पर हुए हैं। 2016 में उरी हमले के बाद भारत की सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 में पुलवामा अटैक के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक ने सिद्ध कर दिया है कि अब भारत दुश्मनों के दांत खट्टे करने वाला देश बन गया है। पहलगाम हमले का उत्तर भी इसी प्रकार दिया जाएगा। पहलगाम हमला जिहादी मानसिकता की उपज है जो आतंकवादियों का पोषक है। पहलगाम हमला एक बार फिर हमें यह सोचने पर मजबूर करता है, कि आतंकवाद अब सीमाओं, धर्म या इलाकों का मोहताज नहीं रहा, बल्कि यह हमारी इंसानियत को ललकारने वाला एक वैश्विक खतरा बन गया है। एक ऐसी वादी जो प्रकृति की सुंदरता और धार्मिक आस्था का प्रतीक थी, आज वहां मातम और खून की दास्तान लिख दी गई, लेकिन इस हमले से उपजी पीड़ा और गुस्सा हमें तोड़ने की बजाय जोड़ने का काम कर सकती है यदि हम समझें कि असली लड़ाई किसी धर्म किसी क्षेत्र या किसी समुदाय से नहीं, बल्कि नफरत फैलाने वाली सोच से है।

हमें मिलकर आतंकवाद के विरुद्ध आवाज उठानी होगी-शिक्षा, संवाद सहिष्णुता और एकजुटता के माध्यम से। जब तक हम मौन रहेंगे, आतंक अपनी जुबान में बोलेगा और जब हम बोलेंगे एक साथ, एक स्वर में तो नफरत की हर आवाज दब जाएगी। हमें एकजुट होकर जातियों, धर्म और मतभेदों से ऊपर उठकर आतंकवाद के विरुद्ध खड़े होकर उसका सामना करना चाहिए।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

अपनी बात

अभिभावक अपने असल सपने बच्चों से पूर्ण करवाना चाहते हैं। भारतीय समाज में बाकी सबके बच्चों से ज्यादा लाइक अपना बच्चा होना चाहिए, ऐसी जिद करते हैं और ऐसा करने के पीछे बेहिसाब पैसा खर्च करते हैं, परंतु अपने बच्चों की क्षमता और उसकी रुचि की तरफ ध्यान ही नहीं देते। सख्ती पहले भी होती थी, परंतु वह व्यवहार को नियंत्रित करने का प्रयास रहता था। शिक्षा के लिए सख्ती कम रहती थी। इनसान बेहतर हो, व्यवहार बेहतर हो, मूल्यों के लिए सख्ती अपनी सीमाएं लांघ जाती थी। यह बच्चों को शारीरिक दंड के रूप में प्रचलित थी। अपशब्दों के प्रयोग के रूप में भी अपनाई गई थी। बच्चों में तनाव का एक निश्चित स्तर सामान्य है। स्कूल बदलने और नए दोस्तों से मिलने जैसी घटनाओं से सकारात्मक तनाव प्रतिक्रियाएं वास्तव में बच्चों को सीखने और बढ़ने में मदद कर सकती हैं।

रवि कुमार, शाहपुर

विद्यालय नहीं, बदलाव की प्रयोगशाला-सिंगापुर की शिक्षा से मिली दृष्टि

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की नींव होती है। यदि नींव ठोस हो, तो उस पर खड़ा समाज भी मजबूत, विवेकशील और उत्तरदायी बनता है। आज जब भारत तेजी से विकसित हो रहा है, तब शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक मानकों को समझना और उनसे सीखना अत्यंत आवश्यक हो गया है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत सिंगापुर की शिक्षा प्रणाली का अध्ययन करने का अवसर प्राप्त होना मेरे लिए अत्यंत गौरव और सीख का विषय रहा।

लेखक : रजनीश रांगड़ा
प्रधानाचार्य, टौणी देवी

इस दौरे के दौरान मुझे न केवल वहां के दो प्रमुख विद्यालयों एवरग्रीन सेकेंडरी स्कूल और सेंट एंड्रयूज सेकेंडरी स्कूल का भ्रमण करने का अवसर मिला, बल्कि प्रिंसिपल्स अकादमी, सिंगापुर द्वारा आयोजित दो दिवसीय गहन प्रशिक्षण में भाग लेने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ। सिंगापुर, एक छोटा सा द्वीपीय राष्ट्र है, जिसने 1965 में स्वतंत्रता प्राप्त की और केवल कुछ दशकों में शिक्षा, तकनीक और मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में जो स्थान प्राप्त किया है, वह अनुकरणीय है। जहां दुनिया के कई देश शिक्षा व्यवस्था में संघर्ष कर रहे हैं, वहीं सिंगापुर ने शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का प्राथमिक साधन माना है। वहां की शिक्षा नीति 'थिंकिंग स्कूल्स,लर्निंग नेशन(सोच-विचार वाले स्कूल, सीखता हुआ राष्ट्र)' केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक क्रियाशील दर्शन है जिसे हर स्तर पर साकार किया गया है। सिंगापुर की शिक्षा प्रणाली विश्व की सबसे प्रभावशाली और सुव्यवस्थित प्रणालियों में मानी जाती है। यह विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित है, जिसमें शिक्षा के साथ नैतिकता, सामाजिक जिम्मेदारी और नवाचार को भी महत्त्व दिया गया है। स्कूली शिक्षा तीन चरणों में होती है—प्राथमिक (कक्षा 1-6), माध्यमिक (कक्षा 7-10/11), और पूर्व-विश्वविद्यालय (कक्षा 11-12)। छात्रों को पीएसएलई परीक्षा के आधार पर विभिन्न शैक्षणिक धाराओं में विभाजित किया जाता है। जिसका पूर्ण रूप प्राइमरी स्कूल लीविंग एग्जामिनेशन है ।

यह सिंगापुर में एक राष्ट्रीय परीक्षा है जो विद्यार्थियों द्वारा उनकी प्राथमिक स्कूली शिक्षा के अंत में ली जाती है। पीएसएलई स्कोर माध्यमिक विद्यालय के पाठ्यक्रमों में उनके स्थान का निर्धारण करता है। मूल्यांकन प्रणाली में निरंतर और समापन मूल्यांकन दोनों शामिल हैं। स्कूल-आधारित मूल्यांकन प्रणाली में शिक्षकों द्वारा रचनात्मक प्रतिक्रिया दी जाती है। शिक्षण में पूछताछ आधारित और परियोजना-आधारित शिक्षा जैसी विधियों को अपनाया गया है जो छात्रों की सोचने, विश्लेषण करने और समाधान खोजने की क्षमता को विकसित करती हैं।

शिक्षा मंत्रालय द्वारा पूरे तंत्र की नियमित निगरानी और सुधार किया जाता है। यह प्रणाली वैश्विक स्तर पर एक आदर्श मानी जाती है। इस शिक्षा यात्रा का पहला पहलू जिसने गहराई से प्रभावित किया, वह था स्कूलों में उपलब्ध संसाधनों और आधारभूत ढांचे की समृद्धता। हर विद्यालय में विशाल, हरे-भरे और साफ-सुथरे खेल मैदान हैं। प्रत्येक छात्र के लिए लैपटॉप या टैबलेट की सुविधा उपलब्ध है। विद्यालयों में उच्च गुणवत्ता वाले ऑडिटोरियम, इनडोर गेम्स हॉल, डिजिटल लाइब्रेरी, और अत्याधुनिक क्लासरूम्स हैं।

टॉयलेट्स की सफाई और संरचना इतनी सुव्यवस्थित है कि छात्रों को स्वच्छता के प्रति स्वत: ही आदत बन जाती है। सीडब्लूएसएन (विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों) के लिए अलग कमरे, लिफ्ट, रैंप और सहायक उपकरण उपलब्ध हैं जो समावेशी शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह देखकर अत्यंत प्रशंसनीय लगा कि जहां किसी विद्यालय में 100 शिक्षकों की आवश्यकता होती है, वहां 110 शिक्षकों की नियुक्ति की जाती है, ताकि किसी भी परिस्थिति में यदि कोई पद रिक्त हो, तो शिक्षण कार्य में कोई व्यवधान न आए। विद्यालयों के भवनों के रख-रखाव और आधुनिकता को बनाए रखने के लिए प्रत्येक वर्ष पृथक बजट आवंटित किया जाता है, जिससे विद्यालय लगातार विद्यार्थियों के लिए प्रेरक और उन्नत वातावरण बनाए रखते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान ली लाई योग द्वारा 'कक्षा में शिक्षण और सीखने पर प्रभाव' विषय पर चर्चा करते हुए यह बताया गया कि शिक्षण केवल पाठ्यक्रम पूरा करने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि एक ऐसी क्रिया है जो विद्यार्थियों में जिज्ञासा, विश्लेषण क्षमता और आत्मप्रेरणा उत्पन्न करती है। अब समय आ गया है कि हम भी अपने सरकारी विद्यालयों को केवल नाममात्र की संस्थाएं न मानें, बल्कि उन्हें सशक्त बनाकर हर वर्ग के बच्चों के लिए आकर्षक, उन्नत और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के केंद्र बनाएं। हमें अपने शिक्षकों को केवल सामग्री पढ़ाने वाला न मानकर, राष्ट्र निर्माण का सशक्त स्तंभ समझना होगा और उनके सतत विकास के लिए सिंगापुर जैसे उदाहरणों से प्रेरणा लेनी होगी। यदि हम यह सुनिश्चित कर पाएं कि हर विद्यालय में प्रशिक्षित शिक्षक हों, पर्याप्त संसाधन हों, समावेशी और प्रेरणादायक वातावरण हो और शिक्षा केवल अंकों तक सीमित न रहकर जीवन निर्माण का माध्यम बने-तो निस्संदेह हम भी आने वाले वर्षों में शिक्षा की उस ऊंचाई को छू सकते हैं, जिसकी आज आवश्यकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पहलगाम की चीखें-जब धरती का स्वर्ग नरक में बदल गया

22 अप्रैल 2025, समय शाम का धुंधलका। कश्मीर घाटी की हवा में ठंडक थी, पर्यटकों की हंसी थी और पहाड़ों पर सूरज की आखिरी किरणें बिखरी थीं पर कुछ ही क्षणों में सब कुछ बदल गया। एक भयानक धमाका हुआ फिर गोलियों की बौछार और फिर चीखें...।

निहत्थे लोग, सैर करने आए सैलानी, परिवार के साथ वक्त बिताने आए वे लोग-एक-एक कर के जमीन पर गिरते गए। कुछ की जान गई, कुछ की दुनिया उजड़ गई। यह सिर्फ एक हमला नहीं था, बल्कि इंसानियत पर कायरता का नंगा नाच था।

लेखिका : राधिका सैनी,
तहसीलदार

कौन थे वो लोग जिन्हें मारा गया?

वे आम लोग थे जैसे आप, जैसे मैं। एक बच्चा था जो अभी खिलखिला कर अपने पिता से कह रहा था, 'पापा, ये पहाड़ कितने सुंदर हैं।' एक मां थी जो अपने बच्चों की तस्वीरें खींच रही थी।

एक नवविवाहित जोड़ा था, एक बुजुर्ग दंपती था और अचानक सब खत्म। उनके पास बंदूक नहीं थी, कोई राजनीति नहीं थी, कोई उकसावे की बात नहीं थी। उनके पास बस प्यार था, शांति थी और वह दोष कि वे भारत के नागरिक थे। जन्नत की वादियों को निहारने आए निर्दोषों का आखिर कसूर क्या था?

धर्म के नाम पर नरसंहार- किसे न्याय देगा इतिहास?

कहते हैं कि आतंकियों ने पहले नाम पूछा। फिर मजहब। फिर जान ली। क्या यही है धर्म? क्या यही है जन्नत का रास्ता? नहीं। यह कायरता है। यह मानवता का सबसे बड़ा अपराध है। यह उस मजहब की भी हत्या है जिसका नाम लेकर तुमने खून बहाया।

घाटी का खून, देश का घाव कश्मीर अब भी कराह रहा है, लेकिन आज सिर्फ कश्मीर नहीं रोया, बल्कि आज दिल्ली रोई, मुंबई रोई, चेन्नई और बेंगलुरु भी रोया। आज हर मां ने अपने बच्चे को सीने से लगाकर कहा, 'बेटा, तुम कभी कश्मीर मत जाना।' क्या यह वही भारत है जो हर कोने को अपना मानता है? अब मौन नहीं, अब समय है प्रतिशोध का-नीति से, नीयत से और नियम से। हमारे धैर्य को हमारी कमजोरी न समझा जाए। यह देश सहिष्णु है, लेकिन जब उसकी आत्मा पर प्रहार होता है, तो वह इतिहास बदल देता है। हमें आतंक के खिलाफ अपनी लड़ाई को कागजों से निकालकर जमीन पर लाना होगा। हमें यह तय करना होगा कि अगला बच्चा जो पहलगाम की वादियों में खिलखिलाए, उसे कोई आतंकी साया छू न सके। मेरे शब्द एक अधिकारी के हैं, लेकिन मेरा आक्रोश एक मां का है। मैंने अपने बेटे को सिखाया है कि सब धर्मों से प्यार करो। लेकिन आज मैं डरती हूं कि कोई आतंकवादी उसके मजहब का नाम पूछे, और फिर गोली चला दे। इससे पहले कि डर जीत जाए हमें उठना होगा। हमें एक नहीं, हजारों की आवाज बनना होगा। हमें सरकार, समाज और स्वयं को एकजुट करना होगा।

अंतिम नहीं यह संकल्प

शब्द कम पड़ जाते हैं जब कफन सफेद होता है और उम्र छोटी, लेकिन विश्वास रखिए आतंक का अंत होगा और वह अंत, हमारे संकल्प से होगा। उन नन्ही चीखों की कसम, जो गोलियों में गुम हो गईं। उन मांओं की आंखों की कसम, जिनके आंचल आज भीगे हुए हैं और इस तिरंगे की कसम हम आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे। भारत न कभी झुका है, न झुकेगा। कश्मीर फिर मुस्कराएगा।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक समरजीत, समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN01099
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

धर्मपुर में कंपनी के अवैध निर्माण कार्य की जांच शुरू

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

हिमाचल किसान सभा धर्मपुर ब्लाक कमेटी द्वारा पिछले दिनों 11 अप्रैल को एसडीएम को एनएच निर्माण कंपनी के खिलाफ शिकायत की थी और 13 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा था।

16 अप्रैल को पाड़छु में प्रदर्शन किया था और 20 अप्रैल को मौके पर जाकर अवैध डंपिंग, ब्लास्टिंग, खनन और अन्य अनियमितताओं के साक्ष्य जुटाए हैं।

अब एसडीएम स्वाति डोगरा ने कंपनी के खिलाफ जांच शुरू करवा दी है। तहसीलदार धर्मपुर रमेश भारद्वाज की अध्यक्षता वाली टीम ने पाड़छु पुल से लेकर

एनएच निर्माण कंपनी के खिलाफ की थी शिकायत

शिववाला तक खड्डु में की जा रही अवैध डंपिंग, पाड़छु से भेड़ी के लिए बने रास्ते को तोड़ने, भेड़ी, जोढन, सजयोड़ी, डुक्कल तक कि गई अवैध ब्लास्टिंग से हुए नुकसान का आकलन किया गया।

वहीं जोल, चली, रयोड, छेड़ और घड़याना गांवों के लिए पैदल रास्ते को अवरोध का आकलन किया गया। जांच टीम के साथ पूर्व जिला पार्षद भूपेंद्र सिंह किसान सभा अध्यक्ष रणताज राणा, देश राज पालसरा, अनिल कटवाल इत्यादि भी शामिल हुए।

लौंगनी में स्कूल के पास की अवैध डंपिंग

भूपेंद्र सिंह ने बताया कि कंपनी ने लौंगनी में स्कूल के पास की खड्ड में अवैध डंपिंग तथा ढेला रा नाल के पास लगे बीआरएन कंपनी के क्रशर के लिए बिना किसी विभागीय अनुमति के हर दिन दर्जनों बोल्डर पत्थर टिप्परों में तनेहड़ और बहरी के नालों से अवैध रूप में ढोये जा रहे हैं और सबसे ज्यादा हैरानी की बात तो ये है कि ये सब अवैध खनन विधायक के गांव के चारों तरफ हो रहा है, इसमें भी उनकी और उनके वर्करों की भागीदारी है ये सवाल आजकल हर व्यक्ति की जुबान पर है।

किसान सभा 28 को करेगी प्रदर्शन

भूपेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि बिना राजनीतिक सरंक्षण के कोई निर्माण कंपनी और ठेकेदार इतने व्यापक और खुले तौर पर अवैध खनन नहीं कर सकता है। इस बारे में न तो पुलिस और न ही माईनिंग विभाग कुछ कर रहा है और इस तरह से अवैध सामग्री व खनन को सरंक्षण प्रदान कर रहा है। वन भूमि पर हो रही अवैध डंपिंग के बारे में विभाग सोया हुआ है और अभी तक कोई कार्रवाई न होना उनकी भी इसमें भागीदारी की ओर इशारा करता है। हिमाचल किसान सभा ने कंपनी और स्थानीय प्रशासन के खिलाफ 28 अप्रैल को धर्मपुर में प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा कंपनी के खिलाफ एफआईआर और जनहीत याचिका दायर करने का निर्णय लिया है जिसमें कंपनी के साथ स्थानीय प्रशासन, एनएचएआई, वन, राजस्व व खनि विभाग को भी पार्टी बनाया जाएगा।

जोगिंद्रनगर बना तीसरा सबसे स्वच्छ शहर

अभिषेक, जोगिंद्रनगर

'स्वच्छ शहर समृद्ध शहर' सर्वेक्षण में हासिल की उपलब्धि

नगर परिषद जोगिंद्रनगर ने प्रदेशभर के 60 शहरी निकायों में 'स्वच्छ शहर समृद्ध शहर' सर्वेक्षण के तहत तीसरा स्थान हासिल कर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। यह गौरवपूर्ण स्थान समूचे जोगिंद्रनगर वासियों के लिए हर्ष और गर्व का विषय बना हुआ है।

नगर परिषद अध्यक्ष अजय धरवाल ने कहा कि यह सफलता नगर परिषद कर्मचारियों की मेहनत, योजना के प्रति प्रतिबद्धता और नगरवासियों के सहयोग से ही संभव हो पाई है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे आगे भी इसी तरह शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में सहयोग करते रहें।

धरवाल ने बताया कि स्वच्छता के प्रयासों के तहत हर माह घरों से गीला और सूखा कूड़ा एकत्र किया जा रहा है। इस कूड़े का निष्पादन सरकार द्वारा तय मापदंडों के अनुसार नगर के कूड़ा संयंत्र में किया जाता है। शहर की स्वच्छता पर हर महीने करीब पांच लाख खर्च किए जा रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

जोगिंद्रनगर की रैंकिंग आने वाले समय में होगी बेहतर

इस सर्वेक्षण में सुंदरनगर नगर परिषद ने पहला स्थान हासिल किया है, जबकि जुबल दूसरे और सोलन चौथे स्थान पर रहे। अजय धरवाल ने विश्वास जताया कि नगर परिषद और जनता के संयुक्त प्रयासों से जोगिंद्रनगर की रैंकिंग आने वाले समय में और बेहतर की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

25 अप्रैल को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी

अनंत ज्ञान, पधर। सहायक अभियंता पधर नितिन चंदेल ने बताया कि 33/11 केवी सब सब स्टेशन गवाली में जरूरी रखरखाव के दृष्टिगत 25 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से शाम 6 बजे तक 33 केवी टिक्कन (बरोट) व विद्युत उपमंडल पधर के अधीन आने वाले उपभोक्ताओं की बिजली बंद रहेगी। लोगों से सहयोग की अपील की है।

आधार अपडेट न होने से लोग हो रहे परेशान

अनंत ज्ञान, महादेव। आधार अपडेट करने सहित अन्य तमाम कार्य ठप्प होकर रह गया है। बीडीओ कार्यालय सुंदरनगर परिसर के एक कोने में स्थित कमरे में आधार संबंधी कार्य चलता है मगर अभी लगभग एक हफ्ते से सिस्टम के गड़बड़ाने से आधार का कार्य न होने से लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दूर-दूर के लोग आधार के कार्य से आते-जाते रहते हैं मगर उन्हें आधार के काम की पक्की डेट नहीं दी जाती इस तरह आधार से संबंधित तमाम तरह का काम लटक कर रह गया है।पता चला है कि साफ्टवेयर गड़बड़ा गया है, कब ठीक होगा कुछ कहा नहीं जा सकता। लोगों ने उपायुक्त मंडी से मांग की है कि ठप्प पड़े आधार संबंधी कार्य में तेजी लाने के लिए व्यापक सुधार को लेकर कारगर कदम उठाए जाएं।

जलरक्षक पद के लिए आवेदन आमंत्रित

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। अध्यक्ष चयन समिति एवं सहायक अभियन्ता जल शक्ति उपमंडल सुन्दरनगर दिनेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जल शक्ति उपमण्डल सुंदरनगर के अंतर्गत अनुभाग डैहर की पेयजल योजना चनोल तलेली ग्राम पंचायत नालग के रख-रखाव हेतू एक जलरक्षक की नियुक्ति प्रस्तावित है जिसके लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आवेदक का दसवीं पास होना और सम्बन्धित पंचायत का स्थाई निवासी होना अनिवार्य है। आईआरडीपी व अनुभवी आवेदक को वरीयता दी जाएगी। सभी आवेदक अपना प्रार्थना पत्र सत्यापित दस्तावेजों सहित किसी भी कार्य दिवस में 25 अप्रैल को शाम 5 बजे तक सहायक अभियन्ता जल शक्ति उपमंडल सुन्दरनगर के कार्यालय में जमा करवा सकतें हैं। दस्तावेजों का निरीक्षण 2 मई को किया जाएगा। आवेदक अपना प्रार्थना पत्र आवश्यक प्रमाणपत्रों सहित प्रधान ग्राम पंचायत नालग के माध्यम से भी सहायक अभियंता जल शक्ति उपमंडल सुंदरनगर के कार्यालय में उपरोक्त दिनांक तक जमा करवा सकते हैं।

बाल विवाह के खिलाफ किया जाएगा जागरूक

अनंत ज्ञान, गोहर। बाल विवाह रोकने व बाल विवाह निरोधक अधिनियम 2006 के प्रति जागरूक करने को लेकर एसडीएम गोहर लक्ष्मण कनेट की अध्यक्षता में उपमंडल स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। एसडीएम ने बैठक में बाल विवाह निषेध अधिनियम पर कहा कि बाल विवाह होने की सूरत में संबंधित अभिभावकों, मैरिज हॉल, पंडित, मौलवी, अभिभावक रिश्तेदार, पड़ोसी, बैंडवाले, टेंट वाले , डीजे और कैटरर्स भी अपराधियों की श्रेणी में आते हैं और उनको भी कड़ी सजा और जुर्माने का प्रावधान है। बाल विवाह करवाने या बढ़ावा देने में सहायक व्यक्तियों को 2 साल तक की सजा और एक लाख तक का जुर्माना या दोनों हो सकता है।

हाड़ाबोई में लोगों को दी पोषण पर जानकारी

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। महिला एवं बाल विकास विभाग सुंदरनगर के वृत्त हाड़ाबोई में आंगनबाड़ी केंद्र चलोग में पोषण फखवाड़ा दिवस बनाया गया, जिसमें वृत हाड़ाबोई के पर्यवेक्षक संजय कुमार ने पोषण के बारे में लोगों को जानकारी दी और कहा कि हमने कुपोषण मुक्त प्रदेश को बनाना है और साथ में सभी योजनाओं से मिलने वाले लाभ के बारे में बताया। पर्यवेक्षक के साथ ग्राम पंचायत बोई के वार्ड सदस्यों और वहां पर आए हुए सभी लोगों तथा सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने यह शपथ कि हम प्रदेश को कुपोषण मुक्त बनाएंगे। अंत में चलोग आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्ता मीरा ने सभी लोगों का धन्यवाद किया तथा सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने लोगों के लिए मांड्याली धाम का आयोजन भी किया गया।

आपदा से निपटने के लिए वॉलंटियर तैयार : एसडीएम

अनंत ज्ञान, गोहर। किसी भी प्रकार की प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए 21 अप्रैल से 23 अप्रैल तक टास्क फोर्स स्वयंसेवक (वॉलंटियर) कार्यशाला का आयोजन एसडीएम कार्यालय परिसर में एसडीएम गोहर लक्ष्मण कनेट की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में एसडीएम ने पंचायतों से उपस्थित सभी वॉलंटियर को प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए इस प्रशिक्षण व जागरूक विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला के दौरान अग्निशमन विभाग द्वारा वालंटियर को राहत कार्यों के दौरान प्रयोग होने वाले उपकरणों की भी विस्तृत जानकारी दी गई। रसोई गैस सिलेंडर से लीक गैस को बंद करवाना तथा आग बुझाने वाले यंत्रों को प्रयोग करने के विधि भी बताई गई। इस तीन दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण व जागरूकता के दूसरे दिन वालंटियर को स्वास्थ्य विभाग व होमगार्ड द्वारा आपदा के दौरान उनके विभाग से संबंधित कार्यों से अवगत करवाया गया। कार्यक्रम में अग्निशमन अधिकारी दीवान चंद ,कानूनगो कृष्ण ठाकुर, अग्निशमन विभाग से फायरमैन चमन लाल, फायरमैन राजीव , फायरमैन जय पाल उपस्थित रहे।

दो लोगों पर मारपीट करने पर प्राथमिकी दर्ज

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। थाना बीएसएल कालोनी में मारपीट को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई है। जानकारी के अनुसार दयाल सिंह पुत्र परस राम निवासी लोअर बैहली तहसील सुंदरनगर ने कहा है कि वह शाम को अपने घर के आंगन में गैस चूल्हा उठा कर स्टोर रूम में रखने जा रहा था तो दो व्यक्ति वहां पर आए और उसे खींच लिया और लात-घूसों से पीटा और नीचे फेंक दिया और जान से मारने की धमकी दी।

सरकाघाट से पपलोग सड़क की दुर्दशा सुधारने को लेकर मंत्री से लगाई गुहार

खस्ताहाल सड़क कर रही बेहाल

रितेश चौहान, सरकाघाट

सरकाघाट-पपलोग सड़क की बदहाली और दुर्दशा को लेकर आधा दर्जन पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह को ज्ञापन भेज कर सड़क की दशा सुधारने की मांग की है ।

ग्राम पंचायत पपलोग के उपप्रधान शिवकुमार सकलानी ने बताया कि मंत्री को भेजे ज्ञापन में कहा है कि अगस्त 2023 को बरसात में सरकाघाट से पपलोग सड़क बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी जिसमें की सरकाघाट बाजार से 300 मीटर तक इंटरलॉक टाइल डाली हुई है इसे भी बहुत ज्यादा नुक्सान हुआ है और सड़क के किनारे की नालियां भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, जिस कारण आम जनता की गाड़ियों को काफी नुकसान झेलना पड़ रहा है।

सड़क में 6 स्थान ऐसे हैं जहां सड़क के किनारे और डंगे तक टूट चुके है जिससे बड़ी दुर्घटना घट सकती है। यह सड़क क्षेत्र की 5 पंचायतों को और धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र को जोडने के लिए एक वैकप्लिक मार्ग है, लेकिन पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों द्वारा भी इस सड़क कि मरम्मत और प्रोटक्शन वॉल के लिए कदम नहीं उठाया है। (अनंत ज्ञान)

सड़क कहीं से धंसी तो कहीं गिरे डंगे

5 पंचायतों की लाइफ लाइन है यह सड़क

कई पंचायतों को जोड़ती है ये सड़क

इस सड़क मार्ग पर खंड विकास अधिकारी कार्यालय बचत भवन दो वरिष्ठ माध्यमिक पाठशालाएं दो प्राइवेट स्कूल प्रदेश का इकलौता ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सत्संग भवन निरंकारी भवन सहित अन्य आधा दर्जन पंचायतों को यह सड़क जोड़ती है।

दो साल से बजट का रोना रोता है विभाग

पपलोग पंचायत के उप प्रधान शिव कुमार सकलानी पंचायत समिति सदस्य बसंतपुर विजय कुमार चोलथरा पंचायत प्रधान मेंहर चंद उपप्रधान विजय बनयाल विभाग सधोट पंचायत उप प्रधान कुलदीप ठाकुर द्वारा हस्ताक्षरित इस ज्ञापन में कहा की लंबे समय से इस सड़क की अनदेखी की जा रही है, क्योंकि यह सड़क धर्मपुर विधानसभा और सरकाघाट विधानसभा कि सीमा से लगती रही है और आजकल विभाग द्वारा समसाई सड़क का निर्माण भी किया जा रहा है जिस करण ठेकेदारों के बड़े हाईवे गाड़ियों में निर्माण सामग्री लेकर जा रहे हैं ऐसे में सड़क धंस चुकी है और जितनी बार भी पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के पास जाते है वह बजट का ही रोना रोया जाता है।

हाईवे निर्माण के चलते बना है एकमात्र वैकल्पिक मार्ग

गौरतलब है कि सरकाघाट से लेकर धर्मपुर तक नेशनल हाईवे के निर्माण का कार्य चल रहा है। हाईवे की हालत दयनीय स्थिति में है जिसके कारण हजारों छोटे बड़े वाहनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अधिकतर वाहन इसी वैकल्पिक पपलोग सड़क मार्ग से धर्मपुर जोगिंद्रनगर और सरकाघाट होकर गुजरते हैं। इन हजारों लोगों के लिए यह सड़क लाइफ लाइन बनी हुई है परंतु अतिक्रमण के कारण लगने वाले जाम से कई घंटों तक ट्रैफिक जाम का सामना करने को मजबूर होना पड़ता है।

ठेकेदार को जारी किया है नोटिस : एसडीओ

लोक निर्माण विभाग सरकाघाट के सहायक अभियंता संतोष पाठक ने कहा कि सड़क की दशा सुधारने को लेकर टेंडर हो चुके हैं ठेकेदार काम नहीं कर रहा है उसे अंतिम नोटिस जारी कर दिया है बाकी डगों को लेकर वह खुद सड़क का दौरा करेंगे।

आतंकी हमले के विरोध में व्यापार मंडल ने किया प्रदर्शन

जोगिंद्रनगर व्यापार मंडल के सदस्य विरोध-प्रदर्शन करते हुए।

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

कश्मीर घाटी में हाल ही में हुए आतंकी हमले के विरोध में मंगलवार को जोगिंद्रनगर व्यापार मंडल ने शहर में जोरदार रोष प्रदर्शन किया। रोटरी चौक से एसडीएम कार्यालय तक निकाले गए इस जुलूस में सैकड़ों व्यापारियों ने भाग लिया और 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारे लगाए।

प्रदर्शनकारियों ने इस कायराना हमले की कड़ी निंदा करते हुए मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन रखकर उनके प्रति संवेदना प्रकट की। व्यापार मंडल ने आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की मांग करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को संबोधित एक ज्ञापन स्थानीय एसडीएम के माध्यम से सौंपा। ज्ञापन में केंद्र सरकार से कश्मीर में शांति बहाल करने और आतंकी घटनाओं पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की गई है।

व्यापार मंडल अध्यक्ष भास्कर गुप्ता ने कहा कि देश की अखंडता और सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा और अब आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कदम उठाने का समय आ गया है। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

इस अवसर पर व्यापार मंडल के महा सचिव सतवीर, सचिव राजीव बहल, कोषाध्यक्ष पंकज सूद, वरिष्ठ रोटेरियन अजय ठाकुर, दीपक चौहान, दामोदर सिंह, जोगिंद्र पांडे, अमित शर्मा, समीर शर्मा, पुनित सूद, अजय धरवाल, गुरुशरण, सचिन सूद, शशि धरवाल और रमन बहल सहित अन्य व्यापारी उपस्थित रहे।

आज 11 बजे तक बंद रहेगा मंडी बाजार

अनंत ज्ञान, मंडी । स्थानीय व्यापार मंडल द्वारा पहलगाम में हुए गोलीकांड की घोर निंदा की गई है। प्रधान राजेश महिंद्रू ने कहा कि आम नागरिकों को जिस प्रकार से आतंकियों ने निशाना बनाया और धर्म पूछ कर उनकी हत्या की इसके लिए राज्य और केंद्र सरकार से अनुरोध है कि इस मामले में कोई कड़ा कदम उठाया जाए ताकि भविष्य में फिर कभी ऐसी घटना न हो। उन्होंने कहा कि इस घटना के विरोध में एवं गोली कांड में शहीद नागरिकों को श्रद्धांजलि स्वरूप 24 अप्रैल को मंडी बाजार सुबह 11 बजे तक बंद रहेगा।

दिव्यांगों के स्वरोजगार व बैठक के लिए तुरंत मिले भवन : हेमलता

अनंत ज्ञान, मंडी

हिमालय दिव्यांग कल्याण संस्था की बैठक प्रधान हेमलता पठानिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में प्रशासन को चेताया गया कि दिव्यांगों के स्वरोजगार व बैठक के लिए भवन की व्यवस्था नहीं हो पाई है पार्षद सुमन ठाकुर ने आश्वासन दिया था लेकिन दो सप्ताह बीत जाने पर भी कुछ भी नहीं हुआ है।

इस पर प्रस्ताव पारित कर प्रशासन को चेतावनी दी गई कि 15 दिन में यदि उनकी इस समस्या का हल नहीं होता तो दिव्यांग धरना प्रदर्शन पर उतर आएंगे। यह जानकारी सचिव भारती राणा ने दी। बैठक में पारित किए गए प्रस्तावों में सरकार व प्रशासन से मांग की है कि जिस भी परिवार में चिकित्सीय प्रमाण पत्र धारक दिव्यांग हैं उस परिवार को बीपीएल श्रेणी में चयन के लिए प्राथमिकता दी जाए। दूसरे प्रस्ताव में उपायुक्त से मांग की गई है कि राजकीय प्राथमिक पाठशाला सैण का भवन दिव्यांगों की बैठक व स्वरोजगार के कार्यों के लिए दिया जाना तय हुआ था वह बात अभी तक सिरे नहीं चढ़ी है।

टेंडर प्रक्रिया को पंचायतों को देना सराहनीय : गोबिंद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

पंचायतीराज महासंघ बल्ह मंडी के उपाध्यक्ष व बडसू पंचायत प्रधान गोबिंद राम वर्धन ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू ने महासंघ की मांगों को मान कर सबको राहत प्रदान की है।

उन्होंने कहा कि कुछ प्रशासनिक अधिकारियों को षड्यंत्र था कि टेंडर प्रक्रिया को पंचायतों से छीन लिया जाए और उसके ब्लॉक लेवल पर किया जाए, लेकिन महासंघ मुख्यमंत्री को सारी बात बताई, जिस पर तत्काल फैसला लेते हुए टेंडर प्रक्रिया को पुनः पंचायतों को प्रदान कर दिया गया है। मनरेगा व अन्य 20 कार्यों पर लगी पाबंदी को हटा दिया गया है। वहीं उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों के मानदेय में भी बढ़ोतरी कर सबके षड्यंत्र को विफल कर दिया गया है।

मांगों को लेकर मुखर हुए पंचायतीराज महासंघ के पदाधिकारी।

इस सारे प्रकरण को मुख्यमंत्री ने बहुत ही सूझ बूझ से हल किया है, जिससे पंचायती राज महासंघ उनको बधाई देता है। इस मौके पर प्रधान संघ बल्ह के अध्यक्ष टेकचंद, उपाध्यक्ष व बडसू पंचायत प्रधान गोबिंद राम वर्धन, वीरेंद्र प्रधान मांडल, जितेंद्र नलसर, पन्ना लाल लौहारा, किशोरी लाल कोठी गहरी पंचायत व अन्य पंचायतों के प्रधान शामिल रहे।

बीबीएमबी मुख्य डाकघर में बना अलग सुविधा काउंटर हुआ बंद

भीम बसेड़ू, महादेव

शहरी क्षेत्र सुंदरनगर का पुराना नगर डाकघर जब से बंद हुआ तब से कुछ दिनों तक मुख्य डाकघर बी बी एम बी कालौनी सुंदरनगर में पुराना नगर के खाताधारकों आदि के लिए अलग काउंटर खोला गया था।

मगर अब उस सेवा सुविधा काउंटर को बंद कर मुख्य डाकघर के पहले से चले आ रहे काऊंटर पर ही समायोजित कर दिया गया है जिससे भारी भीड़ में लोगों को धक्के खाने पड़ रहे हैं, क्योंकि यहां संख्या बढ़ना स्वाभाविक बात है और ऐसे में लोगों का कुछ अधिक ही समय बर्बाद हो रहा है। जाहिर सी बात है कि रोगी एवं वरिष्ठ नागरिकों को भारी परेशानी पेश आ रही है। बुद्धिजीवी लोगों का कहना है कि पुराना नगर डाकघर बंद करने के बाद लोगों को कठिन परिस्थितियों से गुजरना पड़ रहा है।

लोगों ने मुख्य डाकपाल मंडी एवं डाकपाल जनरल से पुरजोर मांग की है कि शीघ्र ही मुख्य डाकघर बी बी एम बी कालौनी सुंदरनगर में पुराना नगर के बंद हुए डाकघर के खाताधारकों आदि के लिए बंद किया गया काऊंटर पुनः बहाल किया जाए। (अनंत ज्ञान)

चालक-परिचालक पर केस दर्ज

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। सुंदरनगर-बग्गी मार्ग पर निजी बस द्वारा एक वाहन को साइड से टक्कर मारने के बाद उसके चालक के साथ धमकाने पर थाना बीएसएल कालोनी में प्राथमिकी दर्ज की है।

जानकारी के अनुसार थाना में दर्ज कराई प्राथमिकी में ललित ठाकुर पुत्र भीम सिंह निवासी गांव छलखी तहसील बल्ह जिला मंडी ने कहा है वाहन पर कोर्ट जा रहा थे, लेकिन एक निजी बस से उसके वाहन का साइड से टक्कर मार दी और गाली-गलौज शुरू कर दी। डीएसपी भारत भूषण ने बताया प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई आरंभ कर दी है।

हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते हुए गणमान्य।

जम्मू-कश्मीर में हिंदू समुदाय पर हो रहे लगातार अत्याचारों और लक्षित हमलों के विरोध में सरकाघाट मेन वाजार में क्षेत्र के जागरूक नागरिकों व सामाजिक संगठनों ने एकजुट होकर जम कर धरना प्रदर्शन किया और तहसीलदार सरकाघाट के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति महोदय को एक ज्ञापन प्रेषित किया।

प्रतिनिधियों ने कहा कि हिंदू समुदाय को अपने ही देश में डर के साए में जीने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जो लोकतंत्र और मानवाधिकारों के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने राष्ट्रपति से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो और पीड़ितों को न्याय मिले।

पालतू कुत्ते ने लड़की को काटा, मामला दर्ज

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। पालतू कुत्ते द्वारा एक 13 साल की लड़की को काटने पर मालिक के खिलाफ थाना सुंदरनगर में प्राथमिकी दर्ज की गई है। जानकारी के अनुसार थाना में दर्ज कराई प्राथमिकी में बीरबल पुत्र चमारु राम निवासी पन्यार, डाकघर बटबाड़ा तहसील सुंदरनगर ने कहा है कि उसकी बेटी सुनीता सुबह के समय पन्यार से सुईक्यार गांव जा रही थी इस दौरान जब वह मनशु राम के घर के पास पहुंची को उसी समय उसका कुत्ता एकदम आया और बेटी को टांग पर काट लिया। डीएसपी भारत भूषण ने बताया सुंदरनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई आरंभ कर दी है।

धीमी रफ्तार जिले में राशन कार्ड उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी प्रक्रिया शीघ्र होगी पूर्ण : डीसी

26 हजार उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी होना बाकी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन ने आज सार्वजनिक वितरण प्रणाली तथा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि मंडी जिला में राशन कार्ड उपभोक्ताओं की शत-प्रतिशत ई-केवाईसी सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा ताकि कोई भी पात्र उपभोक्ता सस्ते राशन की सुविधा से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 98 प्रतिशत उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी पूर्ण हो चुकी है जबकि 26,000 उपभोक्ता की ई-केवाईसी होना अभी शेष हैं।

खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि वे इन शेष उपभोक्ताओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाएं, जिसमें पांच वर्ष से कम आयु के बच्चे, दिव्यांग तथा बिस्तर पर आश्रित उपभोक्ताओं की स्थिति स्पष्ट हो। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि डिपो संचालकों के सहयोग से जल्द से जल्द इन उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण की जाए। उन्होंने बताया कि मंडी जिला में 850 उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से 3,18,513 राशन कार्ड धारकों को आवश्यक वस्तुएं एपीएल, बीपीएल, अंत्योदय अन्न योजना तथा प्राथमिक गृहस्थी योजना के अंतर्गत वितरित की जा रही हैं। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत जिला मंडी को 5,36,750 लाभार्थियों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिनमें से अब तक 4,26,449 लाभार्थियों का चयन किया जा चुका है। शेष लाभार्थियों के चयन की प्रक्रिया में तेजी लाने हेतु निर्देश दिए गए हैं।

उचित मूल्य की दुकानों की स्थापना पर चर्चा

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा दिसंबर 2024 से मार्च 2025 तक 2073 निरीक्षण किए गए। इन निरीक्षणों के दौरान 27,605 का जुर्माना वसूला गया। विभिन्न उचित मूल्य की दुकानों, थोक गोदामों और मिलों से 60,213 का जुर्माना वसूला गया। उपायुक्त ने बताया कि जिला में आधार सीडिंग का कार्य 99.99 प्रतिशत तक तथा मोबाइल नंबर सीडिंग 96.47 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुकी है। बैठक में नई उचित मूल्य की दुकानों की स्थापना हेतु भी चर्चा की गई।

3.470 किग्रा चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, पधर। पुलिस थाना पधर के अंतर्गत पुलिस चौकी टिकन की टीम ने नाकाबंदी के दौरान भारी मात्रा में चरस की खेप बरामद की। एएसआई पंकज कटोच की अगुवाई में टीम ने तिन्दनाला में गश्त के दौरान यह कार्रवाई की। एचपी 76-5963 नंबर की गाड़ी को रोका गया।

तलाशी के दौरान वाहन की डिक्की से 3.470 किलोग्राम चरस बरामद हुई। वाहन चालक की पहचान ओम प्रकाश पुत्र नंद लाल, निवासी गांव झुकन, डाकघर थलतुखोड़, तहसील पधर, जिला मंडी के रूप में हुई है। डीएसपी पधर देवराज शर्मा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

राजेश कपूर ने उठाया एनएच के धीमे काम का मुद्दा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा से की मुलाकात

मंडी से कोटली के बीच एनएच 003 के विस्तारीकरण के कार्य में बरती जा रही ढील और इससे स्थानीय लोगों को हो रही परेशानियों का मामला केंद्रीय मंत्री के दरबार में पहुंच गया है।

पन्नालाल रक्षा मैमोरियल ट्रस्ट के संस्थापक राजेश कपूर ने दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा से मुलाकात करके उन्हें इस संदर्भ में ज्ञापन प्रेषित किया है। राजेश कपूर ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि इस कार्य को शुरू हुए दो वर्षों का समय बीत गया है लेकिन कार्य इतनी धीमी गति से हो रहा है कि इसके अगले कई वर्षों तक पूरा होने की उम्मीद नजर नहीं आ रही है। इस

केंद्रीय मंत्री के समक्ष एनएच 003 का मामला रखते हुए राजेश कपूर।

कारण तुंगल क्षेत्र के लाखों लोगों को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के लोगों का इसी मार्ग से रोजाना मंडी जिला मुख्यालय तक आना-जाना लगा रहता है, लेकिन निर्माण कार्य के चलते सड़क की ऐसी दुर्दशा हुई पड़ी है कि लोगों का सफर करना मुश्किल हो गया है।

इन्होंने यहां निर्माण कर रही सूर्या कंस्ट्रक्शन कंपनी के ढुलमुल रवैये की शिकायत भी केंद्रीय मंत्री से की और बताया कि कंपनी प्रबंधन ने यहां स्थानीय लोगों से जो प्रॉपर्टी किराए पर ले रखी है उसका किराया भी समय पर अदा नहीं किया जा रहा है। राजेश कपूर ने केंद्रीय मंत्री से इस मामले पर तुरंत प्रभाव से हस्तक्षेप करते हुए त्वरित कार्रवाई का निवेदन किया है। राजेश कपूर ने बताया केंद्रीय राज्य मंत्री ने उन्हें इसपर जल्द कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

जिला ट्रक आपरेटर्स महासंघ ने हड़ताल कर पहलगाम में आतंकियों के हमले पर जताया रोष

कश्मीर के लिए नहीं करेंगे सामान की ढुलाई

अनंत ज्ञान, गगरेट

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों द्वारा हिंदुओं के साथ किए गए नरसंहार से देश भर में उपजे गुस्से की आंच जिला ऊना में भी पहुंच गई है। पहलगाम में हुए नरसंहार के विरोध में जिला ट्रक आपरेटर्स महासंघ के आह्वान पर तमाम ट्रक आपरेटर हड़ताल पर रहे। महासंघ ने ऐलान किया कि कश्मीर के लिए कोई भी ट्रक आपरेटर जरूरी सामान की ढुलाई नहीं करेगा।

महासंघ ने कहा कि इस कायराना हरकत का मुंहतोड़ जवाब दिया जाए। जिला ट्रक आपरेटर्स महासंघ के जिलाध्यक्ष सतीश गोगी ने कहा कि आतंकवादियों की इस हरकत से अब साबित हो गया है कि आतंकवाद का क्या मजहब है। निर्दोष व निहत्थे लोगों पर गोलियां बरसाना कायरता ही नहीं, बल्कि बर्बरता भी है। ऐसा लगा है कि जैसे औरंगजेब के वशंज अभी भी जिंदा हैं। केंद्र सरकार ने जब-जब घाटी में शांति स्थापित करने के प्रयास किए और घाटी में पर्यटन के साथ व्यापार बढ़ा, तब-तब मानवता के दुश्मनों ने इस प्रयास को खत्म करने का प्रयास किया। उन्होंने इसे पाकिस्तान का भारत के प्रति गहरा षड्यंत्र करार देते हुए आतंकवादियों व उनके पनाहगारों से सख्ती से निपटने की गुहार केंद्र से लगाई है। सतीश ने कहा कि पहलगांव आतंकी हमले को लेकर ट्रक आपरेटर आक्रोशित हैं और इसी सिलसिले में बुधवार को जिले की तमाम ट्रक यूनियनों ने हड़ताल का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि सभी ट्रक आपरेटर्स ने एक राय होकर यह फैसला किया है कि कश्मीर के लिए जरूरी सामान की ढुलाई नहीं की जाएगी न ही जिला ऊना के ट्रक आपरेटर सेब सीजन में इस बार कश्मीर का सेब ढोने के लिए जाएंगे। इस देश में रह कर आतंकवाद जैसी हरकतों को अंजाम देने वाले देशद्रोही किसी भी सूरत में माफ नहीं होने चाहिए, जब तक इस नरसंहार के दोषियों को सजा नहीं मिलती, तब तक देश के करोड़ों नागरिकों के दिल में लगी आग शांत नहीं होगी। बुधवार को ट्रक आपरेटर्स के हड़ताल पर चले जाने से जिले से ढुलाई का काम न होने पर जिले के उद्योगों को भी गहरा झटका लगा है।

खाली पड़ा द विशाल हिमाचल गुड्स ट्रांसपोर्ट सोसायटी गगरेट का कार्यालय।

हिंदुओं की नृशंस हत्याओं का बदला ले सरकार : नरेंद्र

अनंत ज्ञान, ऊना। पहलगाम में घूमने के लिए आए पर्यटकों पर आतंकवादियों द्वारा गोलियां चलाकर उनकी हत्या का जघन्य अपराध करने पर राष्ट्रीय सनातन मंच हिमाचल प्रदेश ने निंदनीय कार्य करार दिया है। राष्ट्रीय सनातन मंच ने कहा कि केंद्र सरकार इन हत्याओं का बदला लेने के लिए त्वरित सख्त कार्रवाई अमल में लाए। हिमाचल सरकार से भी प्रदेश में कानून व सुरक्षा बनाए रखने के साथ विशेष धर्म के संदिग्ध लोगों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रदेश प्रभारी नरेंद्र राणा ने हत्याओं को लेकर पाकिस्तान तथा आतंकवादियों के खिलाफ विरोध किया है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों द्वारा जिस तरह से चुन-चुनकर हिंदुओं की हत्या की गई है। उसी तरह आतंकवाद के खिलाफ केंद्र सरकार को भारतीय सेना को भी सख्त कार्रवाई देने के लिए खुली छूट देनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी तथा गृहमंत्री अमित शाह से आग्रह किया कि जैसे इन आतंकवादियों ने हमारे हिंदुओं की हत्या की है, उसका जवाब पाकिस्तान को पूरे तरीके से दिया जाए। उन्होंने हिमाचल सरकार से आग्रह किया कि प्रदेश में ऐसे धर्म के लोगों का प्रवेश बंद कर दिया जाए।

केंद्र आतंकवाद के खिलाफ उठाए ठोस कदम : विवेक शर्मा

अनंत ज्ञान, बंगाणा

कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा ने जारी वक्तव्य में कहा कि जम्मू-कश्मीर के खूबसूरत इलाके पहलगांव में हुई आतंकी घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। विधायक विवेक शर्मा ने तीव्र प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि केंद्र एवं जम्मू की राज्य सरकार ठोस कदम उठाए, ताकि जम्मू इलाके में दोबारा ऐसी घटना न हो।

विवेक शर्मा ने कहा कि अगर कश्मीर में इस तरह के आतंकी हमले होते रहेंगे, तो भारत कैसे सुरक्षित रह पाएगा? कश्मीर घाटी में वर्षों से आतंकवाद की समस्या बनी हुई है, लेकिन हर नए हमले के साथ यह स्पष्ट हो जाता है कि आतंकियों का नेटवर्क अब भी सक्रिय है और स्थानीय सहयोग से वे अपने मंसूबों को अंजाम दे रहे हैं।

विवेक शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार को अब आतंकवाद के खिलाफ ठोस कदम उठाने चाहिए। यह केवल एक राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि पूरे देश की भावना है। जनता अब महज आश्वासन नहीं, ठोस और निर्णायक कार्रवाई चाहती है।

विवेक शर्मा ने कहा कि पहलगांव जैसी घटनाएं न केवल निर्दोषों की जान लेती हैं, बल्कि यह भी दर्शाती हैं कि आतंकी संगठन अभी भी हमारे सुरक्षा तंत्र की कमजोरियों का फायदा उठा रहे हैं। इस दिशा में सुरक्षा एजेंसियों को और अधिक सतर्कता के साथ काम करने की जरूरत है।

यह मानवता पर सीधा हमला : देवेंद्र कुमार भुट्टो

अनंत ज्ञान, बंगाणा। कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार भुट्टो ने बंगाणा में मीडिया से बातचीत के दौरान जम्मू में हुए आतंकी हमले में मारे गए 28 पर्यटकों से ज्यादा लोगों पर गहरी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि इस नृशंस हमले की कुटलैहड़ भाजपा कड़ी निंदा करते हुए इस दुख की घड़ी में शहीदों के परिवारों के साथ खड़ी है।

भुट्टो ने कहा यह हमला मानवता पर सीधा हमला है, जो भी निर्दोषों की जान लेता है, वह किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। भारतीय सेना को केंद्र सरकार द्वारा 'फ्री हैंड' दे दिया गया है और अब वक्त आ गया है कि जो ताकतें इस तरह के कायरतापूर्ण हमलों को समर्थन देती हैं, उन्हें करारा जवाब मिले। भुट्टो ने कहा कि इस घटना के तुरंत बाद भारतीय सेना ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया, अब तक आधा दर्जन आतंकवादी मारे जा चुके हैं, जबकि शेष की तलाश जारी है। भुट्टो ने सेना की तत्परता की सराहना करते हुए कहा हमारे वीर जवानों ने दिखा दिया है कि भारत की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। भारत माता पर कोई परिंदा आंख उठाकर नहीं देख सकता और अगर देखेगा, तो उसका पतन निश्चित है। भाजपा नेता ने कहा कि इस हमले के बाद तत्काल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहलगाम पहुंचकर घटना स्थल का दौरा किया और पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया।

कौन ताकतें आतंकवाद को दे रही संरक्षण

अनंत ज्ञान, बंगाणा। राज्य भाजपा उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगांव में हालही में हुए आतंकी हमले ने एक बार फिर देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हमले में कई निर्दोष लोगों की जान गई और दर्जनों घायल हो गए। इस हमले के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घटनास्थल का दौरा किया और हालात का जायजा लिया। उन्होंने सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। कंवर ने कहा कि केंद्रीय गृह ने पीड़ितों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और आश्वस्त किया कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। केंद्र सरकार आतंकवाद के खिलाफ 'ज़ीरो टॉलरेंस' की नीति पर काम कर रही है और जो भी इस हमले के पीछे हैं, उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। पूर्व मंत्री ने भी इस आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि देश में आतंक फैलाने की कोशिशें कभी कामयाब नहीं होंगी। उन्होंने केंद्र सरकार की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के नेतृत्व में देश आतंकवाद को जड़ से खत्म करने में पूरी तरह सक्षम है।

न्यूज ब्रीफ

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पीपलू में पृथ्वी दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने भाषण प्रतियोगिता व पेंटिंग प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया। उपप्रधानाचार्य कुलदीप कुमार, ईको क्लब इंचार्ज विजय कुमार, प्रवक्ता दिनेश कुमार, सुशील कुमार, आशुतोष मौदगिल व संदीप कुमार शास्त्री विशेष रूप से उपस्थित रहे व बच्चों का मार्गदर्शन किया।

आंगनबाड़ी के 3 पदों के लिए चयन प्रक्रिया पूरी

अनंत ज्ञान, अंब। बाल विकास परियोजना अधिकारी अंब विजय कुमार ने बताया कि आंगनबाड़ी वर्कर्स के तीन पदों को भरने के लिए बाल विकास परियोजना अंब तथा एसडीएम की अध्यक्षता में हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं के साक्षात्कार में चयन कर लिया है। ग्राम पंचायत मैड़ी के आंगनबाड़ी केंद्र मैड़ी-4 कार्यकर्ता पद के लिए रीमा कुमारी पत्नी सतीश कुमार, ग्राम पंचायत सूरी के आंगनबाड़ी केंद्र सूरी-एक के कार्यकर्ता पद के लिए निधि ठाकुर पुत्री रमेश चंद, ग्राम पंचायत-चरूडू आंगनबाड़ी केंद्र बहेड़ी में सहायिका के पद के लिए अनिता कुमार पुत्री सतीश कुमार को चयनित किया है।

141 स्कूलों में पहले से ड्रेस कोड लागू : संघ

अनंत ज्ञान, ऊना। हिमाचल प्रदेश स्कूल प्रवक्ता संघ ऊना के पदाधिकारियों का कहना है कि जिले के 141 राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला के अध्यापक पहले से ही ड्रेस कोड में आते हैं। संघ के अध्यक्ष दविंद्र सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश मल्होत्रा, महासचिव शशि सैनी, उपाध्यक्ष संजीव ने साझा बयान में कहा कि कभी भी जिले से कोई ऐसा समाचार नहीं आया कि कोई भी अध्यापक शोभनीय कपड़े पहनकर नहीं आया। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार का डाटा देना कि 141 में से इतने स्कूलों ने ड्रेस कोड अपना लिया, समझ से परे है। महासचिव शशि सैनी ने बताया कि ड्रेस कोड जैसे नियमों के कारण अध्यापकों को आने वाले समय में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ेगा क्योंकि पाठशाला में कोई भी अभिभावक आकर बिना बात के बच्चों के सामने अध्यापकों पर ड्रेस कोड से जुड़ा हुआ कोई भी प्रश्न चिह्न लगा सकता है।

आतंकी हमले की सनातन धर्म सभा ने की निंदा

अनंत ज्ञान, ऊना। सनातन धर्म सभा जिला ऊना ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। सनातन धर्म सभा के अध्यक्ष प्रिंस राजपूत ने कहा कि आतंकी हमले से पूरा देश आक्रोशित है। उन्होंने कहा कि हमले में जो लोग मारे गए हैं, उनके परिजनों से हमदर्दी का इजहार करते हैं। साथ ही घायलों के जल्द स्वस्थ होने के लिए दुआ करते हैं। प्रिंस राजपूत ने केंद्र सरकार से भी अपील की है कि हमले के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

आतंकी हमला भारत की एकता पर सीधा प्रहार

अनंत ज्ञान, ऊना। अखिल भारतीय हिमाचल सामाजिक संस्था संघ ने पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर किए गए कायराना आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। अखिल भारतीय हिमाचल सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष केप्टन लाल, राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट राकेश शर्मा, जतिंद्र कंवर, राकेश शर्मा नई दिल्ली ने ऊना में जारी वक्तव्य में पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि पाक प्रायोजित आतंकवादियों ने कश्मीर के पहलगाम में निहत्थे व निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाकर अपने नापाक चेहरे व नफरत के अजेंडे को दर्शाया है। उन्होंने कहा कि यह हमला भारत की एकता, अखंडता व अस्मिता पर सीधा प्रहार है।

पपलेहड़ा में पेड़ से लटकी मिली किशोरी

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी। स्थानीय ग्राम पंचायत डूहल वंगवाला के गांव पपलेहड़ा में एक 16 वर्षीय किशोरी की लाश पेड़ से लटकी हुई मिली। मृतक की पहचान मानसी पुत्री बुद्धा निवासी नेपाल के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, मानसी मंगलवार शाम से गायब थी और परिवार के लोग उसे ढूंढ रहे थे। बुधवार को जब मानसी की माता पपलेहड़ा सड़क से गुजर रही थी, तो ढांक पर उसे अपनी बेटी की लाश पेड़ पर लटकी हुई दिखाई दी। इसके बाद उसने परिवार के सदस्यों को इस बारे में बताया और पुलिस को सूचना दी। एसएचओ जयराम ठाकुर की अगुवाई में पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए जांच कर रही है। बुद्धा पपलेहड़ में कतथा की भट्ठी पर काम करता है।

पूर्व विधायक ने अग्निकांड पीड़ित के घर पहुंचकर दी सांत्वना व आर्थिक सहायता

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी

चिंतपूर्णी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा के पूर्व विधायक बलबीर सिंह पंचायत ज्वार में बुधवार को भीषण अग्निकांड से पीड़ित सुरेंद्र कुमार के घर पहुंचे।

इस मौके पर उनके साथ जिला भाजपा अध्यक्ष शाम मिन्हास भी उपस्थित रहे। बलबीर सिंह ने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी और ध्यूंर सदा शिव मंदिर ट्रस्ट तलमेहड़ा के अध्यक्ष प्रवीण शर्मा से बात कर उन्हें हर संभव सहायता देने की बात कही। वहीं, मेडी गुरुद्वारे से भी पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता प्रदान की गई। साथ ही पूर्व विधायक बलबीर सिंह ने आर्थिक सहायता भी प्रदान की। गांव ज्वार में स्लेट पोस्ट मकान में लगी आग के कारण घर में रखा लाखों का सामान कुछ ही क्षणों में जलकर राख हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व विधायक बलबीर सिंह ने गांव ज्वार में पहुंचकर अग्निकांड पीड़ित परिवार से मुलाकात की। बलबीर सिंह ने पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि यह अपूर्णीय क्षति है, जिसकी भरपाई कोई नहीं कर सकता, लेकिन हम हर संभव मदद करेंगे। इस दौरान जिला भाजपा अध्यक्ष शाम मिन्हास, संजय कुमार संजू, उपप्रधान पंडित रामपाल शर्मा, अशोक शर्मा व अन्य लोग उपस्थित रहे।

कल दुलैहड़ में लगेगी मोबाइल कैंटीन

अनंत ज्ञान, ऊना। पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए, शुक्रवार को सुबह साढ़े 9-10 बजे तक मोबाइल कैंटीन, आकाश कैंटीन ऊना के तत्वाधान से ग्राम पंचायत दुलैहड़ (तहसील हरोली) के प्रांगण में पहुंचेगी। इस मोबाइल कैंटीन से पूर्व सैनिक और उनके आश्रित, आवश्यक किराना (ग्रोसरी) सामग्री, जिससे वे किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण सामान प्राप्त कर सकेंगे। यह जानकारी देते हुए, मैनेजर आकाश कैंटीन ऊना, कमांडर विजय कुमार ने बताया कि यह सुविधा पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों (जिनके पास कैंटीन कार्ड हैं) उनकी सहूलियत का ध्यान में रखते हुए प्रदान की जा रही है। बिल भुगतान एटीम के मध्यम से लिया जाएगा। इंडियन एक्स सर्विसेज लीग के चेयरमैन कैप्टन सरदार चंद, वरिष्ठ वाइस चेयरमैन राजेंद्र शर्मा एवं वाइस चेयरमैन लेफ्टिनेंट एसपी शर्मा ने दुलैहड़ और आस-पास के सभी पूर्व सैनिकों से अपील की है कि वह इसका ज्यादा से ज्यादा प्रचार करें।

केंद्र जनता का ध्यान भटकाने के लिए फालतू के मुद्दों को करती सृजित : सीमा

अनंत ज्ञान, ऊना

पहलगाम हत्या कांड केंद्र सरकार और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों का फेल्युअर है। यह बात ऊना ब्लॉक महिला कांग्रेस अध्यक्ष सीमा शर्मा ने कही।

उन्होंने कहा कि ये हत्या कांड बहुत ही निंदनीय और कायराना हरकत है। पुलवामा हमले के बाद, अब पहलगाम हत्या कांड एक सुनियोजित षड्यंत्रों का हिस्सा लग रहा है क्योंकि जिस तरह से पहलगाम हत्या कांड हुआ है। उससे साफ है कि सैलानियों की सुरक्षा के लिए कोई भी ठोस प्रबंध नहीं किए गए थे। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि केंद्र सरकार देश की जनता का ध्यान भटकाने के लिए फालतू के मुद्दों को सृजित करती रहती है। उन्होंने कहा कि सरकार देश में बेरोजगारी, मंहगाई, शिक्षा, महिला सुरक्षा और बिगड़ती कानून व्यवस्था जैसे संवेदनशील मुद्दों पर बात करने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि जब से केंद्र में भाजपा सत्ता में आई है, तब से देश के विभिन्न हिस्सों में दंगे आम हो गए हैं, जिस कारण बेगुनाहों की हत्याएं हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि अब भाजपा के इशारे पर ईडी ने नेशनल हैराल्ड समाचार पत्र मामले में केंद्र में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी पर कानून को ताक में रखकर केस दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि ईडी तब केस दर्ज करती है, जब कहीं पैसे का लेन-देन हुआ हो, लेकिन इस मामले में किसी प्रकार का लेन-देन हुआ ही नहीं।

चिंतपूर्णी मंदिर में सेवानिवृत्त कर्नल रैंक के अधिकारी देखेंगे सुरक्षा व्यवस्था

विकास शर्मा, चिंतपूर्णी

चिंतपूर्णी मंदिर, जो लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है, उसमें सुरक्षा और लाइन व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए, सरकार द्वारा एक रिटायर्ड कर्नल रैंक के अधिकारी की तैनाती की गई है। मुख्य सुरक्षा एवं परिचालन अधिकारी कर्नल मनीष धीमान की देखरेख में मंदिर की सुरक्षा और लाइन व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है।

दो वर्ष पूर्व मंदिर प्रशासन की व्यवस्था में कई खामियां थीं। श्रद्धालुओं द्वारा अनाधिकारिक रास्तों का इस्तेमाल कर लाइन व्यवस्था को प्रभावित किया जाता था, जिससे श्रद्धालुओं की लाइन और सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित होती थी, लेकिन अब मंदिर प्रशासन ने सुरक्षा और लाइन व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए विशेष कदम उठाए हैं। इनमें शामिल हैं सुरक्षा कर्मचारियों को चिन्हित जगह पर तैनात करना, अत्यधिक भीड़ वाले दिनों में सुरक्षा व्यवस्था और लाइन व्यवस्था को सुचारू रूप से चलने के लिए एक विशेष रोड मैप तैयार करना, गर्भ गृह, शंभु बैरियर, मैन बैरियर, आउट गेट, मुख्य मंदिर मार्ग, मंदिर परिसर आदि महत्वपूर्ण जगहों पर सुरक्षा कर्मचारियों द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा और लाइन व्यवस्था का विशेष ध्यान रखना है।

वर्तमान में चिंतपूर्णी मंदिर की व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर सरकार द्वारा कर्नल मनीष धीमान की सराहना की गई है। साप्ताहिक के एक दिवस पर सभी सुरक्षा कर्मचारियों को एकत्रित कर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित किया जाता है, ताकि चिंतपूर्णी मंदिर में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और लाइन व्यवस्था को सुचारू रूप से व्यवस्थित किया जा सके। (अनंत ज्ञान)

एफसीए और एफआरए मामलों का जल्द करें निपटारा : डीसी

अनंत ज्ञान, ऊना

डीसी ऊना जतिन लाल की अध्यक्षता में बुधवार को उनके चैंबर में वन संरक्षण अधिनियम (एफसीए एक्ट) और वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) के अंतर्गत लंबित मामलों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान डीसी ने अधिकारियों को एफसीए और एफआरए मामलों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित गति से निपटाने के निर्देश दिए।

उन्होंने जल शक्ति विभाग को विशेष रूप से वन भूमि से जुड़े मामलों का जल्द समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीसी ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है। इस समिति के माध्यम से जिन भूमि क्षेत्रों को वन भूमि घोषित किया गया है, उनकी प्रविष्टियों का राजस्व रिकॉर्ड और वन विभाग के रिकॉर्ड में समन्वय के साथ दर्ज करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। डीसी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक सब-डिवीजन स्तर पर एक उपसमिति का गठन किया जाए, जो इस प्रक्रिया की निगरानी और कार्यान्वयन सुनिश्चित करेगी। साथ ही इस पूरी प्रक्रिया की मासिक समीक्षा भी की जाएगी, ताकि कार्य में पारदर्शिता और गति बनी रहे। इस अवसर पर एसडीएम ऊना विश्व मोहन देव चौहान, डीएफओ ऊना सुशील राणा, बीडीओ बंगाणा सुशील कुमार, एक्सइएन जल शक्ति विभाग बंगाणा अरविंद लखनपाल, तहसीलदार अंब प्रेम लाल धीमान, तहसीलदार बंगाणा अमित शर्मा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

निर्धन परिवारों की बच्चियों के लिए संबल बनकर उभरा 'सामर्थ्य कार्यक्रम'

अनंत ज्ञान, ऊना। ऊना प्रशासन द्वारा संचालित किया जा रहा सामर्थ्य कार्यक्रम निर्धन परिवारों की बच्चियों के लिए संबल बनकर उभरा है। इससे जहां बच्चियों के शिक्षा के सपने साकार होकर, उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव हो रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर भी बन रही हैं। डीसी जतिन लाल ने बताया कि जिले में अब तक 24 गरीब परिवारों की बच्चियों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए 5,86,730 रुपए की आर्थिक मदद प्रदान की जा चुकी है। इस योजना का उद्देश्य न केवल आर्थिक रूप से पिछड़े तबके की बच्चियों को शिक्षा और आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना है, बल्कि उनके भीतर आत्मविश्वास और स्वावलंबन की भावना भी पैदा करना है। डीसी जतिन लाल ने बताया कि सामर्थ्य योजना के तहत निर्धन परिवारों की बच्चियों को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं कौशल विकास से जुड़ी कई सुविधाएं निशुल्क प्रदान की जा रही हैं। आर्थिक तंगी के कारण पढ़ाई छोड़ चुकी बच्चियां योजना से लाभान्वित होकर अपनी उच्च शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। यह पहल समाज के कमजोर वर्ग को मुख्यधारा में लाने का एक प्रभावशाली माध्यम बनी है। योजना के तहत लाभ पाने की पात्रता उन लड़कियों के लिए है, जिनके पिता का निधन हो चुका है या जो 70 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग हैं।

अक्षय तृतीया पर भक्ति से शक्ति यात्रा का अंब में होगा भव्य स्वागत

हिंदू संगठनों के सदस्य बैठक के उपरांत यात्रा से संबंधित पत्रक दिखाते हुए।

विवेक शर्मा, अंब

आगामी 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर मां ज्वाला से प्रारंभ होकर मध्यप्रदेश स्थित पशुपतिनाथ मंदिर, घुरेल तक आठ राज्यों से होकर गुजरने वाली भक्ति से शक्ति यात्रा का अंब में भव्य स्वागत किया जाएगा।

इस अवसर पर महादेव मंदिर, मुबारकपुर रोड पर एक भव्य कार्यक्रम एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर अंब में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की जानकारी देते हुए प्रांत के सह यात्रा प्रमुख देवेंद्र ने बताया कि यह यात्रा नाथ परंपरा के राष्ट्रीय संयोजक अखिल भारत वर्षीय जोगी नाथ महासभा, डॉ. योगी अनूप नाथ के संरक्षण में आयोजित की जा रही है। शक्ति पीठों में सर्वोपरि मानी जाने वाली मां ज्वाला देवी से शुरू होकर यह यात्रा गुरु गोरख टिब्बी होते हुए मध्यप्रदेश के पशुपतिनाथ मंदिर तक जाएगी। यह यात्रा भारतीय जीवन दर्शन के चार पुरुषार्थ-धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के संतुलन और जागरूकता को समर्पित है। आधुनिक जीवनशैली में जहां लोग केवल अर्थ और काम में उलझे हैं, वहीं इस यात्रा से लोगों को उनके आध्यात्मिक मूल्यों और आंतरिक ऊर्जा के प्रति जागरूक करने का प्रयास है। यात्रा मंदिरों और शक्ति पीठों से जुड़ी हमारी सांस्कृतिक आस्था को पुनः जागृत करने का माध्यम बनेगी। बैठक में अनेक गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही, जिनमें गुरु रविदास मंदिर के संरक्षक धनीराम, नगर पंचायत अध्यक्ष इंदु, विश्व हिंदू परिषद अंब प्रखंड अध्यक्ष दलीप, बजरंग दल जिला सह संयोजक सुरेश, अधिवक्ता परिषद अध्यक्ष सुधीर आदि मौजूद रहे। (अनंत ज्ञान)

सराहना | शिवबाड़ी मेले को बेहतर करने के ऐतिहासिक निर्णयों का संघ ने किया स्वागत

गगरेट क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को लगेंगे पंख

अनंत ज्ञान, गगरेट

उपमंडल गगरेट के ऐतिहासिक शिवबाड़ी मेले में पहली बार लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों का उपमंडल औद्योगिक संघ ने स्वागत किया है।

उपमंडल औद्योगिक संघ के महासचिव सुरेश शर्मा ने कहा कि संघ हर बार प्रशासन द्वारा किए गए अच्छे कार्यों की सराहना करता आया है और इस बार भी संघ शिवबाड़ी मेले में प्रशासन का हरसंभव सहयोग करेगा। उन्होंने उन बयानों को सिरे से नकारा है, जिसमें प्रशासन पर जबरन वसूली करने के मनघड़त आरोप लगाए गए हैं। सुरेश शर्मा ने कहा कि चाहे वैश्विक महामारी कोरोना वायरस का समय रहा हो या फिर कोई अन्य संकट का उपमंडल औद्योगिक संघ ने सदैव शासन व प्रशासन का बढ़-चढ़कर साथ दिया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण अभियान हो या फिर अन्य सामाजिक कार्य उपमंडल औद्योगिक संघ ने कभी मुंह नहीं मोड़ा है। प्रशासन की ओर से भी सदैव उपमंडल औद्योगिक संघ का भरपूर साथ दिया गया है। उन्होंने कहा कि शिवबाड़ी मेला भी इस क्षेत्र का ऐतिहासिक मेला है। मेले और उत्सव ग्रामीण क्षेत्रों में मनोरंजन का साधन हैं। उन्होंने शिवबाड़ी मेले पर स्थानीय अवकाश घोषित करवाने के लिए विधायक राकेश कालिया की सराहना की। उन्होंने कहा कि पहली बार हुआ है कि इस ऐतिहासिक मेले के दौरान स्थानीय अवकाश घोषित किया गया और अब इस मेले का आनंद स्थानीय विद्यार्थी व कर्मचारी भी ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बेवजह ही अपनी व्यक्तिगत कुंठा शांत करने के लिए प्रशासन को निशाना बना रहे हैं। यह प्रदेश में पहली बार नहीं हो रहा कि किसी मेले या महोत्सव में पहली बार स्टार नाइट हो रही है। उन्होंने कहा कि इससे गगरेट क्षेत्र को धार्मिक पर्यटन के रूप में पंख लगने के भी प्रबल आसार हैं।

अश्लीलता शिवबाड़ी मेले में नहीं भाजपा नेताओं के दिमाग में : कांग्रेस

अनंत ज्ञान, गगरेट

ऐतिहासिक शिवबाड़ी मेले का भाजपा द्वारा किए जा रहे विरोध को कांग्रेस ने भाजपा नेताओं की कुंठित मानसिकता का परिचायक बताया है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अश्लीलता मेले में नहीं होगी, बल्कि अश्लीलता भाजपा नेताओं के दिमाग में है, जिस मेले का अभी आयोजन भी नहीं हुआ है उसमें भाजपा नेताओं को पहले ही पता है कि अश्लीलता परोसी जाएगी।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भाजपा की यह आदत है कि पहले सरकार के हर काम का वह विरोध करती है और फिर जब सत्ता में आती है, तो उन्हीं कार्यों का श्रेय लेने की कोशिश करती है। जारी प्रेस विज्ञप्ति में प्रदेश कांग्रेस सचिव ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कंवर, उपाध्यक्ष राकेश ठाकुर, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अनिल डढवाल, अजयपाल सिंह, दलविंद्र सिंह, धर्मपाल सोनू सहित कई कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह बात जगजाहिर है कि भाजपा कार्यकाल में शिवबाड़ी मंदिर या फिर शिवबाड़ी मेले के विकास के नाम पर भाजपा सरकार से एक ईंट तक नहीं लगी, अब जब कांग्रेस कार्यकाल में द्रोण महादेव की नगरी का सौंदर्यीकरण किया गया, तो भी भाजपा के पेट में मरोड़ उठे और अब जब ऐतिहासिक शिवबाड़ी मेले का व्यापक स्तर पर आयोजित किया जा रहा है, तो भी इनके पेट में मरोड़ उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा पहले अंतरराष्ट्रीय महाशिवरात्रि महोत्सव व अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरे में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का विरोध करके दिखाए। शिवबाड़ी मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम कई नवोदित कलाकारों के लिए अपने करियर की शुरूआत करने का मंच भी साबित हो सकते हैं।

सफलता की कहानी : ध्रुव कीर्ति की जुबानी एक मिशन, एक सोच, शिक्षा से समृद्धि की ओर

अनंत ज्ञान, बंगाणा

ध्रुव-कीर्ति ने युवा सोच को आगे लेकर शिक्षा के क्षेत्र में 2018 में प्रदेश के शांत और सुंदर क्षेत्र बंगाणा में एक क्रांतिकारी कदम उठाया था।

ध्रुव-कीर्ति ने अपने माता-पिता के नाम पर ईएमआर नामक उच्च शिक्षा संस्थान की स्थापना की, जिसका उद्देश्य बंगाणा जैसे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा देना है, जो बड़े शहरों या बाहरी राज्यों में उपलब्ध होती है। संस्थान के एमडी ध्रुव-कीर्ति का यह सपना यूं ही नहीं पनपा। उनके जीवन और परिवेश ने उन्हें यह सोचने पर मजबूर किया कि अगर शिक्षा ही भविष्य की कुंजी है, तो यह हर बच्चे तक पहुंचना चाहिए, चाहे वह किसी छोटे गांव से क्यों न हो। ध्रुव के पिता, एमआर दरोच, बिजली विभाग में चीफ इंजीनियर के पद से सेवानिवृत्त हुए, जिनकी मेहनत और ईमानदारी से ध्रुव को प्रेरणा मिली। वहीं, उनकी माता, जो एमए, एमएड, एलएलबी हैं, जिला परिषद की सदस्य, महिला आयोग की सदस्य, वरिष्ठ समाजसेवी और राजनीति में 'चाणक्य नीति' की ज्ञाता महिला नेत्री हैं, उनसे ध्रुव कीर्ति को समाज सेवा और नेतृत्व की भावना विरासत में मिली। ध्रुव-कीर्ति ने उच्च शिक्षा अपनी शुरुआती शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा बाहरी राज्यों के प्रतिष्ठित संस्थानों से प्राप्त की। मात्र सात वर्षों में, ध्रुव कीर्ति ने 50 से भी अधिक बच्चों को शिक्षा की उस बुलंदी तक पहुंचाया है, जहां से वे अब लाखों के पैकेज पर प्रतिष्ठित कंपनियों में कार्यरत हैं।

7 वर्षों में 50 युवाओं को उच्च शिक्षा के साथ मिला बड़ा पद

लाहौल-स्पीति की अंडर-16 टीम ग्रुप में शीर्ष पर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग। लाहौल-स्पीति की अंडर-16 क्रिकेट टीम ने बिलासपुर में हुए मैचों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपने ग्रुप में पहला स्थान हासिल किया और अगले राउंड के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

कोच बलवान ठाकुर के मार्गदर्शन में टीम ने शानदार खेल दिखाया। बल्लेबाजी में आदिल ठाकुर ने 50 रन, ताशी बोध ने 41 रन और हिमांशु ने 38 रन की अहम पारी खेली। यह सफलता टीम की मेहनत, कोच की रणनीति और खिलाड़ियों की लगन का नतीजा है। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद, लाहौल-स्पीति की यह युवा टीम अब अगले चरण में भी दमदार प्रदर्शन के लिए तैयार है।

धागे को मनके में पिरोकर महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर

भागा सिद्ध स्वयं सहायता समूह गांधीनगर की महिलाएं घर बैठकर बेहतर आजीविका कमाकर बन रहीं परिवार का सहारा

कमलेश वर्मा, कुल्लू

धागे और मनकों से माला बनाने वाली महिलाएं आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ रही हैं। कुल्लू जिले के भागा सिद्ध स्वयं सहायता समूह गांधीनगर की महिलाएं कृत्रिम आभूषण बनाकर अपने भविष्य को संवार रहीं हैं।

यह कला जहां उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद कर रही है वहीं, उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ा रही है। इस पहल के माध्यम से महिलाएं न केवल अपनी आजीविका चलाती हैं बल्कि समाज में भी बदलाव लाने में सक्षम हैं। शहरी आजीविका मिशन के तहत भागा सिद्ध स्वयं सहायता समूह की महिलाएं कृत्रिम आभूषण बना रही हैं और घर बैठकर अपनी प्रतिभा का बेहतर

समूह गांधीनगर की प्रधान रीना बोध (बीच में) व सदस्य खुद तैयार किए गए उत्पादों के साथ।

प्रदर्शन करते हुए अपने घर के खर्च भी पूरे कर रही हैं। समूह की प्रधान रीना बोध के अनुसार सबसे पहले उन्हें स्टार्टअप फंड के तौर पर 10,000 रुपए बैंक से मिले, उसके बाद उन्होंने 2 लाख रुपए का ऋण 4 प्रतिशत ब्याज दर पर मिला। भागा सिद्ध स्वयं सहायता समूह ने ऋण लेकर अपना काम बहुत अच्छे से आगे बढ़ाया है।

यही नहीं जिन चीजों की उन्हें अपने काम को आगे बढ़ाने की आवश्यकता थी, वे सारी वस्तुएं खरीद कर समय पर ऋण चुकता भी कर दिया। उसके बाद एक बार फिर शहरी आजीविका मिशन के तहत 3 लाख रुपए ऋण भी उन्हें 4 प्रतिशत ब्याज दर मिला। (अनंत ज्ञान)

घर बैठे हर माह कमा रहीं 4 से 5 हजार रुपए

बकौल ग्रुप प्रधान रीना बोध शहरी आजीविका मिशन के तहत वह घर पर ही कृत्रिम आभूषण बनाने का काम कर रही हैं। उनके समूह में 6 महिलाएं हैं और हर महिला हर माह 4 से 5 हजार रुपए घर बैठकर ही कमा रही हैं।

100 से 10 हजार रुपए तक के हैं उत्पाद

रीना बोध के अनुसार वह तैयार किए हुए कृत्रिम आभूषण ऑनलाइन, ऑफलाइन और स्थानीय मेलों, प्रदर्शनी में बेचते हैं। वह अपने उत्पाद 100 से 10,000 रुपए तक की कीमत पर बेचती हैं।

स्थानीय लड़कियों को उपलब्ध करवा रही रोजगार

रीना ने बताया कि वह अपने समूह की महिलाओं के अलावा स्थानीय लड़कियों को भी रोजगार प्रदान कर रही हैं। भागा सिद्ध स्वयं सहायता समूह की महिलाएं कृत्रिम आभूषणों में झुमके, मालाएं, कान की बालियां इत्यादि शृंगार का सामान तैयार करती हैं और ये आभूषण राज्य में ही नहीं पूरे देशभर में बहुत पसंद किए जा रहे हैं।

आनी मेले के सफल आयोजन में जुटी मेला समिति आनी

अनंत ज्ञान, आनी

इस वर्ष 7 से 10 मई तक आयोजित होने वाले जिलास्तरीय आनी मेले के सफल आयोजन के लिए कमेटी जुट गई है। कमेटी की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पारदर्शिता का परिचय देते हुए विभिन्न सेवाओं को टेंडर के माध्यम से अमलीजामा पहनाने का निर्णय लिया है।

कमेटी को मेले के लिए लाइट एंड साउंड टैंट व कुर्सियां डूम झूला, किश्ती, लाइव प्रसारण, म्यूजिक बैड मंच संचालक (Anchor) डांस ग्रुप, स्टेज सजावट की आवश्यक्ता है, जिसके लिए मेला कमेटी आनी ने मुहर बंद निविदाएं आमंत्रित की हैं। निविदाएं 27 अप्रैल को साय: 4 बजे तक आनी पंचायत के कार्यालय में पहुंच जानी चाहिएं। इनको 28 अप्रैल को दोपहर 2 बजे आनी पंचायत में मेला कमेटी आनी व संबंधित लोगों के समक्ष ग्राम पंचायत आनी के कार्यालय में खोला जाएगा।

विभिन्न सेवाओं में पारदर्शिता होगी सुनिश्चित

संबंधित लोगों को इस समय स्वंय उपस्थित होना अनिवार्य है। उपस्थित न होने की स्थिति में निविदाएं रद्द मानी जाएंगी। निविदाताओं को 10 हजार की धरोहर राशि डिमांड ड्राफ्ट के रूप में पंचायत के नाम करनी होगा। गौरतलब है कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिलास्तरीय आनी मेले का आयोजन 7 मई से 10 मई तक बड़े हर्षोउल्लास से किया जा रहा है।

पहलगाम नरसंहार पर कुल्लू में आक्रोश

निर्दोष नागरिकों पर कायरतापूर्ण आतंकी हमला मानवता पर प्रहार : टंडन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

कुल्लू में बुधवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में आक्रोश प्रदर्शन किया गया। भाजपा सह प्रभारी संजय टंडन जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए नरसंहार के विरोध में कुल्लू में आयोजित आक्रोश प्रदर्शन में सम्मिलित हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि निर्दोष नागरिकों पर हुआ यह कायरतापूर्ण आतंकी हमला मानवता पर प्रहार है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता, टंडन ने शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि एवं आतंक के खिलाफ एकजुटता का संकल्प भी दिलाया।

टंडन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व के कारण जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था एवं पर्यटन कारोबार में भारी उछाल आया था, पर इस दुर्भाग्यपूर्ण आतंकवादी हमले ने जम्मू-कश्मीर की आत्मा को हिला के रख दिया है। अभी पता लगा की जम्मू-कश्मीर में आने वाले 12000 लोगों ने अपनी टिकट कैंसिल कर दी हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर घाटी की आवाम में इस

पहलगाम में हुए नरसंहार पर कुल्लू में आक्रोश प्रदर्शन करते हुए भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

कायराना आतंकवादी हमले को लेकर जो गुस्सा है, जो नफरत है, वह यह बताने के लिए काफी है घाटी शांति, विकास और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ चुकी है।

देश की आंतरिक सुरक्षा और भी मजबूत हुई है। इसी कारण तो आतंकी और आतंक के आका बौखलाए हुए हैं। अभी हमें एकजुट होना चाहिए। हमें पीड़ित परिजनों के साथ खड़े होना चाहिए तथा उनका अपमान नहीं करना चाहिए। इस विषय पर किसी तरह की राजनीति नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जो ये कर रहे हैं, वे जाने-अनजाने आतंकवाद का समर्थन कर रहे हैं और देश को बदनाम कर रहे हैं। पहलगाम में हिंदुओं पर हमला देश की एकता और अखंडता पर सीधा हमला है। यह समय एक राष्ट्र के रूप में हमें दुनिया को दिखाना चाहिए कि भारत न झुकेगा, न रुकेगा और भारत देश के दुश्मनों को खत्म करके रहेगा।

पहलगाम आतंकी हमले में हाथ कोई भी हो, काट दिया जाएगा : जयराम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा है कि पहलगाम आतंकी हमले में हाथ कोई भी हो, काट दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किया गया कृत्य किसी भी हाल में माफी लायक नहीं है। उनका कृत्य मानवता पर एक कलंक है। हमारे देश में आतंकवाद फैलाने में कौन मदद कर रहा है, यह पूरा विश्व जानता है। ऐसे आतंकी हमले हमारे साहस को हिला नहीं सकते, हमें डरा नहीं सकते, झुका नहीं सकते। उन्होंने निर्दोष लोगों की हत्या करके अपने मृत्यु को आमंत्रित किया है।

केंद्र सरकार ऐसे आतंकवादी संगठनों को नेस्तनाबूद कर देगी। कश्मीर में बहाल हो रही शांति, लौट रहा अमन चैन, बन रहा विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर, बह रही विकास की धारा कुछ लोगों को रास नहीं आ रही है, इसलिए इस तरीके की हरकतें करके वह लोग अपनी मौत को आमंत्रित कर रहे हैं।

वहीं, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने देव सदनकुल्लू में भाजपा द्वारा आयोजित डॉ आंबेडकर सम्मान

कुल्लू में आयोजित संगोष्ठी में पूर्व सीएम जयराम कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए।

समारोह में भी शामिल हुए। उन्होंने बताया कि किस तरीके से बाबा साहेब के विरोध के बाद भी कश्मीर में 370 और 35 ए जैसी धारा लगाकर कश्मीर को भारत से अलग करने की कोशिश की गई। किस तरीके से 370 और 35 ए जैसी कानूनों के चलते कश्मीर विकास की राह से हट कर अलगाववाद की तरफ बढ़ गया।

वहीं, भाजपा सह प्रभारी संजय टंडन ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी ने जीवनभर समानता, सामाजिक न्याय और मानवाधिकारों के लिए संघर्ष किया। भारतीय संविधान के निर्माता के रूप में उनका योगदान भारतीय लोकतंत्र की नींव है और वे आज भी हम सबके लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा विभाजनकारी नीतियों पर काम किया है।

इस अवसर पर विपक्ष के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन, पूर्व मंत्री एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष गोविंद ठाकुर, सुरेंद्र शौरी, विधायक लोकिन्दर कुमार, जिला अध्यक्ष अमित सूद, नरोत्तम ठाकुर, गंगा सिंह, अखिलेश कपूर, दानविंदर सिंह, भीमसेन शर्मा, धनेश्वरी ठाकुर, राहुल सोलंकी, आदित्य विक्रम सिंह सहित अन्य वरिष्ठ पार्टीजन उपस्थित रहे।

रिद्धि सिद्धि फाउंडेशन कल मनाएगी वर्षगांठ

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहने वाली वाली संस्था रिद्धि सिद्धि अपनी तीसरी वर्षगांठ 25 अप्रैल को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भुंतर में विद्यार्थियों सहित मनाएगी। कुल्लू जिला पुलिस कप्तान गोकुल कार्तिकेयन बतौर मुख्य अतिथि पधारेंगे और विद्यार्थियों को उनके उज्वल भविष्य के साथ नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे।

यह जानकारी फाउंडेशन की अध्यक्ष पुष्पा देवी ने दी है। उनके मुताबिक उनकी संस्था लगातार समाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रही है। इसमें स्कूली छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रखना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, पर्यावरण सुरक्षा, पौधरोपण के अलावा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में लोगों को जागरूक करना है। पुष्पा ने बताया कि आज कुल्लू से पुलिस अधीक्षक गौकुल कार्तिकेयन से मिलकर उनकी टीम ने मुख्य अतिथि के लिए न्योता दिया है, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। पुष्पा देवी ने बताया कि उनकी संस्था को हर तरफ से हमेशा अच्छा सहयोग मिलता है तथा स्कूल प्रबंधन के साथ साथ प्रशासन की तरफ से भी बहुत सहयोग मिलता है। इस मौके पर संस्था के उपाध्यक्ष शिवा शालनी तथा सचिव लीलावती भी मौजूद थी।

केहर सिंह ने लोटपोट किया कुल्लू कॉन्वेंट स्कूल

एक्टिव मोनाल कल्चरल एसोसिएशन 'रंगमंच गांव-गांव, आंगन-आंगन' के अंतर्गत 14 स्कूलों में करवा रही नाट्स प्रस्तुतियों का आयोजन।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

एक्टिव मोनाल कल्चरल एसोसिएशन द्वारा 'रंगमंच गांव-गांव, आंगन आंगन' की अवधारणा के अंतर्गत कुल्लू में आसपास के 14 स्कूलों में एकल अभिनय नाट्य प्रस्तुति लगातार जारी है। इसी कड़ी में नाटक 'कहानियों की कहानी' का तीसरा सफल मंचन ढालपुर स्थित कुल्लू कॉन्वेन्ट स्कूल में हुआ।

केहर सिंह ठाकुर द्वारा अभिनीत व निर्देशित यह नाट्य प्रस्तुति सभी स्कूलों के बच्चों को खूब पसंद आ रही है। इस नाट्य प्रस्तुति का फॉर्मेट हास्य व्यंग्य से भरपूर होने के कारण बच्चे झट से इससे कॉनेक्ट हो जाते हैं और अलग-अलग कहानियों के पात्रों के लोक में यात्रा करने लगते हैं।

कुल्लू कॉन्वेट स्कूल के छात्रों को भी इस नाटक ने खुब गुदगुदाया और उन्होंने भी तालियों की गड़गड़ाहट से इस प्रस्तुति का स्वागत किया और बहुत से बच्चों ने इससे प्रभावित होकर ऐक्टिव मोनाल संस्था द्वारा आने वाले दिनों में बच्चों की एकल अभिनय की प्रस्तुतियों की करवाई जाने वाली प्रतियोगिता में भाग लेने की इच्छा प्रकट की। कुल्लू कॉन्वेंट स्कूल के प्रिंसिपल सुरेश ठाकुर ने कहा कि इस तरह की प्रस्तुतियों से बच्चों के व्यक्तित्व के विकास में बहुत ज्यादा मदद मिलती है।

इस अवसर पर स्कूल की प्रबन्ध निर्देशिका रितु ठाकुर तथा स्कूल के अध्यापक विशेष रूप से उपस्थित रहे। नाट्य प्रस्तुति में मंच पार्श्व का कॉस्ट्यूमज, पार्श्व संगीत संचालन तथा सैट व प्रॉपर्टीज आदि का कार्य क्रमश: मीनाक्षी, परमानंद पिंकू तथा रेवत राम विक्की ने किया।

कुल्लू में टीचर होम कमेटी ने जरूरतमंद बच्चों को बांटी किताबें

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

कुल्लू जिले के मुख्यालय ढालपुर के बचत भवन में टीचर होम कमेटी के द्वारा जरूरतमंद बच्चों को निशुल्क किताबें वितरित की गईं, ताकि आगामी समय में उन्हें शिक्षा ग्रहण करने में दिक्कतों का सामना न करना पड़े। टीचर होम कमेटी के द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में कुल्लू के डीसी तोरुल एस रवीश भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान 11वीं और 12वीं के कई छात्रों को ये किताबें निशुल्क उपलब्ध करवाई गईं। वहीं, डीसी ने भी टीचर होम कमेटी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि कई बार बच्चे किताबें न होने के चलते शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते हैं, ऐसे में कमेटी के द्वारा जो यह कदम उठाया गया है, वह काफी सराहनीय है।

इस कदम से गरीब बच्चों को सालभर किताबों की चिंता नहीं होगी और वे आसानी से शिक्षा ग्रहण कर पाएंगे। कमेटी के सदस्यों के द्वारा समय-समय पर छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा की भी तैयारी करवाई जाती है, ऐसे में जवाहर नवोदय की परीक्षा में भी कई छात्रों ने सफलता हासिल की है और टीचरों के विभिन्न कार्यों को लेकर भी कमेटी प्रयासरत रहती है।

कुल्लू की डीसी तोरुल एस रवीश जरूरतमंद बच्चे को पुस्तकें वितरित करती हुईं।

बंजार दौरे पर आएंगे मुख्यमंत्री सुक्खू : मियां

अनंत ज्ञान, सैंज

सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू के प्रस्तावित बंजार दौरे को लेकर बुधवार को लारजी और बंजार में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बैठक कर भव्य स्वागत की रूपरेखा तैयार की। दोनों बैठकों की अध्यक्षता एपीएमसी कुल्लू एवं लाहौल-स्पीति के अध्यक्ष राम सिंह मियां ने की।

मियां ने बताया कि सीएम 29 अप्रैल से 1 मई या 5 मई से 10 मई की किसी भी तारीख को बंजार विस का दौरा कर सकते हैं। सीएम का रात्रि विश्राम बंजार के दुर्गम गांव शरची में होना तय हुआ है। सुक्खू सरकार के महत्वकांक्षी कार्यक्रम 'सरकार चली गांव की ओर' के तहत जहां दुर्गम गांव की समस्याओं का समाधान किया जाएगा, वहीं ठेठ सराजी रहन सहन को पर्यटन से जोड़े जाने की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी। हाल ही में बंजार विस का एक प्रतिनिधिमंडल सीएम से मिलकर आ चुका है। सीएम ने इस माह ने अंत या मई माह के दूसरे सप्ताह में बंजार आने का भरोसा दिया है। राम सिंह मियां ने बताया कि पार्टी के कार्यकर्ताओं और प्रशासनिक

लारजी में आयोजित कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक के दौरान उपस्थित पदाधिकारी।

लारजी में सीएम के प्रस्तावित दौरे को लेकर तैयार की रूपरेखा

बोले-पर्यटन को लगेंगे पंख

अधिकारियों को दौरे की तैयारियां करने के आदेश दिए जा चुके हैं।

प्रस्तावित दौरे में सीएम पलाहच हेलिपैड पर उतरेंगे, जहां पार्टी के प्रमुख कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। इसके बाद लोक निर्माण विभाग के बंजार रेस्ट हाउस में प्रशासनिक अधिकारियों से बैठक में बाद सीएम शाइरोपा स्थित ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क के परिसर में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू क्षेत्र की लगभग दस करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। दोपहर का भोजन शाइरोपा में होगा। देर शाम वह तीर्थन घाटी के सुंदर गांव शरची के लिए रवाना होंगे। रात्रि विश्राम भी इसी गांव में होगा। र

मियां ने बताया कि सीएम के समक्ष बंजार में बस डिपू, सैंज अस्पताल में स्टाफ की मंजूरी और सैंज के मिनी सचिवालय की मांग को प्रमुखता से रखा जाएगा। शरची गांव में प्रशासनिक अमला पहुंचने से लोगों को यहां के पर्यटन को पंख लगने की उम्मीद है।

आयोजन ठाकुर वेदराम जयंती के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में धर्मेंद्र, सूरत राम, करतार ने मचाई धूम

भुट्टिको के कलाकारों ने दिखाई संस्कृति की झलक

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

ठाकुर वेदराम राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार समारोह के पश्चात चांद कुल्लवी लाल चंद प्रार्थी सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि चारू प्रार्थी रही तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व कस्टम अधिकारी सोनम उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मंत्री एवं सहकारिता शिरोमणि पुरुष सत्य प्रकाश ठाकुर ने की।

सांस्कृतिक संध्या में पधारे मुख्य अतिथि का भुट्टिको प्रबंधन ने टोपी मफलर व स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया। इस मौके पर भुट्टिको के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। प्रसिद्ध लोक गायक धर्मेंद्र शर्मा ने पिपली खाई लागी शी-शी गाकर दर्शकों को खूब नचाया। इसके बाद धर्मेंद्र शर्मा ने एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुति देकर खूब धमाल मचाई। इसमें मेरी बालमा रोहणा मिलिए आसा, हिंऊयां रे लागे पूणे, हो झुरी पागले,

भुट्टिको सभागार में आयोजित चांद कुल्लवी लाल चंद प्रार्थी सांस्कृतिक संध्या के दौरान पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुति देते कलाकार।

प्यारी इंद्रा, जाचा वे जाणा आदि गीत शामिल हैं।

वहीं, नेपाल से आए शंभु प्रशाद घिमरे ने नेपाली गीत गाकर दर्शक नचाए, जबकि प्रसिद्ध बांसुरी बादक राम देव कपूर ने बांसुरी की धुन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया और लाहौली गीत सहित बसा च आईओ तेरी याद आदि गीत गाकर माहौल को रंगीन बनाया। प्रसिद्ध साहित्यकार एवं गीतकार डॉ. सूरत ठाकुर ने काफल पाके बोदिये, ओछी भीणे सराजणीएं, बबली प्यारीए, भेड़ा लाई चारणी पारले थाचे, देउआ रिषेया आदि गीतों की झड़ी लगाकर दर्शकों को खूब नचाया।

आकाशवाणी लोक गायक करतार कौशल ने मंच पर आते ही कुल्लवी संस्कृति को दोहराते हुए लामन और कुल्लवी नाटी प्रस्तुत की। इसके पश्चात कौशल ने भीमा सराजनिया, हांया मेरीए धींगा धींगियै गीत गाकर सभागार में बैठे दर्शकों को नचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कलाकार आईएस चांदनी ने लामणु से शुरुआत की और शोभली झुरिये सहित कई गीत पेश किए। भुट्टिको की कलाकार निर्मला देवी ने म्हारे बोला हो ठाकुर सत्य प्रकाशा गीत गाकर सहकारिता शिरोमणि पूर्व मंत्री सत्य प्रकाश ठाकुर की जीवनी पर प्रकाश डाला।

नन्ही कलाकार नविका एंड पार्टी ने शानदार नृत्य कर दर्शकों को दांतों तले अंगुली दबाने पर मजबूर किया। इस अवसर पर भुट्टिको के मुख्य सलाहकार रमेश ठाकुर सहित भुट्टिको के सभी कर्मचारी खूब झूमे।

डीसी ने सीबीयूडी ऐप को प्रभावी रूप से प्रयोग करने के दिए निर्देश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

उपायुक्त तोरुल एस रवीश ने जिले में भूमिगत संरचनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और खुदाई कार्यों के दौरान किसी भी प्रकार की क्षति से बचाव को कॉल बिफोर यू डिग (सीबीयूडी) ऐप का प्रभावी रूप से प्रयोग एवं क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उपायुक्त बुधवार को बचत भवन बैठक कक्ष में भूमिगत विकास परियोजनाओं के लिये सुरक्षित उत्खनन के लिए कॉल बिफोर यू डिग (सीबीयूडी) ऐप के क्रियान्वयन पर चर्चा के लिए बुलाई बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं ।

बैठक में लोक निर्माण विभाग, जलशक्ति विभाग, बिजली बोर्ड, वन विभाग, राष्ट्रीय उच्च मार्ग, नगर परिषद, राजस्व विभाग, पंचायतीराज विभाग सहित कई अन्य विभाग शामिल थे। उपायुक्त ने कहा कि जिले में विभिन्न निर्माण और विकास कार्यों के दौरान कई बार बिना पूर्व जानकारी के खुदाई से भूमिगत टेलीफोन लाइनों, बिजली केबल, जल आपूर्ति पाइप लाइन आदि को नुकसान होता है, इससे न केवल विभागों को आर्थिक क्षति होती है, बल्कि आम नागरिकों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है।

इस स्थिति से बचाव के लिए 'कॉल बिफोर यू डिग' ऐप एक अत्यंत उपयोगी माध्यम है, जिसे सभी संबंधित विभागों को अनिवार्य रूप से अपनाना चाहिए। बैठक में सहायक आयुक्त शशि पल नेगी सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे ।

उपायुक्त ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे सीबीयूडी ऐप के प्रयोग को अपनी कार्यप्रणाली में शामिल करें और सुनिश्चित करें कि भविष्य में कोई भी खुदाई बिना पूर्व अनुमति एवं समन्वय के न की जाए।

जिले के 430 गांव फोर जी सुविधा से कवर

बैठक के दौरान हिमाचल प्रदेश ग्रामीण लाइसेंस सेवा क्षेत्र के निदेशक चंद्रभान यादव ने ऐप की कार्यप्रणाली पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि यह ऐप भारत सरकार के दूरसंचार विभाग की एक अभिनव पहल है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 22 मार्च, 2023 को लॉन्च किया गया था। ऐप का उद्देश्य खुदाई करने वाली एजेंसियों और भूमिगत संपत्ति के मालिकों के बीच समन्वय स्थापित करना है। उन्होंने जानकारी दी कि कुल्लू जिले में वर्तमान में 441 में 434 गांव टेलीकॉम कवरेज के अंतर्गत हैं जिसमें से 430 गांव फोर जी सुविधा से कवर हैं। उन्होंने कहा कि जीआईएस मैपिंग के लिए स्ट्रीट फर्नीचर के रूप में विभिन्न परिसंपत्तियों को को चिन्हित किया गया है। इससे भविष्य में इनके संगृहीत आंकड़ों को प्रयोग सर्विस प्रवाइडर द्वारा किया जा सके। उन्होंने कहा कि बीएसएएल कि फोर जी सचुरेशन स्कीम में 5 साइटों में काम होना प्रस्तावित है।

पहलगाम हमले में पाकिस्तान की साजिश : खुशाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। जम्मू कश्मीर के पहलगांव में जो आतंकी हमला किया गया, उसमें पाकिस्तान का पूरा हाथ है क्योंकि बीते दिनों ही पाकिस्तान सेना प्रमुख ने भी बयान दिया था कि कश्मीर को वह कभी नहीं भूल सकते और हिंदू और मुस्लिम कभी आपस में इकट्ठे नहीं हो सकते हैं। ऐसे में उनके बयान से ही लग रहा था कि वह लोग भारत में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने वाले हैं।

कुल्लू जिले के मुख्यालय ढालपुर में पत्रकारों से बातचीत में कारगिल वॉर हीरो सेवानिवृत्ति ब्रिगेडियर खुशाल ठाकुर ने कहा कि अबकी बार आतंकवादियों ने सेना को हमला नहीं बनाया, क्योंकि उन्हें पता था कि भारत की सेना काफी मजबूत है। अबकी बार उन्होंने निर्दोष लोगों को अपना निशाना बनाया ताकि भारत में हिंदू और मुस्लिम समुदाय के बीच टकराव की स्थिति बन सके।

न्यूज ब्रीफ

निजी अस्पताल में भड़की आग, पाया काबू

अनंत ज्ञान, पांवटा। सिरमौर जिले के पांवटा साहिब के भंगानी साहिब मार्ग पर एक निजी अस्पताल में अग्निकांड की घटना सामने आई है। इस दौरान अस्पताल से धुंआ उठता देख आसपास के ग्रामीण एकत्रित हुए, उन्होंने तुरंत आग पर काबू पाया गया। इस दौरान यहां अस्पताल में अग्निकांड से नुकसान हुआ है। लोगों की सूझबूझ से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया।

उपमुख्यमंत्री कल सोलन जिले के प्रवास पर

अनंत ज्ञान, सोलन। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री 25 अप्रैल को सोलन जिले के प्रवास पर आ रहे हैं। मुकेश अग्निहोत्री 25 अप्रैल को प्रातः 9.30 बजे सोलन शहर के गंज बाजार में श्री लक्ष्मी सिंह व्यवसायिक परिसर के शुभारंभ समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे।

विस उपाध्यक्ष का सिरमौर प्रवास कार्यक्रम

अनंत ज्ञान, नाहन। हिमाचल प्रदेश विधानसभा उपाध्यक्ष विनय कुमार 24 व 25 अप्रैल को भी सिरमौर जिले के प्रवास पर रहेंगे। यह जानकारी सरकारी प्रवक्ता ने देते हुए बताया कि विधानसभा उपाध्यक्ष 24 अप्रैल को स्थानीय पंचायतों का दौरा कर लोगों से मिलेंगे तथा 25 अप्रैल को कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे।

शंकर विद्या निकेतन में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

अनंत ज्ञान, सराहां। शंकर विद्या निकेतन पब्लिक हाई स्कूल सराहां में विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। विज्ञान अध्यापिका हर्षिता तोमर ने विश्व पृथ्वी दिवस पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इसके बाद जेबीटी अध्यापिका रंजीता वर्मा, मधु गौतम की अगुवाई में सभी कक्षाओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करवाए गए। कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा दसवीं तक विश्व पृथ्वी दिवस पर चार्ट प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता करवाई गई तथा भाषण के माध्यम से सभी को पृथ्वी दिवस की उपलब्धता से जागरूक करवाया गया। प्रबंधक महेंद्र पाल नेहरू, सलाहकार सुनंदा आर्या, प्रधानाचार्य डॉ. रागिनी नेहरू भटनागर ने सभी बच्चों को पृथ्वी दिवस की शुभकामनाएं दीं। विद्यालय की उपप्रधानाचार्य संजना शर्मा समस्त अध्यापक व स्टाफ उपस्थित रहा।

किशोरियों को स्वस्थ रहने के दिए टिप्स

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। द हंस फाउंडेशन की मोबाइल मेडिकल यूनिट-4 दाड़लाघाट ने सरस्वती विद्या मंदिर स्यार में किशोरियों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में 80 लोगों ने भाग लिया, जिसमें हीमोग्लोबिन परीक्षण सत्र और 66 लड़कियों को सैनिटरी किट वितरित की गईं। कार्यक्रम में आयरन युक्त आहार, मासिक धर्म स्वच्छता और स्वस्थ जीवन शैली के महत्व पर जागरूकता बढ़ाई गई। टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के बारे में भी जानकारी दी गई। इस पहल का उद्देश्य एनीमिया का जल्द पता लगाना, मासिक धर्म स्वच्छता और संतुलित आहार को बढ़ावा देना है।

गर्ल्स स्कूल में पर्यावरण संरक्षण के लिए किया प्रेरित

अनंत ज्ञान, सराहां। गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल सराहां में पृथ्वी दिवस के अवसर पर विद्यालय के कार्यवाहक प्रधानाचार्य अभिलाष शर्मा ने बच्चों पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया, साथ ही स्कूल में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां इस उपलक्ष में करवाई गईं। इसमें स्कूल कैंपस के चारों और सफाई करवाई गई तथा चित्रकारी प्रतियोगिता, स्लोगन राइटिंग व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। इस उपलक्ष्य पर सभी छात्राओं और अध्यापकों ने प्रण लिया कि अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखेंगे और पृथ्वी को स्वच्छ बनाने में लोगों को भी जागरूक करेंगे ताकि यह पृथ्वी हमारे लिए एक स्वच्छ और सुंदर स्थान बन सके।

बुघार स्कूल में वर्ल्ड इंग्लिश डे मनाया

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बुघार में प्रधानाचार्य रेखा राठौर की अध्यक्षता में वर्ल्ड इंग्लिश डे मनाया गया। लर्निंग क्लब के तहत प्रवक्ता अंग्रेजी दीपक ठाकुर, टीजीटी आर्ट्स राज ठाकुर और टीजीटी आर्ट्स सुरेश कुमार के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को सृजनात्मक गतिविधियों में शामिल कराकर अंग्रेजी भाषा को सीखने और उसके प्रयोग के लिए प्रेरित किया जाएगा। इससे पूर्व प्रातःकालीन सभा में प्रवक्ता अंग्रेजी दीपक ठाकुर ने वर्ल्ड इंग्लिश डे के अवसर पर विद्यार्थियों से अंग्रेजी भाषा का इतिहास और अंग्रेजी भाषा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। प्रधानाचार्य रेखा राठौर ने कहा कि इस लर्निंग क्लब के तहत गतिविधियों के तहत विद्यार्थी अंग्रेजी भाषा को सीखने के लिए प्रेरित होंगे।

बसाल कॉलोनी में बने मलबे के डंपिंग ग्राउंड

हिमुडा के न्यूनतम हस्तक्षेप से कॉलोनी में रहने वाले लोगों की बढ़ी दिक्कतें

आर मोहन चौहान, सोलन

नगर निगम सोलन के दायरे में आ चुकी हिमुडा की बसाल कॉलोनी के बाशिंदों को मूलभूत सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है। हिमुडा की उपेक्षा से यहां पर पार्किंग, पेयजल किल्लत और बिजली समस्या का सामना करना पड़ रहा है, जबकि यहां आवंटित आवासीय प्लॉट मालिकों को बुनियादी ढांचे के साथ एक आधुनिक आवासीय क्षेत्र के रूप विकसित करने का आश्वासन दिया था, बावजूद इसके कॉलोनी अब कई मुद्दों से ग्रस्त है, जिसमें अव्यवस्थित हरित क्षेत्र और अवैध निर्माण शामिल हैं।

किसी भी आवासीय कॉलोनी में हरित क्षेत्र (ग्रीन लैंड) जिन्हें मूल रूप से टाउनशिप के रूप में नामित किया जाता है, पर बसाल में अब हिमुडा के न्यूनतम हस्तक्षेप के साथ निर्माण मलबे के डंपिंग ग्राउंड में बदल गए हैं। कॉलोनी की समस्याओं को लंबे अरसे से सक्रिय रूप से उठाने वाले स्थानीय निवासी विवेक शर्मा ने

कॉलोनी की सड़क पर अवैध तरीके से लगाए गए स्पीड ब्रेकर, जिसे बाद में हटा दिया।

कहा कि जो क्षेत्र मनोरंजन और हरियाली के लिए थे, लेकिन अब वे एक आंखों में खटकने वाली चीज बन गए हैं।

शर्मा का कहना है कि कॉलोनी के चारों तरफ बड़ी समस्या बाड़बंदी की कमी है, जिसने अनधिकृत अतिक्रमण और बिना मंजूरी के निर्माण को बढ़ावा मिल रहा है। शर्मा ने कहा कि बिल्डर खुलेआम फर्श बेच रहे हैं जो कि आवासीय लेआउट मानदंडों का उल्लंघन है और हिमुडा मूकदर्शक बना हुआ है। हाल ही कुछ प्रभावशाली लोगों ने कथित तौर पर आंतरिक सड़कों पर अनधिकृत स्पीड ब्रेकर का निर्माण किया।

हालांकि शिकायतों के बाद निर्माण को अंततः रोक दिया गया था, लेकिन स्पीड ब्रेकर पहले ही बनाए जा चुके हैं जो वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बन गए हैं। हिमुडा के पास उन्हें हटाने के लिए न तो स्टाफ है और न ही संसाधन। विवेक शर्मा ने इसकी शिकायत

कॉलोनीवासियों में बढ़ रही निराशा

500 बीघा में फैली यह कॉलोनी अपर्याप्त पार्किंग की समस्या से भी जूझ रही है, खास तौर पर इसकी ऊंचाई के कारण। सामुदायिक हॉल, स्वास्थ्य केंद्र और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं के शुरुआती वादों के बावजूद, इसकी स्थापना के दशकों बाद भी ऐसा कोई बुनियादी ढांचा नहीं बन पाया है। कॉलोनी के रखरखाव का जिम्मा सोलन नगर निगम को सौंपने के हिमुडा के प्रयास भी सफल नहीं हुए हैं। कथित तौर पर नगर निगम ने शर्तों को पूरा न किए जाने और अधूरे विकास के कारण प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। निवासियों की परेशानी में लगातार बिजली कटौती भी शामिल है, खास तौर पर तूफान के दौरान, जिससे एक सुनियोजित आवासीय क्षेत्र बनने के बावजूद उनकी निराशा बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर में की है। मामला उजागर होने के बाद हिमुडा के मुख्य अभियंता सुरिंदर वशिष्ठ ने फील्ड स्टाफ से रिपोर्ट मांगी है। (अनंत ज्ञान)

ग्रामीणों ने प्रधान पर लगाया विकास कार्यों में अनियमितताओं का आरोप

अनंत ज्ञान, नाहन

सिरमौर जिले के पच्छाद क्षेत्र की बाग पशोग पंचायत एक बड़े विवाद में घिर गई है। पंचायत के ग्रामीणों ने प्रधान राजेश्वरी शर्मा पर पंचायत के विकास कार्यों में गबन और वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। नाहन में पत्रकार वार्ता के दौरान ग्रामीण रणवीर सूद और जगदेव कुमार ने बताया कि सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त दस्तावेजों से यह स्पष्ट होता है कि पंचायत द्वारा 30 बैंचों के लिए 1.5 लाख रुपए खर्च किए गए, जबकि मौके पर केवल 11 बेंच ही लगे पाए गए।

तारीख और बिल में विसंगतियां

ग्रामीणों ने दो बिल प्रस्तुत किए, जिनमें एक 17 अप्रैल, 2020 और दूसरा बिल एक अगस्त, 2022 का था। ग्रामीणों का कहना है कि 2020 में न तो वर्तमान प्रधान पद पर थीं और न ही वर्तमान सचिव कार्यरत थे। इससे यह स्पष्ट होता है कि दस्तावेजों में हेरफेर की गई है। ग्राम पंचायत भवन में लकड़ी की पैनलिंग के लिए किए गए कार्यों में भी अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं। कोटेशन में ओवरराइटिंग की गई है और आशु एल्युमिनियम

कोटेशन एक दुकान से, भुगतान दूसरी को

आशु एल्युमिनियम के नाम से पारित की गई जबकि 3 लाख रुपए का भुगतान आशु ट्रेडर्स को किया गया, जिसकी पुष्टि ग्रामीणों ने आरटीआई के आधार पर ग्रामीणों ने मनरेगा सहित अन्य विकास कार्यों में भी घपले के आरोप लगाए हैं। उन्होंने पंचायत सचिव और खंड विकास अधिकारी पर अधूरी जानकारी देने का भी आरोप लगाया।

जांच रिपोर्ट जल्द की जाएगी सार्वजनिक : पंचायत प्रधान

इस पूरे मामले पर पंचायत प्रधान राजेश्वरी शर्मा से प्रतिक्रिया ली गई तो उन्होंने बताया कि मामले की जांच एसडीएम पच्छाद द्वारा की जा रही है और रिपोर्ट जल्द ही सार्वजनिक की जाएगी।

सोलन के नाम से जारी परफॉर्मा इनवॉइस में आइटम कोड, मात्रा और दरों का उल्लेख नहीं है। सभी बिलों में केवल 'पेटी अमाउंट' दर्शाया गया है और किसी पर तारीख तक नहीं लिखी गई है।

आपराधिक घटनाओं की रोकथाम को पांवटा साहिब बने पुलिस जिला

अनंत ज्ञान, पांवटा साहिब

सिरमौर जिले के पांवटा साहिब में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए स्थानीय लोगों और सामाजिक संस्थाओं ने इसे पुलिस जिला घोषित करने की मांग सरकार से की है। गुरु नगरी पांवटा साहिब को इन सभी घटनाओं से निजात पाने के लिए बद्दी, देहरा इत्यादि की तर्ज पर पांवटा साहिब में भी पुलिस अधीक्षक की नियुक्ति की जानी चाहिए।

पांवटा साहिब ऐसा संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है, जिस क्षेत्र से अनेक राज्यों की सीमाएं लगती हैं, जैसे उत्तराखंड, हरियाणा, और उत्तर प्रदेश की सीमा के भी बिलकुल नजदीक पाया जाता है, जो पांवटा साहिब एक धार्मिक स्थल के साथ-साथ प्रसिद्ध औद्योगिक क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है, जिस धार्मिक स्थल पर सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह की तपस्थली और पुण्य भूमि मानी जाती है, पर यहां पर अवैध खनन, हत्या, गौकसी, अपहरण जैसी

बुद्धिजीवी बोले-पांवटा साहिब में की जाए पुलिस अधीक्षक की नियुक्ति

आपराधिक घटनाएं बढ़ गई हैं।

स्थानीय समाजसेवी हेमन्त शर्मा, गौसेवक सचिन ओबराय, प्रसिद्ध समाजसेवी राजेंद्र तिवारी, सक्रिय समाजसेवी संदीप लांबा, समाजसेवी संजय कंवर, समाजसेवी मनींद्र सिंह मनी, आदर्श गुप्ता, शिक्षाविद राजेंद्र ठाकुर, राजेंद्र चौहान, अश्विनी राणा, अजय चौधरी, भरत ठाकुर, हेमराज राणा, अजय नेगी, जय ठाकुर, शिक्षाविद भीम सिंह चौहान, कपिल चौहान, दिनेश चौधरी, समाजसेवी सुनिल चौधरी, धीरज शर्मा, कमल चौहान, सुरजीत चौधरी, करण शर्मा, अजय कुमार, नितिन राणा, शिक्षाविद अंजय कंवर, विक्रम चौहान इत्यादि दर्जनों क्षेत्र के लोगों ने पांवटा साहिब को पुलिस जिला बनाने की मांग की है।

अस्पताल में चोरी के मामले में एक गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, सोलन

कंडाघाट अस्पताल में कार्यरत मिड वाइफ के पर्स से चोरी हुए नकदी और सोने की अंगूठी के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। सोलन के एसपी गौरव सिंह के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक एक महिला शिकायतकर्ता ने पुलिस थाना कंडाघाट में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि यह सिविल अस्पताल कंडाघाट में मिडवाइफ के पद पर कार्यरत हैं। 24 अप्रैल को इनकी ड्यूटी सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक थी। ड्यूटी पर पहुंचने के बाद उन्होंने अपना पर्स ड्यूटी रूम में रखा था।

दिन के समय अस्पताल में काफी मरीज आने के कारण वह ड्यूटी में व्यस्त रहीं। ड्यूटी समाप्त होने के बाद यह शाम के समय अपने घर पहुंचीं। घर पर इनकी बेटी ने इनसे पैसे मांगे तो उसको पैसे देने के लिए जब उन्होंने अपना पर्स खोला तो पर्स में रखी नकदी 9500/- व एक सोने की अंगूठी गायब पाई। इस पर उपरोक्त मुकदमा थाना कंडाघाट में पंजीकृत किया गया। इस अभियोग के अन्वेषण के दौरान पुलिस थाना कंडाघाट की टीम द्वारा मौका से जुटाए गए तकनीकी साक्ष्यों तथा सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण के आधार पर 22 अप्रैल को ही चोरी की इस वारदात में संलिप्त आरोपी जतिन पुत्र सीताराम निवासी गांव दोलग, डा. कंडाघाट जिला सोलन को कंडाघाट से गिरफ्तार किया गया है।

कंडाघाट अस्पताल में चोरी का आरोपी पुलिस की गिरफ्त में।

जांच के दौरान पाया गया है कि यह आरोपी एक आदतन अपराधी है, जो इससे पहले भी चोरी के कुल 5 मामलों में (थाना कंडाघाट-3, थाना सदर सोलन-1, थाना धर्मपुर-1) संलिप्त रहा है। इन अभियोगों में इस आरोपी ने नकदी, गहनों व अन्य सम्पत्ति जिसकी कुल कीमत करीब 2.65 लाख रुपए है, की चोरी की थी। यह आरोपी इन सभी मामलों में जमानत पर रिहा है। इस आरोपी को अदालत में पेश किया जा रहा है। अभियोग का अन्वेषण जारी है।

पांवटा में अवैध खनन पर विद्यार्थी परिषद मुखर

अनंत ज्ञान, पांवटा। पांवटा साहिब क्षेत्र में दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे अवैध खनन को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कड़ी आपत्ति जताई है। विभाग सह संयोजक अभी ठाकुर ने सीएम सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार को चेताया है कि यदि जल्द ही इस अवैध गतिविधि पर रोक नहीं लगाई गई, तो परिषद जन आंदोलन की ओर अग्रसर होगी।

विद्यार्थी परिषद का कहना है कि पांवटा साहिब और इसके आसपास के क्षेत्रों में अवैध खनन से न केवल प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हो रहा है, जिससे पर्यावरण संतुलन भी बिगड़ रहा है। इससे स्थानीय लोगों के जीवन पर सीधा असर पड़ रहा है। अभी ठाकुर ने कहा कि सरकार की नाक के नीचे यह सब कुछ हो रहा है, और प्रशासनिक मशीनरी इसे रोकने में असफल साबित हो रही है।

सोलर फेंसिंग कर रही फर्म पर लगाएं पेनल्टी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

राजस्व एवं बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी की अध्यक्षता में एचपी शिवा परियोजना की गवर्निंग काउंसिल की तीसरी बैठक आयोजित हुई। बैठक में परियोजना से संबंधित कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में अवगत करवाया गया कि एचपी शिवा परियोजना प्रदेश के सात जिलों में क्रियान्वित की जा रही है। इसकी कुल लागत 1292 करोड़ रुपए है, जिसमें 1030 करोड़ रुपए एशियन विकास बैंक का ऋण और 262 करोड़ रुपए राज्य सरकार का अंशदान है। अब तक इस परियोजना के तहत 190 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं।

परियोजना के अंतर्गत चार हजार हेक्टेयर भूमि पर सोलर फेंसिंग का कार्य प्रस्तावित है, जिसमें जून 2025 तक 2750 हेक्टेयर भूमि पर कार्य पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा अब तक 828 हेक्टेयर भूमि पर सोलर फेंसिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है। बागवानी मंत्री ने

जगत सिंह नेगी बैठक की अध्यक्षता करते हुए।

एचपी शिवा परियोजना की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में बागवानी मंत्री ने दिए निर्देश

अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सोलर फेंसिंग और फील्ड तैयारी कर रही फर्मों द्वारा समय पर कार्य पूरा न करने की स्थिति में अनुबंध के अनुसार पेनल्टी लगाई जाए। उन्होंने डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी सोलन को प्लम और जापानी फल (पर्सिमन) के उच्च गुणवत्ता वाले पौधे किसानों को उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

बैठक में 66 एजेंडा आइटम्स को अनुमोदित किया गया, साथ ही अवगत करवाया कि एचपी शिवा परियोजना के अंतर्गत एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया जा रहा है, जिसमें 75 प्रकार की कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित सेवाएं जैसे पौध सुरक्षा, रोग प्रबंधन, मिट्टी की जांच, नमी का स्तर, मौसम की जानकारी, उत्पादन की ट्रेसिंग व ट्रैकिंग, क्षमता निर्माण और विपणन आदि उपलब्ध करवाई जाएंगी।

वशिष्ठ केमिकल फैक्टरी में देर रात लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

दमकल कर्मियों ने 10 घंटे में पाया आग पर काबू

अनंत ज्ञान, नाहन

कालाअंब के औद्योगिक क्षेत्र ओगली में स्थित वशिष्ठ केमिकल फैक्टरी में मंगलवार देर रात एक भीषण अग्निकांड हुआ, जिसमें लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। यह आग फैक्टरी के गोदाम के ईंधन सेक्शन में लगी थी, जो तेजी से फैल गई। समय रहते दमकल विभाग की कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया।

यह घटना मंगलवार रात 11.23 बजे के आसपास की है। आग की सूचना मिलते ही कालाअंब फायर चौकी से टीम तुरंत मौके पर रवाना हुई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नाहन से भी एक अतिरिक्त फायर टेंडर मौके पर बुलाया गया।

करीब 10 लोगों की दमकल टीम ने दो फायर टेंडर और दो जेसीबी की मदद से आग पर काबू पाया। सुबह करीब 11 बजे जाकर आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया जा सका। हवा के कारण आग बुझाना काफी चुनौतीपूर्ण रहा।

वशिष्ठ केमिकल फैक्टरी में लगी आग का दृश्य।

टिप्पर के टायर चोरी करने का आरोपी काबू

अनंत ज्ञान, सोलन

भोपाल सिंह पुत्र निवासी तहसील अर्की, जिला सोलन ने थाना कुनिहार में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि यह कुनिहार-अर्की सड़क पर कुणी पुल के पास अपना मकान में होटल चलाते हैं। पिछले काफी समय से अस्वस्थ होने के कारण यह अपने होटल न जा सके, जिस बजह से इनका काफी सामान होटल के अंदर व बाहर पड़ा रहता है।

करीब एक माह पहले इन्होंने अपनी गाड़ी नंबर HP11-A-3987 (टिप्पर) का पुराना टायर खोल कर रबड़ चढ़ाने के लिए अपने होटल के बाहर रखा हुआ था। गत 17 अप्रैल को जब यह अपने होटल गएतो पाया कि इनके उपरोक्त टिप्पर का टायर व अन्य छोटा-मोटा लोहे का सामान होटल के बाहर नहीं था, जिसे वहां से कोई नामालूम व्यक्ति चोरी करके ले गया है। इनके चोरी हुए सामान की कीमत करीब 10,000 रुपए है। इस पर उपरोक्त मुकदमा थाना कुनिहार में पंजीकृत किया गया। इस अभियोग के अन्वेषण के दौरान

पुलिस की गिरफ्त में टिप्पर के टायर चोरी करने का आरोपी।

पुलिस थाना कुनिहार की टीम द्वारा मौका से जुटाए गए तकनीकी साक्ष्यों तथा सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण के आधार पर गत मंगलवार को ही चोरी की इस वारदात में संलिप्त आरोपी कुलविंद्र पुत्र अमरजीत सिंह निवासी आनंदपुर साहिब जिला रोपड़ पंजाब उम्र 43 साल को कुनिहार से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी द्वारा वारदात में प्रयुक्त वाहन बोलेरो कैंपर नंबर TO523HP-4799, जो इसी के नाम पर दर्ज है, को भी जब्त कर लिया गया है।

इस आरोपी को अदालत में पेश किया जा रहा है तथा इसके पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड का भी पता किया जा रहा है। अभियोग का अन्वेषण जारी है।

सेवानिवृत्त कर्नल तुलसी को राजकीय सम्मान के साथ दी अंतिम विदाई

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट

हनुमान बड़ोग पंचायत के कोटला गांव निवासी भारतीय सेना से 1988 में सेवानिवृत्त हुए कर्नल तुलसी राम ठाकुर के निधन पर सैन्य सम्मान के साथ उनके पैतृक गांव में अंतिम संस्कार किया गया। कर्नल तुलसीराम ठाकुर ने सन 1969 में कमीशन पास कर भारतीय सेना में कर्नल के पद को प्राप्त किया था।

कर्नल तुलसीराम ठाकुर अर्की तहसील के शायद पहले ऐसे अधिकारी थे, जिन्होंने सेवा में रहते हुए अनेक युद्धों का नेतृत्व किया और अपनी सूझबूझ का परिचय दिया। अंतिम संस्कार के मौके पर दाड़लाघाट व भराड़ीघाट सैनिक लीग के सभी सदस्यों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके कार्य को याद करते हुए उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की।

भारतीय सेना की टुकड़ी ने अंतिम विदाई देने हेतु कर्नल तुलसीराम ठाकुर को सलामी दी। इस मौके पर कैप्टन नंदलाल, कैप्टन जगदेव राठौर, सूबेदार मेजर जगजीत सिंह, सोलन जिले के पूर्व ट्रांसपोर्ट सोसायटी के प्रधान रोशन लाल ठाकुर, सूबेदार पूरन सिंह, सूबेदार चमन लाल, सूबेदार अनुराग सहित अनेक पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त कर्नल तुलसी राम ठाकुर को देते अंतिम विदाई।

आक्रोश आतंकवाद पर आखिरी चोट करनी ही होगी : आरएसएस सोलन

आतंकी हमले के विरोध में हिंदू संगठनों ने निकाली रैली

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में आक्रोश रैली निकालते हिंदू संगठन।

अनंत ज्ञान, सोलन

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में बुधवार को सर्व हिंदू संगठनों द्वारा सोलन में आक्रोश रैली निकाली। इसमें प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल सहित जिलेभर के भाजपा नेताओं ने हिस्सा लिया।

संगठनों ने प्रधानमंत्री से आतंकियों के खात्मे का आग्रह किया है। माल रोड पर हिंदू संगठनों ने विशाल रैली निकाल कर अपना विरोध किया।

आरएसएस सोलन इकाई के प्रमुख गुरदीप सहानी ने बताया कि इस तरह की घटनाएं निंदनीय हैं। एयर स्ट्राइक या कुछ भी करके आतंकवाद पर आखिरी चोट करनी होगी। हिंदू एक रहेगा तो बचेगा, अन्यथा ये ताकतें प्रहार करती रहेंगी।

भाजपा ने सोलन में किया डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती सम्मान समारोह आयोजित

अनंत ज्ञान, सोलन

भारतीय जनता पार्टी जिला ने सोलन में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रतन सिंह पाल ने की, जबकि समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में पच्छाद की विधायिका रीना कश्यप मौजूद रहीं। समारोह के प्रभारी तरसेम भारती रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के विचारों, संविधान निर्माण में उनके योगदान और सामाजिक समानता की दिशा में उनके प्रयासों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में पूर्व विधायक परमजीत सिंह पम्मी, लखविंद्र राणा, केएल ठाकुर, गोविंद राम शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष रश्मिधर सूद, प्रदेश सचिव डॉ. डेजी ठाकुर एवं प्रदेश प्रवक्ता विवेक शर्मा शामिल थे।

कांग्रेस ने हमेशा डॉ. अंबेडकर की उपेक्षा : डॉ. बिंदल

सोलन। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने सोलन में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए जघन्य आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर हुए इस हमले को देश इस हमले को कभी नहीं भूलेगा। प्रेस वार्ता में डॉ. बिंदल ने कहा कि सोलन में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर उनके सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा डॉ. भीमराव अंबेडकर की उपेक्षा की। कांग्रेस ने उन्हें संविधान सभा का सदस्य बनाने का भी विरोध किया था।

शूलिनी विश्वविद्यालय योग समारोह की करेगा मेजबानी

अनंत ज्ञान, सोलन

आयुष मंत्रालय की समग्र स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती को बढ़ावा देने की पहल के अनुरूप, शूलिनी विश्वविद्यालय 24 अप्रैल को युवराज सिंह स्टेडियम, शूलिनी विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के 58वें दिन की उल्टी गिनती समारोह की मेजबानी करेगा। यह भव्य समारोह योग महोत्सव 2025 का हिस्सा है, जो अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए 75-दिवसीय उल्टी गिनती को चिन्हित करता है, जिसका मुख्य विषय 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने युवाओं और शैक्षणिक समुदाय के बीच योग, तंदुरुस्ती और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए, शूलिनी विश्वविद्यालय के समर्पण को मान्यता देते हुए मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान को इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के समन्वय का काम सौंपा है। यह कार्यक्रम सुबह 7 बजे शुरू होगा और इसमें लगभग 400 योग साधक, संकाय सदस्य और छात्र भाग लेंगे तथा स्थानीय आगंतुक भी इस कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित कॉमन योग प्रोटोकॉल का सामूहिक अभ्यास होगा। प्रतिभागी योग के गहन कायाकल्प प्रभावों का अनुभव करने के लिए अपनी सांस, मन और शरीर को एक साथ जोड़ेंगे।

इस अवसर को बौद्धिक गहराई प्रदान करते हुए, इस कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा विशेषज्ञ वार्ताएं भी होंगी, जिनमें आईआईटी खड़गपुर के प्रख्यात न्यूरोसाइंटिस्ट प्रोफेसर मानस मंडल शामिल होंगे, जो मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाने में योग के न्यूरोलॉजिकल लाभों पर अंतर्दृष्टि साझा करेंगे। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में योग के सहायक प्रोफेसर डॉ. एसपी पाठक, जो योग की पारंपरिक जड़ों और इसकी समकालीन प्रासंगिकता के बारे में दर्शकों को बताएंगे। प्रोत्साहन के प्रतीक के रूप में, सभी प्रतिभागियों को पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर मुफ्त योग टी-शर्ट वितरित की जाएंगी।

जनता की समस्याओं को सुनना और समाधान करना सब की जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री सैनी

जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में 19 में से 18 मामले निपटाए

जगदीश शर्मा, चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनता की बातों को ध्यान से सुनना और समय पर उनका निवारण करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अधिकारी जनमानस की समस्याओं पर स्वत: संज्ञान लेंगे तो उनका समाधान भी शीघ्रता से सुनिश्चित हो सकेगा। सैनी बुधवार को गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, सोहना के विधायक तेजपाल तंवर और गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा भी मौजूद रहे।

बैठक में 19 परिवाद रखे गए, जिसमे से मुख्यमंत्री ने 18 परिवादों का निपटारा करते हुए एक मामले को आगामी बैठक तक लंबित रखने के निर्देश दिए और संबंधित अधिकारियों से आगामी बैठक में स्टेट्स रिपोर्ट लेकर आने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता को किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं आनी चाहिए। शहर में स्वच्छता की तरफ विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि गुरुग्राम को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सके। सैनी ने बैठक से पहले दो मिनट का मौन रख कर जम्मू-कश्मीर में एक दिन पहले हुई दुखद आतंकी घटना के मृतकों को श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने बैठक में सेक्टर 29 स्थित लेजर वैली ग्राउंड में सी एंड वेस्ट के उठान से संबंधित व डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के संदर्भ में निगमायुक्त को एचकेआरएनएल से अतिरिक मैनपॉवर भर्ती करने के निर्देश देते हुए कहा कि गुरुग्राम को एक सुंदर व स्वच्छ तथा सुव्यवस्थित शहर बनाना सरकार की प्राथमिकता है। ऐसे में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में संसाधनों की कमी नहीं रहनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में गांव बेगमपुर खटोला से संबंधित सीवर ओवरफ्लो की शिकायत का निवारण तथा सीवर ओवरफ्लो के लिए दोषी औद्योगिक इकाइयों पर कार्रवाई न करने पर नगर निगम के कार्यकारी अभियंता पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। (अनंत ज्ञान)

मुख्यमंत्री ने किया हरियाणा की पहली 'कंप्लीट स्ट्रीट्स' का निरीक्षण

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि देश ऐसे कठिन समय में एकजुट है और आतंकवाद से डरने या झुकने वाला नहीं है। मुख्यमंत्री ने हमले में मारे गए आम नागरिकों को

श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह कायराना हरकत है, जिसने निर्दोष लोगों की जान ली। नागरिकों का बलिदान सदैव स्मरण रहेगा और हम उनके परिवारों के साथ खड़े रहेंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले विनय नरवाल के परिजनों से भी बात की। मुख्यमंत्री ने परिवार के साथ दुख साझा किया और कहा कि हरियाणा सरकार दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम के उद्योग विहार सेक्टर-18 में हरियाणा की पहली 'कंप्लीट स्ट्रीट्स' का पैदल निरीक्षण किया।

अब सरकारी स्कूलों के छात्रों को मिलेंगी मुफ्त पुस्तकालय सेवाएं

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर, उच्च शिक्षा विभाग, यूटी चंडीगढ़ प्रशासन के तत्वावधान में चंडीगढ़ में सार्वजनिक पुस्तकालय, अर्थात टीएस सेंट्रल स्टेट लाइब्रेरी, सेक्टर-17 और डिवीजनल लाइब्रेरी (दक्षिण), सेक्टर-34 अब सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा 6 से कक्षा 10 तक के छात्रों को बिना किसी सुरक्षा जमा के मुफ्त पुस्तकालय सेवाएं प्रदान करेंगे, जिससे छात्रों और उनके परिवारों के लिए वित्तीय बाधा दूर हो जाएगी।

यह प्रस्ताव प्रो. एपी सिंह, महानिदेशक, राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन, कोलकाता द्वारा रखा गया था और इस वर्ष की शुरुआत में अध्यक्ष सुश्री प्रेरणा पुरी, आईएएस, सचिव शिक्षा और उपाध्यक्ष, रुबिंदरजीत सिंह बराड़, पीसीएस, निदेशक उच्च शिक्षा, चंडीगढ़ प्रशासन की अध्यक्षता में आयोजित राज्य पुस्तकालय योजना समिति (एसएलपीसी) की बैठक के दौरान सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया था। इस पहल से चंडीगढ़ में फैले 111 से अधिक सरकारी स्कूलों के लगभग 69,000 छात्रों को लाभ मिलने की उम्मीद है। चंडीगढ़ प्रशासन के स्कूल शिक्षा निदेशक के परामर्श से एक विस्तृत कार्यान्वयन योजना तैयार की जाएगी। चंडीगढ़ के सार्वजनिक पुस्तकालय समुदाय में पढ़ने की संस्कृति प्रदान करने और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं।

न्यूज ब्रीफ

हरियाणा स्वास्थ्य शिक्षा शुरू करने वाला पहला राज्य बना

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। ग्लोबल हेल्थ एंड एजुकेशन पर यूनेस्को चेयर के लिए भारत के राष्ट्रीय प्रतिनिधि प्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं स्वास्थ्य जागरूकता के पैरोकार डॉ. राहुल मेहरा ने हरियाणा के स्कूली बच्चों के लिए प्रदेश व्यापी स्वास्थ्य अभियान शुरू करने का ऐलान किया है। जिसका नाम 'कांउटडाउन टू ए हेल्दी लाइफ: '5-4-3-2-1-0' दिया गया है। तरंग हेल्थ अलायंस के कार्यकारी चेयरमैन एवं अमेरिका के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक राहुल मेहरा ने बताया कि बचपन में ही स्वस्थ आदतों को जीवन शैली में शामिल करने के उद्देश्य से इस अभियान की शुरुआत हरियाणा से हो रही है। तरंग हेल्थ अलायंस के साथ साझेदारी करने वाला पहला राज्य बना है, जहां स्कूल पाठ्यक्रम में व्यवस्थित स्वास्थ्य शिक्षा को शामिल किया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि हरियाणा इस जन जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन के राष्ट्रीय अभियान का अग्रणी राज्य बनेगा।

लिवासा हॉस्पिटल ने लॉन्च की इमरजेंसी रिस्पॉन्स प्रणाली

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। लिवासा हॉस्पिटल ने भारत की पहली और सबसे तेज इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम का शुभारंभ किया है, जिसके माध्यम से अब लोग सिर्फ 60 सेकंड में डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं। हेल्पलाइन नंबर 80788 80788 पर कॉल करके स्ट्रोक, एक्सीडेंट, ट्रॉमा जैसी आपातकालीन स्थितियों में तुरंत मदद प्राप्त की

जा सकती है। यह अत्याधुनिक सेवा 24|7 ट्रॉमा सेवाओं, उन्नत डायग्नोस्टिक सुविधाओं, पंजाब के सबसे बड़े आईसीयू केयर और मॉड्यूलर ऑपरेटिंग थियेटरों द्वारा समर्थित है, जिससे लिवासा हॉस्पिटल इमरजेंसी केयर के क्षेत्र में नया मानक स्थापित कर रहा है।मोहाली, अमृतसर, होशियारपुर, खन्ना और नवांशहर में फैले इसके पांच यूनिट्स में कार्डियोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स, जनरल सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी, ट्रांसप्लांटेशन और क्रिटिकल केयर जैसी विशेषज्ञताएं उपलब्ध हैं। लिवासा हॉस्पिटल के निदेशक और सीईओ डॉ. पवन कुमार ने इस पहल की सराहना की और कहा कि हम आपातकालीन और ट्रॉमा देखभाल में क्रांतिकारी बदलाव लाने की अपनी प्रतिबद्धता में अडिग हैं।

चीन अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजेगा 3 अंतरिक्ष यात्री

बीजिंग। चीन 10वें अंतरिक्ष दिवस पर अंतरिक्ष स्टेशन पर तीन अंतरिक्ष यात्रियों को भेजेगा, जो पिछले छह महीने से स्टेशन पर तैनात अपने सहयोगियों की जगह लेंगे। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि चीन मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी (सीएमएसए) के प्रवक्ता लिन जिकियांग ने उत्तर-पश्चिम चीन के जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र में संवाददाताओं को बताया कि चालक दल के साथ शेनझोउ-20 अंतरिक्ष मिशन को वीरवार को बीजिंग के समयानुसार शाम 5:17 बजे इस केंद्र से प्रक्षेपित किया जाएगा। अंतरिक्ष यान में तीन अंतरिक्ष यात्री होंगे, चेन डोंग, चेन झोंगरुई और वांग। चेन डोंग कमांडर के रूप में कार्य करेंगे। (अनंत ज्ञान)

टीएएसएमएसी की याचिका खारिज की

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने बुधवार को तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टीएएसएमएसी) और राज्य सरकार की ओर से दायर उन याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें मार्च में सरकारी शराब खुदरा विक्रेता के परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापों को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति एस एम सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति के राजशेखर की खंडपीठ ने टीएएसएमएसी की ओर दायर की गईं दो याचिकाओं और तमिलनाडु सरकार की ओर से दायर की गई एक याचिका को खारिज कर दिया। पीठ ने ईडी को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आगे की कार्रवाई करने का निर्देश दिया। (अनंत ज्ञान)

बीपीएससी परीक्षा पर रोक लगाने से इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 25 अप्रैल को होने वाली बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की मुख्य परीक्षा पर रोक लगाने से बुधवार को इनकार कर दिया। पिछले साल 13 दिसंबर को प्रारंभिक परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र लीक होने का आरोप लगाने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने 70वीं बीपीएससी संयुक्त प्रतियोगी प्रारंभिक परीक्षा रद्द करने का अनुरोध करने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। पीठ ने सभी अभ्यर्थियों के लिए दोबारा परीक्षा कराने के लिए निर्णायक साक्ष्यों का अभाव बताया। (अनंत ज्ञान)

भोपाल में गेल प्लांट से मीथेन गैस लीक

रायसेन। मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में सरकारी स्वामित्व वाली गेल के संयंत्र से बुधवार तड़के मीथेन गैस लीक हो गई, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि राज्य की राजधानी भोपाल के निकट मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र में स्थित संयंत्र से गैस रिसाव को बाद में बंद कर दिया और घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। (अनंत ज्ञान)

भाजपा ने पाकिस्तान का पुतला फूंक किया प्रदर्शन

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

भाजपा चंडीगढ़ ने बुधवार को प्रदेशाध्यक्ष जितेंद्रपाल मल्होत्रा की अध्यक्षता में पाकिस्तान के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन किया। हजारों की संख्या में लोगों ने 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारे लगाए और पाकिस्तान द्वारा की गई आतंकवादी गतिविधियों का कड़ा विरोध जताया। प्रदर्शन के बाद, पाकिस्तान का पुतला भी फूंक दिया गया, जो पाकिस्तान के खिलाफ पार्टी की नाराजगी का प्रतीक था।

मल्होत्रा ने कहा किभारत अपनी संप्रभुता और सुरक्षा के लिए किसी भी आक्रमण को बर्दाश्त नहीं करेगा। पाकिस्तान को अपनी आतंकवादी गतिविधियां बंद करनी होंगी। यह प्रदर्शन हमारे संकल्प का प्रतीक है कि हम अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति गंभीर हैं। वहीं, रामबीर भट्टी ने कहा कि हमारे देश की सुरक्षा सबसे पहले है। पाकिस्तान के आतंकवादी कृत्यों को हम किसी भी कीमत पर नहीं सहन करेंगे। प्रदर्शन में भाजपा चंडीगढ़ के उपाध्यक्ष रामबीर भट्टी, दविंदर सिंह, शक्ति प्रकाश दैवशाली, जगतार सिंह जगा और अरुण सूद समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

मुख्य सचिव ने की यूटी चंडीगढ़ में वर्षा जल संचयन योजना की समीक्षा

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। भारत सरकार के 'जल शक्ति अभियान: कैच द रेन-2025' अभियान के अनुरूप, जिसका विषय 'जल संचय, जन भागीदारी-जन जागरूकता की ओर' है। यूटी चंडीगढ़ के मुख्य सचिव राजीव वर्मा ने प्रगति का आकलन करने और वर्षा जल संचयन और भूजल के कृत्रिम पुनर्भरण पर केंद्रित एक व्यापक कार्य योजना तैयार करने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान जल संरक्षण पहलों के समय पर कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए कई निर्देश जारी किए गए। स्कूलों, कॉलेजों और आंगनबाड़ियों सहित सभी सरकारी भवनों को वर्षा जल संचयन संरचनाओं (आरडब्ल्यूएचएस) से सुसज्जित किया जाएगा।

एक से 7 मई तक एक सप्ताह तक चलने वाला स्वच्छता अभियान सरकारी संस्थानों में मौजूदा आरडब्ल्यूएचएस को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करेगा। सुखना झील और सुखना वन्यजीव अभ्यारण्य के भीतर चेक डैम से गाद निकालने का काम मानसून की शुरुआत से पहले पूरा कर लिया जाएगा। अमृत सरोवर-धनास परियोजना को नवंबर 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा, जेएसए मिशन के अनुपालन में वन विभाग, इंजीनियरिंग विभाग और नगर निगम चंडीगढ़ को 500,000 पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है। बैठक में तालाबों की सफाई और सामुदायिक भागीदारी में महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की भागीदारी पर भी जोर दिया गया।

चंडीगढ़ मॉडल जेल में खुलेगी पहली आईटीआई!

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

पुनर्वास और पुन: एकीकरण के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक पहल में, केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ मॉडल जेल परिसर में एक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) शुरू करने के लिए तैयार है, जो उत्तरी क्षेत्र में अपनी तरह का पहला है।

माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय की समिति के निर्देशों के अनुपालन में तकनीकी शिक्षा विभाग और जेल विभाग, यूटी चंडीगढ़ प्रशासन, सचिव तकनीकी शिक्षा और आईजी (जेल) के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में मॉडल जेल चंडीगढ़ में बंद कैदियों को प्रशिक्षण देने के लिए आईटीआई संस्थान की स्थापना की प्रक्रिया में है। आईटीआई के सत्र 2025-26 से चालू होने की उम्मीद है, शुरुआत में दो ट्रेड यानी वुडवर्क टेक्नीशियन और सिलाई टेक्नोलॉजी के साथ, भविष्य में विस्तार की योजना है। तकनीकी शिक्षा निदेशक रुबिंदरजीत सिंह बराड़ ने पुष्टि की कि विभाग ने आवश्यक छूट के लिए आवेदन किया है और ऑनलाइन आवेदन

प्रक्रिया शुरू की है। यह आईटीआई इंजीनियरिंग और गैर-इंजीनियरिंग दोनों ट्रेडों में उद्योग-प्रासंगिक पाठ्यक्रम प्रदान करेगा। कौशल विकास में यह अभिनव कदम कैदियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण और नौकरी के लिए तैयार कौशल के साथ सशक्त बनाने का प्रयास करता है, जिससे कारावास के बाद समाज में सम्मानजनक वापसी का मार्ग प्रशस्त होता है।

उत्तरी क्षेत्र में अपनी तरह का यह पहला आईटीआई शिक्षा के माध्यम से सामाजिक सुधार के एक मॉडल के रूप में खड़ा है, जो इस विश्वास को पुष्ट करता है कि कौशल विकास परिवर्तन के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है। यह परियोजना एक अग्रगामी पहल के तहत न्याय, शिक्षा और रोजगार सृजन के अभिसरण पर भी प्रकाश डालती है।

देश-विदेश

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में जम्मू-कश्मीर बंद

एजेंसी, जम्मू

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में बुधवार को जम्मू क्षेत्र के कई हिस्सों और कश्मीर घाटी में पूर्ण बंद रहा। जम्मू शहर के अलावा रियासी, उधमपुर, कटरा, कठुआ और सांबा में भी बंद रहा।

जम्मू शहर के कई हिस्सों में प्रदर्शन हुए जिनमें कई प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान विरोधी नारे लगाए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता युद्धवीर सेठी ने कहा कि हम सर्जिकल स्ट्राइक की तर्ज पर पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देना चाहते हैं, ताकि वहां आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया जा सके। हम चाहते हैं कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों और उनके समर्थकों का सफाया हो। वहीं, कश्मीर में व्यापारियों, ट्रैवल एजेंसियों और ट्रांसपोर्टरों की ओर से बंद का आह्वान किए जाने के बाद कश्मीर घाटी में सभी दुकानें, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, स्कूल और कॉलेज बंद रखे। (अनंत ज्ञान)

महबूबा मुफ्ती ने निकाला विरोध मार्च

श्रीनगर। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के एक मार्च का नेतृत्व किया। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ मुफ्ती यहां शेर-ए-कश्मीर पार्क के पास पार्टी मुख्यालय में एकत्र हुईं, जहां से उन्होंने विरोध मार्च शुरू किया। यह हम सभी पर हमला है, निर्दोष लोगों की हत्या एक आतंकी कृत्य है और निर्दोष लोगों की हत्याएं रोकें लिखी तख्तियां लेकर मार्च श्रीनगर के लाल चौक शहर में समाप्त हुआ।

ताज की खूबसूरती पर फिदा हुए अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस

एजेंसी, आगरा

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस ने बुधवार को सपरिवार आगरा पहुंचकर ताजमहल का दीदार किया। वेंस ताज की खूबसूरती पर फिदा हुए। जिला प्रशासन के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी पत्नी ऊषा और बच्चों के साथ आगरा पहुंचे वेंस की खेरिया हवाई अड्डे पर अगवानी की।

उन्होंने बताया कि उसके बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति कार से ताजमहल परिसर पहुंचे और मोहब्बत की मिसाल मानी जाने वाली इस विश्व धरोहर का दीदार किया। वेंस ने ताजमहल का भ्रमण करने के बाद आगंतुक डायरी में लिखा कि ताजमहल अद्भुत है। यह सच्चे प्रेम, मानवीय प्रतिभा का प्रमाण है और भारत जैसे महान देश की एक लाजवाब कृति है। आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी.वेंस और उनके परिवार का उत्तर प्रदेश में हार्दिक स्वागत है। यह भारत का पवित्र हृदय स्थल है और अपनी शाश्वत भक्ति, जीवंत संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। (अनंत ज्ञान)

खुफिया नाकामी के कारण हुआ पहलगाम आतंकी हमला: ओवैसी

एजेंसी, हैदराबाद

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को आरोप लगाया कि पहलगाम आतंकवादी हमला खुफिया नाकामी का नतीजा है।

उन्होंने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार से इस घटना के लिए जवाबदेही तय करने की मांग करते हुए कहा कि यह हमला उरी और पुलवामा में हुई घटनाओं से भी अधिक खतरनाक, निंदनीय और पीड़ादायक है। हैदराबाद के सांसद ने संवाददाताओं से बातचीत में इस घटना की कड़ी निंदा की और उम्मीद जताई कि सरकार सभी आतंकवादियों को सबक सिखाएगी और पीड़ितों के परिवारों को जल्द से जल्द न्याय दिलाएगी। (अनंत ज्ञान)

एयरलाइंस ने कैंसिलेशन रिशेड्यूलिंग चार्ज हटाए

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के चलते एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर और इंडिगो ने टिकट कैंसिलेशन और रिशेड्यूलिंग चार्ज को हटा दिया है। एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर और इंडिगो ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि हम मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए 30 अप्रैल 2025 तक श्रीनगर से आने-जाने वाली अपनी उड़ानों के लिए बदलाव और कैंसिलेशन फीस माफ कर रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार को दिए कैलाश विजयवर्गीय व अन्य के खिलाफ स्टेटस रिपोर्ट पेश करने के निर्देश

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया कि वह भाजपा के नेताओं कैलाश विजयवर्गीय, अर्जुन सिंह और अन्य के खिलाफ राज्य में दर्ज आपराधिक मामलों में जांच की स्थिति पर रिपोर्ट पेश करे। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि अपील 2020 में दायर की गई थीं और उसने राज्य को एक महीने के भीतर एक व्यापक हलफनामा दायर करने तथा जांच के चरण के बारे में सूचित करने का निर्देश दिया।

शीर्ष अदालत ने उन्हें प्राप्त अंतरिम संरक्षण भी अगली सुनवाई की तारीख 23 जुलाई तक बढ़ा दिया। पीठ ने प्रश्न किया कि आप चाहते हैं कि जांच सीबीआई को सौंप दी जाए। क्या आपको यकीन है कि सीबीआई निष्पक्ष जांच करेगी? याचिकाओं में पश्चिम बंगाल के कई पुलिस थानों में दर्ज प्राथमिकियों की जांच को स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया है। (अनंत ज्ञान)

अमेरिका का भारत से गैर शुल्क बाधाएं हटाने का आग्रह

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका ने कई बार भारतीय बाजारों में अपनी वस्तुओं के सामने आने वाली कुछ गैर शुल्क बाधाओं पर चिंता जताई है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने जयपुर में भारत से गैर-शुल्क बाधाओं को हटाने और अपने बाजारों में अधिक पहुंच देने का आग्रह किया।

भारतीय उत्पादों को भी अमेरिका, यूरोपीय संघ (ईयू), चीन, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इन मुद्दों का सामना करना पड़ता है। गैर शुल्क बाधाएं ऐसे व्यापार प्रतिबंध हैं, जिनमें शुल्क (आयात या निर्यात पर कर या शुल्क) शामिल नहीं होते हैं। ये बाधाएं देशों के बीच पार माल की निर्बाध आवाजाही को प्रभावित करती हैं। गैर-शुल्क उपायों (एनटीएम) और कुछ गैर शुल्क बाधाओं (एनटीबी) के बीच अंतर करना आवश्यक है। अधिकांश एनटीएम मानव, पशु या पौधों के स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा के उद्देश्य से देशों की ओर से बनाए गए घरेलू नियम हैं। एनटीएम 'तकनीकी' उपाय हो सकते हैं जैसे विनियमन, मानक, परीक्षण, प्रमाणन, आयात से पहले निरीक्षण या 'गैर-तकनीकी' उपाय जैसे कि कोटा, आयात लाइसेंस, सब्सिडी, सरकारी खरीद प्रतिबंध आदि। जब एनटीएम मनमाने और तर्क से परे हो जाते हैं, तो वे व्यापार के लिए बाधाएं पैदा करते हैं और उन्हें एनटीबी कहा जाता है। (अनंत ज्ञान)

शेयर बाजार में तेजी: सेंसेक्स में 521 अंक चढ़ा, 80,116 पर बंद

एजेंसी, मुंबई

हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को शेयर बाजार में लगातार 7वें दिन तेजी रही। सेंसेक्स 521 अंक चढ़कर 80,116 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 162 अंक की तेजी रही। यह 24,329 पर पहुंच गया है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 में तेजी रही।

चौथी तिमाही में उम्मीद के मुताबिक, नतीजों के बाद एचसीएल टेक के शेयर में 7.72 फीसदी की तेजी रही। टेक महिंद्रा, इंफोसिस और टाटा मोटर्स के शेयर में 5 फीसदी तक की तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 38 चढ़कर बंद हुए। एनएसई का आईटी सेक्टर 4.34 फीसदी ऊपर बंद हुआ।

इसके अलावा, ऑटो में 2.38 फीसदी, फार्मा में 1.40 फीसदी, हेल्थकेयर में 1.34 फीसदी, रियल्टी में 1.33 फीसदी और मेटल में 0.78 फीसदी की तेजी रही। मंगलवार को शेयर बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 187 अंक चढ़कर 79,596 पर बंद हुआ। निफ्टी में 42 अंक की तेजी रही, ये 24,167 पर बंद हुआ था। (अनंत ज्ञान)

हूती विद्रोहियों ने उत्तरी इसराइल में दागी मिसाइल

दुबई। यमन के हूती विद्रोहियों ने बुधवार को तड़के इसराइल के उत्तरी क्षेत्र की ओर मिसाइल दागी। इसराइली सेना के अनुसार, मिसाइल को इंटरसेप्टर के जरिए सफलतापूर्वक मार गिराया गया। यह हमला उस वक्त हुआ है जब अमेरिका पिछले एक महीने से हूती विद्रोहियों पर लगातार हवाई हमले कर रहा है।

इराइली सेना के अनुसार, हमले के बाद हाइफा, क्रायोट और गलील सागर के पश्चिमी इलाकों में सायरन बजाए गए और लोगों ने धमाकों की आवाजें सुनीं। हूती विद्रोहियों ने हमले की तत्काल जिम्मेदारी नहीं ली है। आमतौर पर वे हमलों की पुष्टि में देरी करते हैं। अमेरिकी हवाई हमले बुधवार को जारी रहे। हूती विद्रोहियों के अनुसार, होदेदा, मारीब और सादा प्रांत में हमले किए गए, जिनमें मारीब में दूरसंचार उपकरणों को भी निशाना बनाया गया। (अनंत ज्ञान)

मणिपुर में 4 उग्रवादियों सहित छह लोग गिरफ्तार

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर में सुरक्षाबलों ने मंगलवार को विभिन्न अभियानों के दौरान प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों के चार सदस्यों सहित कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (नोंगद्रेनखोम्बा) की एक सक्रिय महिला उग्रवादी टोंगब्रम डॉली देवी (20) को इम्फाल पश्चिम जिले के लाम्फेल सुपरमार्केट से गिरफ्तार किया गया।

वह संगठन की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थी। इसके अलावा पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलीपाक (पीआरईपीएके) के एक कैडर को इम्फाल पूर्व जिले के नापेटपल्ली थोंगखोंग क्षेत्र से पकड़ा गया।

हथियार और विस्फोटक बरामद

सुरक्षाबलों ने इंफाल ईस्ट जिले के हेंगांग थाना क्षेत्र के तहत मोंगजम के पहाड़ी इलाके से सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए। एक कार्बाइन, एक एसएलआर राइफल, सात मैगजीन, 73 जिंदा कारतूस, 37 खाली खोखे और एक बाओफेंग सेट चार्जर सहित बरामद किया गया।

पुलिस ने उस व्यक्ति का नाम उजागर नहीं किया है। (अनंत ज्ञान)

आईपीएल-18 रिकॉर्ड

ऑरेंज कैप
साई सुदर्शन
417

पर्पल कैप
प्रसिद्ध कृष्णा
16

सिक्सर किंग
निकोलस पूरन
31

अंक तालिका

क्रमांक	टीम	मैच	जीत	हार	अंक
1.	गुजरात	08	06	02	12
2.	दिल्ली	08	06	02	12
3.	बेंगलुरु	08	05	03	10
4.	पंजाब	08	05	03	10
5.	लखनऊ	09	05	04	10
6.	मुंबई	08	04	04	08
7.	कोलकाता	08	03	05	06
8.	राजस्थान	08	02	06	04
9.	हैदराबाद	07	02	05	04
10.	चेन्नई	08	02	06	04

स्पोर्ट्स विंडो

अगासी यूएस ओपन पिकलबॉल चैंपियनशिप में खेलेंगे

नेपल्स (अमेरिका)। अपने जमाने के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी आंद्रे अगासी ने अपने आठ ग्रैंड स्लैम खिताबों में से दो यूएस ओपन में जीते और अब वह इसी नाम से एक अलग तरह की रैकेट स्पर्धा में खेलते हुए नजर आएंगे। अगासी ने फ्लशिंग मीडोज में अपना आखिरी मैच खेलने के बाद 2006 में पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लिया था। वह अगले सप्ताह नेपल्स, फ्लोरिडा में यूएस ओपन पिकलबॉल चैंपियनशिप में मिश्रित प्रो डिवीजन में किशोरी अन्ना लेह वाटर्स के साथ जोड़ी बनाकर प्रतिस्पर्धा करेंगे। अगासी अगले सप्ताह 55 वर्ष के हो जाएंगे। उन्होंने 1994 और 1999 में टेनिस यूएस ओपन जीता था। वह उन कुछ खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने टेनिस में चारों ग्रैंड स्लैम जीतपर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया। उन्हें 2011 में इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया था। यह पहला अवसर होगा जबकि वह किसी पिकलबॉल चैंपियनशिप में भाग लेंगे। (अनंत ज्ञान)

सूर्यकुमार-देविशा की खूबसूरत जोड़ी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की पत्नी देविशा शेट्टी एक क्लासिकल डांसर है। देविशा ने डांस के दम पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। डांस के अलावा देविशा को बेकिंग और खाना बनाने का भी काफी शौक है। वह काफी क्यूट हैं, जिसके चलते वह खूब चर्चा में रहती हैं।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर कीथ स्टैकपोल का निधन

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीम के पूर्व उप कप्तान और 1973 में विजडन के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में से एक कीथ स्टैकपोल का निधन हो गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। वह 84 वर्ष के थे। स्टैकपोल ने 1966 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया और 43 टेस्ट मैच में 2,807 रन बनाए। उन्होंने एक लेग स्पिनर के रूप में 15 विकेट भी लिए। उन्होंने 1971 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए सबसे पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भी हिस्सा लिया था। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए इस मैच में उन्होंने तीन विकेट लिए थे और इस तरह से ऑस्ट्रेलिया की पांच विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। स्टैकपोल ने एशेज में अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट प्रदर्शन किया। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 13 टेस्ट में 50.6 की औसत से रन बनाए। (अनंत ज्ञान)

आईपीएल घरेलू मैदान पर रिकॉर्ड में सुधार करने उतरेगा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

राजस्थान रॉयल्स और बेंगलुरु आज होंगे आमने-सामने

एजेंसी, बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) वीरवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में जब राजस्थान रॉयल्स का सामना करेगा तो उसका लक्ष्य अपने घरेलू मैदान चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपने रिकॉर्ड में सुधार करना होगा। आरसीबी ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में अभी तक जो तीन मैच खेले हैं, उन सभी में उसे हार का सामना करना पड़ा है। आरसीबी ने देश के अन्य स्थानों पर अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन अपने घरेलू मैदान पर खराब प्रदर्शन के कारण उसको नुकसान हो रहा है।

आरसीबी के बल्लेबाज अजीब तरह के दबाव में नजर आ रहे हैं, जबकि उसके गेंदबाज भी यहां की पिच से सामंजस्य नहीं बिठा पा रहे हैं। यहां की पिच धीमी है और आरसीबी के बल्लेबाज उस पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। वह इस दुविधा में नजर आते हैं कि संभलकर खेला जाए या फिर आक्रामक रवैया अपनाया जाए।

इसका सबूत यहां टीम का स्कोर है। आरसीबी की टीम अभी तक यहां आठ विकेट पर 169 रन, सात विकेट पर 163 रन और नौ विकेट पर 95 रन (14 ओवर में) ही बना पाई है। अन्य स्थानों पर उन्होंने प्रति ओवर 9-10 रन बनाए हैं, लेकिन यहां यह दर गिरकर 7-8 रन प्रति ओवर हो गई है।

आरसीबी की बल्लेबाजी के मुख्य आधार विराट कोहली ने अभी तक इस सत्र में 64 की औसत से रन बनाए हैं, लेकिन फिल साल्ट, देवदत्त पडिक्कल और कप्तान रजत पाटीदार से बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद है। आरसीबी के गेंदबाज भी पिच से मदद मिलने के बावजूद उसका फायदा नहीं उठा पाए हैं। आरसीबी को अगर अपने घरेलू मैदान पर हार का सिलसिला तोड़ना है तो उसके गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी के 10 अंक हैं और वह तालिका में तीसरे स्थान पर है लेकिन पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स के भी 10 अंक हैं। मुंबई इंडियंस आठ अंकों के साथ उनसे ज्यादा दूर नहीं है। राजस्थान रॉयल्स की भी अपनी समस्याएं हैं।

कप्तान संजू सैमसन चोटिल होने के कारण इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। उनकी अनुपस्थिति में रियान पराग कप्तानी करेंगे। रॉयल्स के अभी चार अंक हैं और वह अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। राजस्थान के प्रमुख बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, पराग, शिमरोन हेटमायर और नितीश राणा आठ मैचों में छह हार के बावजूद अच्छी फॉर्म में हैं और युवा वैभव सूर्यवंशी द्वारा की गई शुरुआत भी उत्साहजनक है, लेकिन राजस्थान के गेंदबाजों ने अभी तक निराश किया है। वानिंदु हसरंगा (छह मैच में नौ विकेट) ने उसकी तरफ से अभी तक सर्वाधिक विकेट लिए हैं लेकिन श्रीलंकाई स्पिनर ने एक मैच में चार विकेट लिए हैं और बाकी में संघर्ष किया है।

जोफ्रा आर्चर (आठ मैच, आठ विकेट), महेश थीक्षाना (आठ मैच, सात विकेट) और संदीप शर्मा (आठ मैच, छह विकेट) भी कुछ ऐसी ही कहानी पेश करते हैं। (अनंत ज्ञान)

मैच : शाम 7.30 बजे से

संभावित टीमें

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: रजत पाटीदार (कप्तान), फिल साल्ट, विराट कोहली, लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा, यश दयाल, देवदत्त पडिक्कल, रसिख दार सलाम, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, स्वप्निल सिंह, लुंगी एनगिडी, रोमारियो शेफर्ड, नुवान तुषारा, मोहित राठी, स्वास्तिक चिकारा, अभिनंदन सिंह।

राजस्थान रॉयल्स: यशस्वी जायसवाल, रियान पराग (कप्तान), नितीश राणा, ध्रुव जुरेल, शिमरोन हेटमायर, वानिंदु हसरंगा, जोफ्रा आर्चर, महेश थीक्षाना, संदीप शर्मा, तुषार देशपांडे, शुभम दुबे, कुमार कार्तिकेय, युद्धवीर सिंह चरक, कुणाल सिंह राठौड़, आकाश मधवाल, फजलहक फारूकी, केवेना मफाका, अशोक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन।

मुंबई ने हैदराबाद को दिए शुरुआती झटके

एजेंसी, हैदराबाद

आईपीएल का 41वां मैच सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में खेला गया। मुंबई ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। दोनों टीमें सीजन में दूसरी बार भिड़ रही हैं, पिछला मैच मुंबई ने जीता था। मैच शुरू होने से पहले स्टेडियम में सभी खिलाड़ियों और दर्शकों ने पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति श्रद्धांजलि देने के लिए 2 मिनट का मौन रखा। हैदराबाद से अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड ओपनिंग करने उतरे। ट्रेंट बोल्ट ने ट्रैविस हेड (0) और अभिषेक शर्मा को (8) रन पर कैच कराया। उसके बाद बल्लेबाजी करने आए ईशान किशन मात्र एक रन मिचेल सेनटनर के हाथों कैच दे बैठे। अनिकेत शर्मा भी कुछ खास नहीं कर पाए और 14 गेंदों में 12 रन बनाए। हार्दिक ने उन्हें रिकेल्टन के हाथों कैच करवाया। समाचार लिखे जाने तक सनराइजर्स हैदराबाद ने 14 ओवर के बाद 5 विकेट के नुकसान पर 86 रन बना लिए थे। हेनरिक क्लासेन (49) और अभिनव मनोहर (10) रन बनाकर खेल रहे थे।

विकेट लेने के बाद जश्न मनाते मुंबई के खिलाड़ी।

...लगा कि पीसीबी ने मुझे कर दिया है **नजरअंदाज** : आमिर

एजेंसी, कराची

पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने कहा कि टी20 विश्व कप 2024 के बाद उन्हें 'पाकिस्तान क्रिकेट ढांचे' द्वारा दरकिनार और नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने पिछले साल के अंत में अपने संन्यास के पीछे का कारण संवाद की कमी बताया।

आमिर और इमाद वसीम ने पिछले साल के टी20 विश्व कप में खेलने के लिए संन्यास से वापसी की थी, लेकिन पाकिस्तान का प्रदर्शन काफी खराब रहा और 2009 का चैंपियन सुपर आठ चरण में जगह बनाने में भी विफल रहा। इन दोनों खिलाड़ियों ने पिछले साल दिसंबर में लगातार दिनों में संन्यास की घोषणा की।

आमिर ने कहा, ''टी20 विश्व कप के बाद मुझे लगा कि पाकिस्तान क्रिकेट ढांचे ने मुझे दरकिनार और नजरअंदाज कर दिया है। टी20 विश्व कप समाप्त होने के बाद किसी ने मेरे से बात तक नहीं की। किसी ने मुझे नहीं बताया कि मैं भविष्य की योजनाओं का हिस्सा हूं या नहीं।'' उन्होंने कहा, ''एक समझदार व्यक्ति संकेतों को समझता है- यदि आप योजनाओं में नहीं हैं तो आपको अपने बारे में सोचना होगा। मैंने ठीक यही किया। मैंने अब अपना मन बना लिया है- अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बहुत-बहुत धन्यवाद।'' बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने इससे पहले दिसंबर 2020 में 28 साल की उम्र में कोच मिस्बाह उल हक और वकार यूनिस के साथ मुद्दों का हवाला देते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। आमिर ने कहा कि जब पीसीबी ने उन्हें अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले विश्व कप में खेलने के लिए कहा तो उन्होंने काउंटी क्रिकेट खेलने के अनुबंध को स्वीकार करने से भी इनकार कर दिया। (अनंत ज्ञान)

केएल राहुल ने पिछले सत्र के बोझ को छोड़ा पीछे : पुजारा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय टेस्ट विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि लोकेश राहुल लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के साथ पिछले सत्र के निराशाजनक प्रदर्शन से आगे बढ़ चुके हैं और मानसिकता में बदलाव से ना केवल उन्हें अपनी नई आईपीएल फ्रेंचाइजी में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिल रही है बल्कि इससे वह राष्ट्रीय टीम के लिए भी मजबूत खिलाड़ी बन रहे हैं।

राहुल ने मंगलवार को सत्र का तीसरा अर्द्धशतक जड़ा और लखनऊ में अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी सुपर जायंट्स के खिलाफ अपनी नई टीम दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से शानदार जीत दिलाई। पुजारा ने कहा, ''बस आगे बढ़ो, अतीत का बोझ मत उठाओ। और यह अच्छी बात है। राहुल एक परिपक्व खिलाड़ी है। पिछले कुछ वर्षों से वह सभी प्रारूपों में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है।'' उन्होंने कहा, ''वह अतीत के बारे में नहीं सोचना चाहता और अपनी बल्लेबाजी का आनंद लेना चाहता है। वह इसके बारे में नहीं सोचता कि जब वह एलएसजी टीम के लिए खेल रहा था तो क्या गलत हुआ था।''

पुजारा ने कहा, ''आगे बढ़ना अच्छा है जो उसे दिल्ली कैपिटल्स और यहां तक कि भारतीय टीम के लिए भी अच्छा खेलने में मदद करेगा। क्योंकि पिछले कुछ समय में वह ऐसा खिलाड़ी है कि उसकी बल्लेबाजी को देखते हुए भारतीय टीम भी उस पर भरोसा करती है।'' राहुल की कप्तानी में एलएसजी 2022 और 2023 सत्र में प्ले ऑफ में पहुंच गया था। हालांकि, पिछले सत्र में लखनऊ की टीम सातवें स्थान पर रही थी। (अनंत ज्ञान)

नेशनल मास्टर्स खेलों में राज ठाकुर और भूपेंद्र ठाकुर ने जीता पदक

अभिषेक, जोगिंद्रनगर। व्यापार मंडल के प्रतिष्ठित व्यापारी सदस्य राज ठाकुर (ठाकुर एंटरप्राइजेज) ने भूपेंद्र ठाकुर (प्रवक्ता, राजनीति विज्ञान) के साथ मिलकर धर्मशाला में आयोजित राष्ट्रीय वरिष्ठ खेल प्रतियोगिता 2025 में 55 वर्ष आयु वर्ग के बैडमिंटन युगल मुकाबले में रजत पदक जीत कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। व्यापार मंडल जोगिंद्रनगर ने दोनों प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

व्यापार मंडल ने इसे जोगिंद्रनगर के लिए गौरव का क्षण बताया और आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी स्थानीय प्रतिभाएं इसी तरह राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर सफलता अर्जित करती रहेंगी। राज ठाकुर और भूपेंद्र ठाकुर की यह जीत न केवल खेल भावना का प्रतीक है, बल्कि यह भी सिद्ध करती है कि उम्र केवल एक संख्या है और लगन, मेहनत व समर्पण से किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त की जा सकती है। (अनंत ज्ञान)

सचिन तेंदुलकर ने 24 साल तक 22 गज की क्रीज पर किया राज

एजेंसी, मुंबई

क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदलुकर को क्रिकेट की दुनिया में कई नामों से जाना जाता है। कोई उन्हें मास्टर ब्लास्टर कहता है तो कोई उन्हें रिकॉर्डों का बादशाह कहता है। वह दुनिया के महान खिलाड़ियों में से एक हैं। क्रिकेट के इस महान खिलाड़ी का जन्म 24 अप्रैल 1973 को मुंबई में मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ था। उन्होंने करीब 24 सालों तक 22 गज की क्रीज पर राज किया है। सचिन ने वनडे डेब्यू 18 दिसंबर 1989 और टेस्ट में डेब्यू 15 नवंबर 1989 को किया था।

ऐसे बने 'गॉड ऑफ क्रिकेट', बनाए कई रिकॉर्ड

उन्होंने टेस्ट और वनडे में डेब्यू अपने चीर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ किया था। मास्टर ब्लास्टर के नाम सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। साथ ही वह शतकों का शतक भी लगा चुके हैं, जिसे तोड़ पाना किसी भी खिलाड़ी के लिए बहुत मुश्किल है। तेंदुलकर ने वनडे क्रिकेट में 49 शतक लगाए हैं। उन्होंने अपना पहला वनडे शतक 1994 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोलंबो में लगाया था।

उन्होंने 2003 के वनडे वर्ल्ड कप में भी अहम भूमिका निभाई थी और भारत को फाइनल तक पहुंचाया था। मास्टर ब्लास्टर ने 2011 के अपने आखिरी वर्ल्ड कप में भी अपना योगदान दिया और भारत को 28 साल बाद वर्ल्ड कप जीतने में मदद की थी। सचिन ने 463 मैचों की 452 पारियों में 44.83 की औसत से 18246 रन बनाए हैं, जिसमें 49 शतक शामिल हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 200 रन रन था। उन्होंने 200 टेस्ट मैच खेलने का रिकॉर्ड बनाया और 15,921 रन बनाए हैं। सचिन ने टेस्ट क्रिकेट में 51 शतक लगाए हैं जो एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है।

तेंदुलकर ने इंडियन प्रीमियर लीग में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए टीम को कई जीत दिलाई। सचिन ने आईपीएल के अलावा अन्य लीग और टूर्नामेंट में भी हिस्सा लिया था। 16 नवंबर 2013 का दिन भारतीय क्रिकेट के इतिहास में हमेशा के लिए अमर रहेगा। यह वही दिन था जब क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन रमेश तेंदुलकर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। सचिन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने करियर का आखिरी टेस्ट मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला। 24 साल लंबे करियर के बाद तेंदुलकर का संन्यास पूरे देश के लिए एक भावुक क्षण बन गया।

सिरमौर की दीपिका भूटान में खेलेगी थर्ड पेसापालो एशिया कप

अनंत ज्ञान, नाहन। जिला सिरमौर की बेटी का चयन एशिया कप के लिए हुआ है। दीपिका भूटान में होने वाली इस प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करेगी। जिला सिरमौर के ग्रामीण इलाके के रास्त की रहने वाली दीपिका ठाकुर पेसापालो की खिलाड़ी है। गौर हो कि पैसापालो एक तेज गति वाला बल्ला है और गेंद का खेल है जो फिनलैंड का राष्ट्रीय खेल है। बता दें जिला सिरमौर के गिरिपार के शिलाई विकास खंड की ग्राम पंचायत रास्त की रहने वाली दीपिका ठाकुर मध्यम वर्गीय परिवार से संबंध रखती है। दीपिका का कहना है कि वह इस बार पेसापालो में गोल्ड मेडल जीतकर न केवल देश का बल्कि शिलाई का नाम भी रोशन करेगी। इस खेल के लिए शिलाई के जारवा के कुलाह गांव के रहने वाले बाबूराम इस प्रतियोगिता को पूरा स्पॉन्सर कर रहे हैं। गौर हॉकी एशिया कप में चार देश भाग ले रहे हैं, जिसमें भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका शामिल है। इस कप में भारतीय टीम का नेतृत्व दीपिका ठाकुर करेगी। (अनंत ज्ञान)

प्रतिक्रिया निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना और उनकी हत्या करना पूरी तरह गलत

पहलगाम आतंकी हमले से आहत भारतीय खेल जगत

एजेंसी, नई दिल्ली

ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा और पीवी सिंधु तथा दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर सहित भारतीय खेल जगत ने पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले पर शोक व्यक्त करते हुए इसकी कड़ी निंदा की। आतंकवादियों ने मंगलवार को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर हमला किया, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

सिंधु ने भी एक भावुक पोस्ट में लिखा, ''पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के लिए मेरा दिल दुखता है। इतना दर्द। इतना नुकसान। कोई भी किसी भी कारण से ऐसी क्रूरता को उचित नहीं ठहरा सकता। पीड़ित परिवारों का दुख शब्दों से परे है, लेकिन आप अकेले नहीं हैं। हम आपके साथ हैं।''

इसी तरह की भावनाएं जसप्रीत बुमराह और सूर्यकुमार यादव जैसे अन्य शीर्ष खिलाड़ियों ने भी व्यक्त कीं। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने एक भावनात्मक संदेश पोस्ट किया जिसमें उन्होंने न्याय की गुहार लगाई। सिराज ने लिखा, ''धर्म के नाम पर निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना और उनकी हत्या करना पूरी तरह से बुराई है। यह कैसी लड़ाई है जहां इंसान की जान की कोई कीमत ही नहीं है। मुझे उम्मीद है कि यह पागलपन जल्द ही खत्म होगा और इन आतंकवादियों को दंडित किया जाएगा।''

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज और भाजपा सदस्य विजेंदर सिंह ने भी कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा, ''आने वाले समय में हमारे वीर जवान इस कायरतापूर्ण हमले का मुंहतोड़ जवाब जरूर देंगे। भारत माता के वीर सपूतों की मौजूदगी में जो लोग जम्मू-कश्मीर में शांति भंग करना चाहते हैं, उनके मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे।'' भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने लिखा, ''पीड़ित परिवारों के लिए प्रार्थना करता हूं। इसके लिए जिम्मेदार लोगों को इसकी कीमत चुकानी होगी। भारत हमला करेगा।'' इनके अलावा भारत के अन्य खिलाड़ियों ने भी पहलगाम हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और कहा कहा कि हिंसा के ऐसे कृत्यों के लिए हमारे समाज में कोई जगह नहीं है। शांति बनी रहे।'' (अनंत ज्ञान)

तेंदुलकर ने लिखा, ''प्रभावित परिवार एक अकल्पनीय परीक्षा से गुजर रहे होंगे। भारत और दुनिया दुख की इस घड़ी में उनके साथ है। हम लोगों की मौत पर शोक मनाते हैं और न्याय के लिए प्रार्थना करते हैं।''

-सचिन तेंदुलकर, पूर्व क्रिकेटर

विराट कोहली ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, ''पीड़ितों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना। जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई है, उनके परिवारों को शांति और शक्ति मिले और उन्हें क्रूर कृत्य के लिए न्याय मिले, इसके लिए प्रार्थना करता हूं।''

-विराट कोहली, भारतीय क्रिकेटर

नीरज चोपड़ा ने एक्स पर लिखा, ''जम्मू-कश्मीर में हुए दुखद हमले से दिल दहल गया है। पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए प्रार्थना करता हूं।''

-नीरज चोपड़ा, एथलीट